● वर्ष-3
● अंक-161
रायपुर, बुधवार
14 फरवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› राम मंदिर के तर्ज पर बनेगा...

हर धड़कन कह रही है भारत-यूएई दोस्ती जिंदाबादः मोदी

यूएई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अपनी दो दिवसीय यात्रा शुरू 13 फरवरी को शुरू की जहां वो अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर बीएपीएस मंदिर का उद्घाटन करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान पीएम पश्चिम एशिया में भारत के सबसे करीबी रणनीतिक साझेदारों में से एक के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करने के अलावा हजारों की भीड़ से भरे भारतीय प्रवासियों को संबोधित करने के लिए पहुंच गए हैं।

अबू धाबी के जायद स्पोर्ट्स स्टेडियम में अहलान मोदी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आप लोगों ने यूएई में एक नया इतिहास रच दिया। आप लोग कोने कोने से यहां आए। पीएम मोदी ने कहा कि हर धड़कन कह रही है भारत यूएई दोस्ती जिंदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अबू धाबी के एक होटल में एकत्र हुए भारतीय प्रवासियों का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अबू धाबी के एक होटल में पहुंचने पर प्रवासी भारतीयों ने मोदी-मोदी, मोदी है तो मुमकिन है और भारत माता की जय के नारे लगाए। । प्रवासी भारतीय सदस्य पीएम मोदी से मिलने और उनके साथ कुछ पल बिताने के मौके का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

बीएपीएस मंदिर के लिए यूएई के राष्ट्रपति को धन्यवाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 फरवरी उद्घाटन होने वाले बीएपीएस हिंदू मंदिर के लिए संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को धन्यवाद दिया और कहा कि यह भारत के प्रति उनके प्यार और सम्मान को दर्शाता है। दोनों नेताओं ने अबू धाबी में एक द्विपक्षीय बैठक भी की, जिसके दौरान समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। उन्होंने जनवरी में वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन में मुख्य अतिथि बनने का निमंत्रण स्वीकार करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति को भी धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने द्विपक्षीय बैठक के दौरान कहा कि भाई, सबसे पहले, मैं आपके गर्मजोशी से स्वागत के लिए आपका हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं... मैं जब भी संयुक्त अरब अमीरात आता हूं, मुझे हमेशा ऐसा महसूस होता है जैसे मैं अपने ही घर में आया हूं, अपने ही सदस्यों से मिलने आया हूं।

अब यूएई में भी चलेगा यूपीआई और रूपे कार्ड

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने 13 फरवरी को संयुक्त अरब अमीरात में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस और रूपे कार्ड सेवाओं की शुरुआत की। रूपे एक भारतीय बहुराष्ट्रीय वित्तीय सेवा और भुगतान सेवा प्रणाली है। यूनिफ़ाइड पेमेंट इंटरफ़ेस, जिसे आमतौर पर यूपीआई कहा जाता है, एक भारतीय त्वरित भुगतान प्रणाली है। यूएई में यूपीआई और रुपे कार्ड सेवाएं शुरू करने से पहले पीएम मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद ने एक द्विपक्षीय बैठक की और उनकी उपस्थिति में कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया।

साय सरकार किसानों के लिए समर्पितः चौधरी

टेक्नोलॉजी के व्यापक इस्तेमाल से प्रदेश में आयेगा बड़ा परिवर्तनः वित्त मंत्री

वित्त मंत्री ने बजट पर चर्चा के लिए सदन में पक्ष एवं विपक्ष के सदस्यों को दिया धन्यवाद

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने विधानसभा में बजट पर चर्चा के लिए पक्ष एवं विपक्ष की तरफ से चर्चा में शामिल सदस्यों के साथ ही सदन के सभी सदस्यों को अपनी तरफ से धन्यवाद ज्ञापित किया।

वित्त मंत्री ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में कहा की मैं बजट पर चर्चा में शामिल सभी साथियों को अपने सुझाव और अपनी बातें रखने के लिए धन्यवाद देता हूं।

वित्त मंत्री ने सदन को संबोधित करते हुए कहा की राज्य में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार बस्तर एवं सरगुजा पर फोकस करने के लिए पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने कहा की सरगुजा एवं बस्तर को इको टूरिज्म एवं नेचुरोपैथी डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जायेगा। बस्तर क्षेत्र में लघु वनोपज के प्रसंस्करण हेतु उद्योगों की स्थापना की जाएगी और समन्वित प्रयास करते हुए इन क्षेत्रों की आर्थिक संभावनाओं को मूर्त रूप दिया जाएगा।

वित्त मंत्री ने कहा की एक ओर हमारी सरकार गोंडी भाषा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है तो दूसरी तरफ नया रायपुर को आईटी सेक्टर बनाने के लिए भी हम प्रतिबद्ध हैं,हम टेक्नोलॉजी के व्यापक इस्तेमाल करने की कोशिश करेंगे इससे प्रदेश में बड़ा परिवर्तन आएगा।

वित्त मंत्री ने नए जिलों के बारे में कहा की उन्हें यह जानकारी मिली है की बहुत से नए जिलों में कार्यालय, कॉलेज एवं मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं। इन जिलों का विकास करने के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। श्री चौधरी ने सदन को संबोधित करते हुए कहा की यह विष्णु देव साय की सरकार है जिसने निर्णय लिया है कि 15 क्विंटल की जगह 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी होगी। इसके लिए किसानों के हित में कृषक उन्नति योजना के तहत बजट में 12 हजार करोड़ का प्रावधान भी किया गया है। उन्होंने कहा की हमारी सरकार किसानों के लिए पूरी तरह समर्पित है और सदन में बैठे किसी भी व्यक्ति को किसानों की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

शंभू-जींद बॉर्डर पर टकरावः 19 जवान घायल, 14 सीमाओं पर 20 हजार किसान

चंडीगढ़/पटियाला/करनाल/रोहतक/हिसार। एमएसपी गारंटी कानून और कर्जमाफी समेत 12 मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे पंजाब के किसानों ने सरकार से वार्ता विफल होने के बाद मंगलवार सुबह दिल्ली के लिए कूच कर दिया। पंजाब के विभिन्न इलाकों से ट्रैक्टर ट्रॉलियों पर टेंट व राशन लेकर निकले किसानों को हरियाणा के बॉर्डर पर रोक दिया गया है। सील किए गए पटियाला के शंभू और जींद के दातासिंह वाला बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों की बीच कई बार टकराव हुआ। पथराव और बैरिकेड तोड़ने की कोशिश कर रहे किसानों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले, वाटर कैनन और रबड़ की गोलियां चलाईं। जींद में किसानों पर लाठियां भी बरसाई गईं। दोनों बॉर्डर पर हुए टकराव में 100 किसान व अंबाला के नारायणगढ़ के डीएसपी समेत 19 जवान घायल हुए हैं। वहीं, पंजाब से सटी हरियाणा की सभी 14 सीमाओं पर करीब 20 हजार किसान जमा हैं। उनको रोकने के लिए हरियाणा में अर्धसैनिक बलों की 64 कंपनियां और पुलिस की 50 कंपनियां तैनात की गई हैं। अभी तक हरियाणा के किसी भी बॉर्डर से पंजाब के किसान आगे नहीं बढ़ पाए हैं। रात 8 बजे किसानों ने एलान किया कि अब वे बुधवार को दिल्ली के लिए कूच करेंगे। रात को किसानों ने वहीं डेरा डाल दिया। इससे पहले, दिल्ली कूच के लिए आमादा किसानों ने शंभू बॉर्डर पर बैरिकेडिंग की पहली लेयर को तोड़ दिया है, लेकिन सुरक्षाबलों ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया है। हरियाणा पुलिस की ओर से बॉर्डर पर जैमर लगाने के कारण पंजाब की तरफ भी इंटरनेट सेवाएं बंद हो गई हैं। हरियाणा पुलिस ने कई किसान नेताओं को हिरासत में लिया है। इससे पहले संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के आह्वान पर पंजाब के फतेहगढ़ साहिब, लाडोवाल और अमृतसर से सुबह लगभग 10 बजे किसानों के जत्थे दिल्ली के लिए रवाना हुए। प्रदर्शनकारियों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं। किसान बॉर्डर पर लगे बैरिकेड हटाने के लिए जेसीबी मशीन भी साथ लेकर चले हैं। शंभू बॉर्डर पर सुबह 10.30 बजे से किसान जमा होने लगे थे। करीब 11 बजे किसानों ने पुलिस पर पथराव कर दिया।

स्वामीनाथन को भारत रत्न, लेकिन उनके सुझावों को लागू करने के लिए तैयार नहीं सरकारः राहुल

अंबिकापुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर किसानों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न देने की घोषणा तो करती है, लेकिन वह (कृषि और किसानों पर) उनके सुझावों को लागू करने के लिए तैयार नहीं है। गांधी ने इस दौरान वादा किया कि केंद्र में विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' की सरकार बनने पर स्वामीनाथन कमेटी के सुझावों पर अमल किया जाएगा। राज्य के उत्तरी क्षेत्र सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर में एक सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा, आज किसान दिल्ली की ओर पैदल जा रहे हैं। उनको रोका जा रहा है, उन पर आंसू गैस के गोले चलाए जा रहे हैं। उनको जेल में भरा जा रहा है। वह सिर्फ यह कह रहे कि उन्हें अपनी मेहनत का फल मिलना चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, स्वामीनाथन जी को भाजपा की सरकार ने भारत रत्न दिया, लेकिन जिस चीज के लिए स्वामीनाथन जी ने अपनी जिंदगी दी, हिंदुस्तान के किसानों के लिए मेहनत की, जो स्वामीनाथ जी ने कहा उसको करने के लिए (केंद्र सरकार) तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, स्वामीनाथन जी ने अपनी रिपोर्ट में साफ कहा है कि किसानों को एमएसपी का कानूनी अधिकार मिलना चाहिए। वह भाजपा की सरकार नहीं कर रही है। मैं कहना चाहता हूं कि केंद्र में 'इंडिया' (गठबंधन) की सरकार आएगी तो हम एमएसपी की गारंटी हिंदुस्तान के किसानों को देंगे। जो स्वामीनाथ रिपोर्ट में लिखा है वह हम पूरा करके देंगे। यह हमारी शुरुआत है। हमारा चुनाव घोषणा पत्र बन रहा है। हम किसानों के लिए, मजदूरों के लिए काम करने जा रहे हैं। गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर छोटे व्यापारियों को बर्बाद करने के लिए दो हथियारों जीएसटी (माल एवं सेवा कर) और नोटबंदी का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, देश में दो तरह के अन्याय हो रहे हैं। एक आर्थिक अन्याय और दूसरा सामाजिक अन्याय। आर्थिक अन्याय में बेरोजगारी फैल रही है।

प्रमुख समाचार

पीएम सूर्य घर- 1 करोड़ घरों को 300 यूनिट पावर फ्री

नई दिल्ली। सौर ऊर्जा और सतत प्रगति को बढ़ावा देने के लिए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना शुरू करने की घोषणा की। यह योजना लोगों को अपनी छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई है। 75,000 करोड़ रुपये से अधिक की नई पहल का लक्ष्य हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करके एक करोड़ घरों को रोशन करना है। मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि सतत विकास और लोगों की भलाई के लिए, हम पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना शुरू कर रहे हैं। 75,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली इस परियोजना का लक्ष्य हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करके 1 करोड़ घरों को रोशन करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ठोस सब्सिडी से, जो सीधे लोगों के बैंक खातों में दी जाएगी, भारी रियायती बैंक ऋण तक, केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि लोगों पर लागत का कोई बोझ न पड़े। सभी हितधारकों को एक राष्ट्रीय ऑनलाइन पोर्टल में एकीकृत किया जाएगा जो आगे बढ़ेगा।

मौर्य ने सपा महासचिव पद से दिया इस्तीफा

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को पार्टी के महासचिव पद से अपना इस्तीफा दे दिया। हालाँकि, 70 वर्षीय नेता पार्टी के सदस्य बने रहेंगे। उन्होंने अपने फैसले के बारे में सपा मुखिया अखिलेश यादव को पत्र लिखा और अपने इस्तीफे से अवगत कराया. इस बीच, मौर्य ने यह भी कहा कि वह पद के बिना भी पार्टी को मजबूत करने का प्रयास करते रहेंगे। अपने त्याग पत्र में, मौर्य ने खुलासा किया कि उन्होंने अखिलेश यादव को %रथ यात्रा% का विचार प्रस्तावित किया था, जिसका उद्देश्य जाति-आधारित जनगणना की वकालत करना, आरक्षण की रक्षा करना, बेरोजगारी के मुद्दों को संबोधित करना और संविधान की रक्षा करना था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनका इरादा ऐसी पहलों के माध्यम से पार्टी के लिए समर्थन बढ़ाना था। उन्होंने दावा किया कि अखिलेश होली के त्योहार के बाद यात्रा शुरू करने पर सहमत हुए थे। हालांकि, इस यात्रा को कभी शुरू नहीं किया गया। गौरतलब हो इधर कुछ दिनों से समाजवादी पार्टी के तमाम नेता स्वामी प्रसाद के खिलाफ खुलकर बयानबाजी कर रहे थे। लेकिन अखिलेश यादव इस पर चुप थे।

राजस्थान से राज्यसभा जाएंगी सोनिया गांधी

जयपुर। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के स्थान पर खाली हो रही राज्यसभा सीट पर अब कांग्रेस अपनी पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को निर्वाचित करने की तैयारी कर रही है। सोनिया गांधी के नाम का प्रस्ताव हालांकि सभी कांग्रेस शासित राज्यों की तरफ से भेजा गया है, लेकिन राजस्थान उनमें सबसे सुरक्षित है। अब सोनिया गांधी बुधवार को जयपुर आकर राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। सोनिया गांधी के स्वागत की तैयारियों के लिए सभी कांग्रेसी विधायकों को मंगलवार को जयपुर बुला लिया गया है। उनके स्वागत कार्यक्रम और चुनावी तैयारियों को लेकर मंगलवार को पूर्व सीएम अशोक गहलोत के निवास पर कांग्रेस नेताओं की बैठक बुलाई गई। शाम को यह बैठक शुरू हुई इसमें अशोक गहलोत के अलावा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य नेता मौजूद रहे। राजस्थान में 3 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं। जिनमें नामांकन दखिल करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी है।

केरल सरकार के साथ वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने को तैयार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि वह केरल सरकार की 26,000 करोड़ से अधिक की तत्काल वितरण की मांग पर उसके साथ बैठक करेगी। अदालत केरल सरकार द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दावा किया गया था कि उसके पास राज्य के कर्मचारियों और सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत राज्य के अन्य लाभार्थियों के वेतन, पेंशन, भविष्य निधि के बकाया भुगतान के लिए पैसे नहीं हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि ये ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें बातचीत से सुलझाया जा सकता है क्योंकि इसने दिन की शुरुआत में ही मामले को उठाया और अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से निर्देश लेने को कहा कि क्या केंद्र समाधान के लिए खुला रहेगा। बातचीत के जरिए मुद्दा उठाएं और दोपहर 2 बजे तक कोर्ट को सूचित करें। लंच के बाद के सत्र में वेंकटरमणी ने पीठ से कहा कि इस अदालत के सुझाव को सर्वोच्च सम्मान दिया गया है और सरकार बैठक के लिए तैयार है। खुली बातचीत हो सकती है और जो भी नतीजा होगा, हम कोर्ट को सूचित कर सकते हैं। पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से केंद्र ने प्रतिक्रिया दी है।

2024 के अंत तक उत्तराखंड की सड़कें अमेरिका जैसी

देहरादून। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र उत्तराखंड में सड़क बुनियादी ढांचे पर दो लाख करोड़ रुपये खर्च करने जा रहा है और 2024 के अंत तक इसकी सड़कें अमेरिका की सड़कों जैसी हो जाएंगी। गडकरी टनकपुर में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखे जाने के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, वर्तमान में उत्तराखंड में सड़क बुनियादी ढांचे पर 1.40 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जिसमें जल्द ही 60 हजार करोड़ रुपये जोड़े जाएंगे, जिससे कुल खर्च दो लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में मैं घोषणा करना चाहता हूं कि 2024 के अंत तक, उत्तराखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होंगे। वे अमेरिका के समान होंगे। गडकरी ने कहा कि 2014 में उत्तराखंड में 2,517 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग थे, जो अब बढ़कर 3,608 किमी हो गए हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि जिन परियोजनाओं की आधारशिला मंगलवार को टनकपुर में रखी गई, उनका लंबे समय से इंतजार था।

नया भारत गढ़ रहे हैं नरेंद्र मोदी

प्रभु चावला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने भाषणों में कहते हैं, 'सरकार के तीसरे कार्यकाल में अगले हजार साल के भारत की नींव रखी जायेगी। 22 जनवरी 2024 कैलेंडर पर एक तारीख भर नहीं है, यह एक नये काल चक्र का प्रारंभ है। हमें अपनी चेतना का विस्तार देव से देश, राम से राष्ट्र तक करना है। यह भारत का समय है, और भारत आगे बढ़ रहा है।' मोदी रहस्य एवं इतिहास में लिपटी हुई एक पहेली हैं। यूनानी रहस्यदर्शियों की तरह उनके बयानों की कई व्याख्याएं हो सकती हैं और कई उद्देश्यों को रेखांकित किया जा सकता है। चुनाव के समय अगले पांच साल की अपनी योजनाओं के बारे में बताना नेताओं की लत है। विशेषणों से भरे उन भाषणों में पूरा किये वादों और नये वादों का बखान होता है। लेकिन मोदी एक राजनीतिक अपवाद हैं। उनकी करिश्माई और महीन स्पष्टता एक दशक या एक सदी नहीं, बल्कि एक हजार साल के भारत के चमकती नियति की परिकल्पना करती है। संसद में अपने हालिया भाषण में उन्होंने दावा किया कि वे अपने तीसरे कार्यकाल की ओर अग्रसर हैं और ऐसी नीतिगत पहलें करने जा रहे हैं, जिन्हें युगों तक सराहा जायेगा। उन्होंने कहा कि भगवान राम केवल अपने घर नहीं आये हैं, बल्कि एक भव्य मंदिर में आये हैं, जो भारत गरिमामयी सांस्कृतिक परंपराओं को अगले हजार साल तक ऊर्जा देगा। सौ मिनट लंबे इस भाषण में अयोध्या में 22 जनवरी को व्यक्त अपनी दृष्टि के विश्लेषण को उन्होंने फिर सामने रखा। तीन दिन बाद सरकार ने एक दिन का विशेष सत्र रखा, जिसमें राम मंदिर निर्माण की गाथा को हमेशा के लिए दर्ज किया गया। राम और भारतीय संस्कृति का बार बार उल्लेख करने का उद्देश्य विकसित भारत की प्रतिज्ञा के साथ बहुमत को हिंदुत्व की विचारधारा के पीछे लामबंद करना है।

पर हजार साल का उल्लेख क्यों? कई विशेषज्ञ मोदी की प्रबल दार्शनिक राजनीति को नहीं समझ पाते हैं क्योंकि प्रधानमंत्री हमेशा अप्रत्याशित होते हैं। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में दो दशकों के उनके कामकाज के विश्लेषण से स्पष्ट है कि वे एक विशेष आख्यान का अनुसरण करते हैं, जैसे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और राम मंदिर जैसी उपलब्धियां और 'सबका साथ सबका विकास', 'वोकल फॉर लोकल' आदि जैसे सम्मोहक नारे गढ़ना। वे हमेशा अस्तित्व में रहने वाला नया भारत गढ़ रहे हैं। अगले कार्यकाल में सांस्कृतिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं आर्थिक पुनर्जागरण के लिए जो उपाय मोदी कर सकते हैं, वे व्यापक और नियत दोनों हैं। यदि मोदी संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत पा लेते हैं, तो वे संविधान से नेहरूवादी और कांग्रेस के प्रभाव को हटाने का प्रयास करेंगे। प्रस्तावना के फिर से लिखे जाने की संभावना है। ऐसे संशोधनों की अपेक्षा की जा सकती है, जिनके द्वारा केंद्र को राज्यों से अधिक शक्ति दी जायेगी। संसद की नयी इमारत के उद्घाटन के अवसर पर सांसदों में संविधान की मूल प्रति वितरित कर संकेत तो दे ही दिया है। इस प्रति की प्रस्तावना में 'सेकुलर' और 'सोशलिस्ट' शब्द नहीं होने पर विपक्ष ने विरोध जताया। इन शब्दों को आपातकाल के समय इंदिरा गांधी ने जोड़ा था। सेकुलरिज्म ने अपनी विश्वसनीयता और वांछनीयता खो दी है। मोदी इन्हें हटा सकते हैं तथा भारत की एक राष्ट्रवादी परिभाषा को शामिल कर सकते हैं। शायद इंडिया शब्द को भी हटा दिया जाए।

भाजपा हमेशा से प्राचीन हिंदू स्मारकों और प्रतीकों की दुर्दशा को लेकर क्षुब्ध रही है। मुगल भारत से पहले के काल के बारे में स्कूली छात्र बहुत थोड़ी जानकारी हासिल कर पाते हैं क्योंकि उसके बारे में केवल कॉलेजों में पढ़ाया जाता है। एक हजार से अधिक मंदिर और तीर्थस्थल या तो खराब स्थिति में हैं या उन्हें ठीक से जोड़ा नहीं गया है।

प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार मोदी दक्षिण भारत के राम मंदिरों का भ्रमण कर रहे हैं। दक्षिण में सक्रिय राजनीतिक हिंदू अनुपस्थित है, जबकि वहां उत्तर से बहुत अधिक संख्या में देवता और मंदिर है। संस्कृति मंत्रालय ने हिंदू मंदिरों के मरम्मत के लिए धन आवंटित किया है। संभव है कि मोदी कानूनी रूप से मंदिरों का प्रशासन स्थानीय सरकारों से लेकर केंद्र सरकार द्वारा स्थापित ट्रस्टों को दे दें, जैसा अयोध्या में हुआ है। भाजपा नेतृत्व विदेशों से धन पाने वाले वैसे स्वैच्छिक संस्थाओं से खफा है, जो हिंदू स्मारकों के बजाय इस्लामिक स्मारकों के जीर्णोद्धार पर बेहद खर्च करते हैं। भाजपा शासित राज्यों को उन शहरों के नाम बदलने को कहा जायेगा, जिनके अंग्रेजी या इस्लामिक नाम हैं। इस मुद्दे को पार्टी नेता अदालतों में भी ले जा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसी एक याचिका को खारिज कर दिया है, पर नाम बदलने का सिलसिला जारी है।

महादेव ऑनलाइन सट्टा एप के प्रमोटर्स लाए जाएंगे छग

सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ एक्शन में दुर्ग पुलिस

दुर्ग। महादेव ऑनलाइन सट्टा एप के प्रमोटर्स सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ दुर्ग पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। दुर्ग जिले के नए एसपी जितेंद्र शुक्ला ने महादेव ऑनलाइन सट्टा एप से जुड़े मुख्य आरोपियों को भारत लाने के लिए कागजी कार्रवाई पूरी कर ली है। भिलाई निवासी सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के दुबई में होने की सूचना पुलिस को मिली है। दुर्ग एसपी के मुताबिक दोनों के खिलाफ स्थाई वारंट जारी किया गया है।साथ ही साथ रेड कॉर्नर नोटिस, कुर्की संबंधी दस्तावेज और आरोपियों के प्रत्यर्पण को लेकर जरुरी दस्तावेज तैयार किए गए हैं।

कहां छिपे बैठे हैं रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर ? = वहीं एसपी जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि महादेव सट्टा को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार सख्त है। सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए पुलिस आगे बढ़ रही है। दोनों ही आरोपियों के दुबई में होने की सूचना पुलिस को मिली है।

दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला ने कहा सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल को भारत लाने और उनके किए अपराधों में सजा दिलाने के लिए प्रत्यर्पण की जरूरत हैं। वहीं प्रत्यर्पण से जुड़े

सभी दस्तावेजों को पूरा करने का जल्दी से जल्दी प्रयास किया जा रहे हैं। उन दोनों पर स्थाई वारंट,कुर्की, रेड कॉर्नर नोटिस की कार्रवाई पूरी कर ली गई है। जल्द से जल्द दस्तावेज को अरबी भाषा में कन्वर्ट कर उनके न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया चल रही है।जिसके बाद सरकारों से संबंध स्थापित करके दोनों ही आरोपियों को भारत लाया जाएगा।इसके बाद यहां पर जो अपराध दोनों ने किए हैं उसके आधार पर सख्त से सख्त सजा दिलाई जाएगी।

दोनों आरोपियों के खिलाफ स्थायी वारंट = आपको बता दें कि रायपुर की अदालत ने दोनों ही मुख्य आरोपियों के खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया है। जिसमें दोनों आरोपियों को 12 मार्च तक कोर्ट में उपस्थित होने को कहा गया है। इस नोटिस में सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ कई हैं। जिसमें आईपीसी की धारा 420, 34 और छत्तीसगढ़ जुआ नियंत्रण अधिनियम 78 के तहत जारी किए गए वारंट की जानकारी शामिल की गई है।

महादेव ऑनलाइन सट्टा एप के खिलाफ कार्रवाई = एसपी जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल अभी दुबई में हैं।पुलिस के पास दोनों के अपराध से जुड़े पर्याप्त सबूत हैं।साथ ही साथ अब भी जिन खातों से ट्रांजेक्शन हो रहा है उन खातों को पुलिस दोबारा ऑडिट करा रही हैं।ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां खाता धारकों को ये नहीं पता था कि उनके अकाउंट में किस तरह का ट्रांजेक्शन हो रहा है।इसलिए ऐसे खाता धारकों को विवेचना से पुलिस बाहर रखेगी।वहीं जो लोग फिजिकली और पूरी तरह से पैसों के ट्रांजेक्शन में इनवॉल्व हैं,उन्हें पुलिस की जांच का सामना करना पड़ेगा। महादेव ऑनलाइन सट्टा एप के खिलाफ ईडी और भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से लगातार यूएई की सरकार से संपर्क साधा गया है।पुलिस जैसे ही केस से जुड़े दस्तावेजों को पूरा कर लेगी।वैसे ही दोनों ही आरोपियों को भारत लाकर सजा दिलाने का काम शुरु होगा।

कांगेर घाटी लैंडस्केप आधारित पुनर्स्थापना योजना पर कार्यशाला

■ **प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव को रोकने सहित स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग पर बल**

जगदलपुर। कांगेर घाटी लैंडस्केप आधारित पुनर्स्थापना योजना के लिए कार्यशाला आयोजन किया गया ,जिसमें विभिन्न विभाग के अधिकारी, समुदाय के सदस्य और नागरिक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस संवाद सह कार्यशाला में कांगेर घाटी और उसके आसपास के वन क्षेत्र में आबादी वृद्धि से प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव, जैसे रासायनिक खेती का प्रभाव, वनोपज संग्रहण, बढ़ती संसाधनों पर निर्भरता और किस प्रकार से बाहरी क्षेत्रों में ही प्राकृतिक संसाधनों को पुनर्जीवित करते हुए दबाव को रोकने सम्बन्धी विस्तृत चर्चा हुई।

कार्यशाला में ग्रामीणों की क्या जरूरत है और संसाधनों का वर्तमान में उपयोग करते हुए भावी पीढ़ी के लिए इस स्थिति में प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता कैसे सुनिश्चित करना जरूरी है इस संबंध में भी समुदाय के सदस्यों ने अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में अलग-अलग स्तर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया ,जिसमें योजना के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके बाद समूह गतिविधि

कराया गया जिसमें कामनलैंड फाउंडेशन से शेखर कोलीपका के द्वारा खेल गतिविधि के माध्यम से समुदाय के सदस्यों व विभागीय अधिकारी एवं नागरिक तथा सामाजिक संगठन के प्रतिनिधियों को आपसी सामंजस्य कितना कठिन है और उसे कैसे बनाया जा सकता है इस संबंध में बताया। वहीं सामूहिक चर्चा में उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विभाग, जिला पंचायत और कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा अपने विभागीय योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया साथ ही इन योजनाओं का लाभ किस प्रकार से उक्त लैंडस्केप में हो सकता है इस संबंध में अपने विचार रखे।

समुदाय के प्रतिनिधियों के द्वारा कांगेर घाटी लैंडस्केप योजना बनाने में समुदाय की क्या भूमिका हो सकती है साथ में योजना बनाने में समुदाय के सुझाव और अभिमत को सम्मिलित करने पर जोर दिया गया। सभी प्रतिभागियों द्वारा कार्यशाला के अंत में निर्णय लिया गया कि सभी समुदाय के सदस्य अपने गांव स्तर पर जाकर ग्रामीणों के साथ बैठक लेकर इस लैंडस्केप को पुनर्स्थापित करने हेतु ग्राम स्तर पर योजना बनाने में सहभागिता निभाएंगे। कार्यशाला में राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक श्री धम्मशील गणवीर सहित कॉमनलेंड के हरमा रेडमेकर,टॉम डेविस,शेखर कोलिपका,दीपक सिंह, आओ हाथ बढ़ाएं के शेखर गजीर, प्रदान के प्रीतम गुप्ता, अनएक्सप्लोर्ड बस्तर के जीत सिंह आर्य,इनरूट बस्तर के मोहित भंजदेव और कृषि,उद्यानिकी,पशुपालन,वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा समुदाय के सदस्य एवं इको विकास समिति के सदस्य उपस्थित थे। कांगेर घाटी नेशनल पार्क के निदेशक धम्मशील गणवीर ने बताया कि इस कार्ययोजना से वर्तमान पीढ़ी के साथ -साथ भावी पीढ़ी को भी प्रकृतिक संसाधानों का कैसे लाभ मिल सके इस उद्देश्य से तैयार किया जा रहा है। साथ ही ग्रामीण परिस्थितियों में प्राकृतिक संसाधनों को पुनर्जीवित कर ग्रामीणों की संसाधनों पर निर्भर आवश्यकताओं को कैसे गांव में ही पूर्ति की जा सकती है, इस संबंध में कार्ययोजना बनाई जा रही है जिसमें विभिन्न विभाग, नागरिक, सामाजिक संगठन और समुदाय के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है।

बिरनपुर दंगा मामला : आगजनी के मामले में बंद 15 को मिली जमानत

■ **जेल से छूटते ही जगह-जगह हो रहा स्वागत**

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के साजा थाना क्षेत्र के ग्राम बिरनपुर में 10 अप्रैल 2023 को हुई आगजनी मामले में पकड़े गए 15 आरोपियों को सोमवार को हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। इससे पहले आठ आरोपियों को जिला कोर्ट ने बरी कर दिया था।

इन सभी आठों आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में संदेह का लाभ मिला था। जमानत के बाद सोमवार शाम को बेमेतरा उपजेल के बाहर उनके समर्थकों की भीड़ लग गई है। देर रात तक सभी आरोपी अपने अपने घर पहुंचे। इस दौरान उनका स्वागत किया गया। जेल से ही ये सभी भगवा वस्त्र धारण किए अपने घर के लिए निकले हैं।

ये था मामला

ग्राम बिरनपुर में आठ अप्रैल

2023 को भुवनेश्वर साहू पिता ईश्वर साहू की हत्या गांव के नवाब खान समेत अन्य लोगों द्वारा कर दी गई थी। हत्या के विरोध में 10 अप्रैल को विश्व हिंद परिषद, बजरंग दल समेत भाजपा द्वारा छत्तीसगढ़ बंद बुलाया गया था। इसी बंद के दौरान गांव में हजारों की संख्या में लोग एकत्र हो गए थे। गांव के खातून बी के मकान में दोपहर 2 से 2.30 के बीच में अज्ञात लोगों द्वारा आग लगा दिया गया।

खातून बी का पूरा मकान जलकर राख हो गया था व कमरे में रखे सामान सिलाई मशीन, बर्तन, सायकल, घरेलू उपयोगी सामान जलकर नुकसान हो गया। राहत की बात थी कि इस घटना के दौरान खातून बी अपने परिवार के साथ विवाद के डर से कहीं चली गई थी।

बता दें कि इसी दिन ही गांव में पिता-पुत्र के शव भी मिले थे। इनके सिर पर चोट के निशान थे। मृतक के नाम रहीम मोहम्मद और ईदुल मोहम्मद हैं। इस मामले में कुछ आरोपी पकड़े गए है। वर्तमान में मामला कोर्ट में चल रहा है। वहीं भाजपा ने विधानसभा चुनाव के इसी क्षेत्र के साजा विधानसभा के लिए मृतक भुवनेश्वर साहू के पिता ईश्वर साहू को अपना प्रत्याशी बनाया। चुनाव में ईश्वर साहू ने कांग्रेस प्रत्याशी व मंत्री रविन्द्र चौबे को पांच हजार वोटों से हराया है।

उज्ज्वला योजना में गड़बड़ झाला

बिना गैस मिले हितग्राहियों के खाते में आई सब्सिडी

महासमुंद। महिलाओं को चूल्हे से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से शुरू की गई उज्ज्वला योजना के तहत महासमुंद जिले में बड़ा गड़बड़ झाला सामने आया है। दर्जनों हितग्राहियों को कागजों पर उज्ज्वला योजना का लाभ तो दे दिया गया और सब्सिडी भी खाते में आने लगी पर आज तक हितग्राहियों ने उज्जवला योजना का न तो चूल्हा देखा, न ही गैस देखा अभी भी लकड़ी जलाकर खाना पकाने को मजबूर हैं। परेशान महिलाएं जहां अब कलेक्टर से गुहार लगाते हुए गैस दिलाने की फरियाद कर रही हैं। वहीं आला अधिकारी जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दे रहे हैं।

कलेक्ट्रोरेट परिसर मे जो ये महिलाएं आवेदन लिए खड़ी है। ये वही पीड़ित महिलाएं हैं जो महासमुंद जिले के ग्राम पंचायत कोसरंगी की है। जिनके गांव में लगभग 6-7 महीने पहले एक शिविर के माध्यम से 27 पात्र हितग्राहियों में से तीन हितग्राही को गौरव गैस एजेंसी के द्वारा उज्जवला योजना का गैस और चूल्हा वितरण किया गया। शेष 24 पात्र हितग्राहियों को जल्द उज्वला योजना के तहत गैस और चूल्हा देने की बात कह कर टाल दिया गया। पात्र महिलाएं कई बार गौरव गैस एजेंसी आकर गैस, चूल्हा और कनेक्शन प्रमाण पत्र की मांग की। लेकिन हर बार एजेंसी संचालक के द्वारा कनेक्शन

आने पर देने की बात कही गई। हद तो तब हो गई जब पात्र महिलाओं ने अपना बैंक पास बुक अपडेट कराया तो उनके खाते मे बकायदा 261 रुपये एलपीजी गैस की सब्सिडी चार- पांच बार आई दिखी। उसके बाद महिलाओं को पता चला कि उन्हें उज्जवला योजना का न तो गैस मिला और न ही चूल्हा पर सब्सिडी बकायदा उनके खाते में आ रही है कही न कही उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। उसके बाद पीड़ित महिलाओं ने कलेक्ट्रोरेट पहुंचकर कलेक्टर से योजना का लाभ दिलाने के लिए गुहार लगा रही हैं।

इस पूरे मामले मे अपर कलेक्टर निर्भय साहू का कहना है कि महिलाओं के द्वारा गैस, चूल्हा नहीं मिलने और सब्सिडी खाते में नहीं आने की शिकायत की गई है। जिसपर जांच कराकर उचित कार्रवाई की जायेगी।

मप्र की शराब को छग में खपाने तस्करों ने अपनाया नायाब तरीका

बलरामपुर। वाड्रफनगर चौकी पुलिस को बीती शाम अवैध शराब परिवहन मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पिकअप वाहन मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ लाई जा रही बड़ी मात्रा में अवैध शराब को जब्त किया है। जब्त शराब की कीमत 3,24,000 रुपए आंकी गई है।

वाड्रफनगर पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि मध्य प्रदेश के बैढ़न से उत्तर प्रदेश के बभनी होते हुए रधनवार पार कर छत्तीसगढ़ में एक पिकअप वाहन ने प्रवेश किया है, जिसमें शराब की बड़ी खेप की तस्करी की जा रही है। सूचना पर वाड्रफनगर पुलिस ने तत्परता दिखाते वाड्रफनगर में प्रवेश करते ही वाहन क्र 64 क्ख 3738 की घेराबंदी की, लेकिन वाहन चालक ने पुलिस कर्मियों को चकमा देने का प्रयास किया।

पुलिस ने पिकअप वाहन का पीछा करते हुए सिविल अस्पताल के पास पकड़ लिया। पिकअप वाहन को चेक करने पर ट्राली में

अंदर में शराब रखा हुआ था, और ऊपर फल लाने ले जाने वाले ट्रे को रखा गया था। पिकअप वाहन से अवैध रूप से तस्करी कर रहे 33 नग गोवा की पेटी, वहीं डबल रिचार्ज कंपनी की व्हिस्की तीन पेटी, और आठ पेटी माउंट प्रीमियम केन बियर जब्त किया है, जिसकी कुल कीमत 3,24,000 रुपए पुलिस ने बताई है। शराब की तस्करी कर रहे पिकअप वाहन की कीमत भी पुलिस ने लगभग 8 लाख रुपए बताई है। पुलिस ने पूरे मामले में वाहन चालक रमजान अंसारी पिता बकरीदन अंसारी (27 वर्ष) और एक अन्य सहयोगी रहमान पिता बकरीदन अंसारी (20 वर्ष) को को आबकारी एक्ट के तहत न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

यात्री बस में लगी आग, पलक झपकते ही जलकर खाक

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही। जिले को मध्यप्रदेश से जोड़ने वाली मुख्यमार्ग पर देररात एक बड़ा हादसा होने से उस समय टल गया, जब एक चलती यात्री बस में अचानक आग लग गई। आग पहले बस के टायर में लगी और उसके बाद कोई कुछ समझ पाता देखते ही देखते पूरी बस जलकर खाक हो गई। स्थानीय लोगों और पुलिस प्रशासन फायर ब्रिगेड की मदद से आग को बुझाया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई भी जनहानि नहीं हुई। गौरेला के बांधामुड़ा इलाके में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जिसमें मनीष ट्रेवल्स की यात्री बस, जो यूपी के प्रयागराज से चलकर छत्तीसगढ़ जाने के लिए निकली थी। लेकिन मध्य प्रदेश के बाद जैसे ही बस गौरेला पेण्ड्रा मरवाही जिले में पहुचीं बस के टायर में आग लग गई। जब तक बस के चालक को टायर में आग लगने का अहसास हुआ। आग काफी बढ़ गई। चालक ने बस को गौरेला थानाक्षेत्र के मध्य प्रदेश को जोड़ने वाली सड़क पर बांधामुड़ा गांव के पास रोका और जिसके बाद आनन फानन में बस में सवार सभी यात्रियों को बस से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

अमरकंटक एक्सप्रेस में चोरी की घटना, कीमती जेवर पार

दुर्ग। सोमवार को एक महिला अपने परिवार के साथ अमरकंटक एक्सप्रेस में उसलापुर से पावर हाउस तक सफर कर रही थी। इस बीच किसी अज्ञात चोर ने महिला के बैग से कीमती जेवर पार कर दिए। भिलाई तीन जीआरपी टीआई राज कुमार बोर्झे बताया, आशीष नगर पश्चिम निवासी रेनू सिंह 08 फरवरी को अपने परिवार सहित अमरकंटक एक्सप्रेस में उसलापुर से पावर हाउस तक की यात्रा कर रही थी। उन्होंने एक थैले में सोने-चांदी के जेवर बैग में रखकर उसे सीट के नीचे रखा था। इसी दौरान चोर ने बड़ी सफाई के साथ महिला के बैग का चेन खोलकर उसमें रखे लाखों रुपये के जेवर चोरी कर लिया और किसी को पता भी नहीं चला। जब ट्रेन भिलाई-तीन रेलवे स्टेशन पहुंची तो महिला को पता चला कि उसकी सास बीना सिंह के बैग में रखे जेवर गायब हैं। किसी अज्ञात चोर ने बैग में से जेवर चोरी कर लिया था। चोरी हुए गहनों की कीमत पांच लाख रुपये से भी ज्यादा बताई जा रही है। चोरी का पता चलने पर महिला ने भिलाई तीन जीआरपी थाना में शिकायत दर्ज कराई है।

अगवा किए ठेकेदार-मजदूरों को नक्सलियों ने किया रिहा

सुकमा। जगरगुंडा थाना क्षेत्र से अगवा किए गए 4 लोगों को नक्सलियों ने रिहा कर दिया है। इनमें से एक ने अपने परिजनों को फोन पर बात कर जानकारी भी दी। उसने अपने पिता से की बात कर कहा कि मैं सुरक्षित हूं, आ रहा हूं। बता दें कि बीते 11 जनवरी को नक्सली गांव से 4 लोगों को अगवा कर अपने साथ ले गए थे। इनमें से तीन मजदूर थे और एक ठेकेदार था। नक्सली ठेकेदार की जेसीबी भी साथ ले गए थे। जानकारी के मुताबिक ठेकेदार नल जल मिशन योजना पर काम करा रहा था। जिस गांव से चारों को अगवा किया गया है ये गांव जगरगुंडा थानाक्षेत्र के सिंगराम का है। यह इलाका घोर नक्सली प्रभावित क्षेत्र है। यह बीजापुर और सुकमा का सरहदी इलाका है। सुकमा में नक्सली लगातार सक्रिय हैं। बीते 30 जनवरी को भी नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर बड़ा हमला किया था। इस गोलीबारी में 3 जवान शहीद हुए थे। वहीं 14 जवान घायल थे। घायल जवानों को इलाज के लिए एयरलिफ्ट किया गया था। दरअसल, 30 जनवरी को कोबरा और एसटीएफ ने नक्सलियों के कोर इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन चलाया था।

धमतरी में शव फ्रीजर की अनोखी ट्रॉली

धमतरी। परिवार में किसी व्यक्ति का देहांत हो जाए और यदि किसी कारणवश उसके पार्थिव शरीर को एक या दो दिन तक रखना पड़े। इसके समाधान के रूप में शव फ्रीजर का कॉन्सेप्ट आया था। अब इस समस्या का एक अनोखा हल धमतरी के सिंधी समाज के युवकों ने निकाला है। दरअसल, धमतरी जिले के रिसाईपारा में सिंधी समाज के युवकों ने शव फ्रीजर रखने का अनोखा हल निकाला है। उन्होंने एक ऐसी अनोखी ट्रॉली बनाई है, जिसमें शव फ्रीजर को आसानी से रखकर कहीं भी लाया ले जाया जा सकता है। इसे ऐसे डिजाइन किया है कि संकरी गलियों में भी इसे ले जा सकते हैं। इस ट्रॉली को चाहे हाथ से खींच कर ले जाएं या बाइक से भी अटैच कर सकते हैं या किसी थ्री व्हीलर या फोर व्हीलर से भी अटैच किया जा सकता है। इस ट्रॉली में शव फ्रीजर को लंबे समय तक रखने पर चूहे या कोई अन्य जानवर द्वारा इसे नुकसान पहुंचाने का खतरा बना रहता था। अनोखी ट्रॉली के बनने के बाद इस समस्या से भी निजात मिल गई है। धमतरी में इस ट्रॉली को देखने वाले हैरान भी हो रहे हैं।

सर्किट हाउस में हुई विदेशी नागरिक की मौत

जगदलपुर। शहर के सर्किट हाउस में सोमवार को ठहरे एक एनआरआई की मौत होने की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मंगलवार की सुबह सर्किट हाउस पहुंची। जहां शव को पीएम के लिए भिजवाया गया। वहीं मामले की जांच शुरू हो गई है। पुलिस प्रथम दृष्टया मामले को हार्ट अटैक से जोड़ रही है। मामले के बारे में पुलिस ने बताया कि सोमवार की सुबह सर्किट हाउस के कमरा नंबर 1 में लंदन से आये अनिल पटेल ठहरे हुए थे। मूलत: गुजरात के रहने वाले हैं। अनिल पटेल विगत कई वर्षों से लंदन के निवासी बनकर रह रहे थे। मृतक अनिल पटेल बस्तर में महुआ प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना को लेकर बस्तर आना हुआ था। जिसके चलते वे यहां काम करने के लिए आये हुए थे। मृतक के बारे में जानकारी लगते ही पुलिस के साथ ही एफएसएल की टीम सर्किट हाउस पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना था कि मृतक हार्ट पेशेंट थे। इसके अलावा उनके पास से दिल की बीमारी से संबंधित काफी दवाइयां कमरे में पाई गई है।

अनोखा इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने छोड़ी नौकरी

■ **धमतरी की महिला की सक्सेस स्टोरी**

धमतरी। बीते एक दशक में भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। कई अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का आंकलन है कि आने वाले दो-तीन सालों में भारत इस लिस्ट के टॉप 3 में शामिल हो जाएगा। इस तूफानी आर्थिक प्रगति के पीछे कई बड़ी वजह है। इन्हीं वजहों में से एक है भारत में एक के बाद एक सामने आ रहे नए स्टार्टअप। आज ईटीवी भारत की टीम आपको ऐसी ही एक जुनूनी महिला से मिलाने जा रहे हैं। इनका नाम है शिमाब अली, जो धमतरी की निवासी है।

धमतरी की शिमाब अली अपने अनोखे इलेक्ट्रिक व्हीकल पर काम कर रही है। इससे पहले शिमाब एसबीआई बैंक में मैनेजर के पद पर थी। बचपन से ही शिमाब को मशीन, इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रॉनिक्स में दिलचस्पी रही है। वो भले ही बैंक में प्रबंधन संभाल रही थी, लेकिन उनके दिमाग में हमेशा नए नए आईडिया आते रहते थे। ऐसे ही एक दिन उन्हें लोगों के आने जाने के लिए एक आइडिया सूझा और अपने भीतर के जुनून के लिए

शिमाब ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया। जिसके बाद 6 माह की कड़ी मेहनत के बाद तैयार किया यह अनोखा इलेक्ट्रिक व्हीकल।

इस इलेक्ट्रिक व्हीकल को बनाने में शिमाब अली को करीब 35 हज़ार का खर्च आया। इस खर्च में एक्सपेरिमेंट, कोलेटरल एक्सपेंसेस भी शामिल है। अगर आज हम इसे बनायें, तो अब करीब 18 हजार तक ही खर्च आएगा। कुछ ही घण्टो में फूल चार्ज होने वाली बैटरी इसमें लगाई गई है। एक बार की चार्जिंग में यह इलेक्ट्रिक व्हीकल 20 किलोमीटर तक चल सकती है। इसकी सबसे खास बात यह है कि इसे बच्चे भी चला सकते हैं और बड़े भी। इसे छोटे मोटे काम निपटाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

व्हीकल प्रोड्यूसर शिमाब अली ने कहा इसे तैयार करने में करीब 6 महीने का समय लगा है। यह दिखने में भी अच्छी है और एक बार की चार्जिंग में यह 20 किलोमीटर तक चल सकती है। यह आपको करीब 18 हजार रुपये में मिल सकती है। यह मेरा स्टार्टअप है। इसके जरिए मैंने अपने शौंक को बिजनेस में कन्वर्ट करने का सोचा है।

शिमाब अली इस इलेक्ट्रिक व्हीकल पर लगातार काम कर रही है, ताकि इसे और अपग्रेड किया जा सके। इलेक्ट्रिक व्हीकल के अगले वर्जन में टायर और सस्पेंशन को बेहतर करने की योजना है। शिमाब चाहती है कि वो इस इलेक्ट्रिक व्हीकल की टेक्नोलॉजी और बिजनेस आइडिया के लिए किसी बड़ी कंपनी से डील करें। साथ ही इलेक्ट्रिक व्हीकल के बाजार में अपना भी नाम और काम बुलंदी पर ले कर जाएं।

राष्ट्रीय स्तर पर निकिता दुबे को मिला सम्मान

छत्तीसगढ़ की बेटी ने बढ़ाया गौरव, नितिन गडकरी ने किया सम्मानित

बलौदाबाजार। विकासार्थ विधार्थी परिषद नागपुर द्वारा पर्यावरण गतिविधि पर दो दिवसीय युवा संसद 2024 का आयोजन नागपुर के विधानसभा में आयोजित किया गया था। निकिता दुबे को केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद सेमिनार को विधानसभा अध्यक्ष पद के सफल संचालन करने पर सम्मानित किया।

बता दें कि देश भर के विश्वविद्यालयों से 164 विधार्थियो ने भाग लिया था, जिसमें बलौदाबाजार की निकिता दुबे जो वर्तमान में गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर में बीएएलएलबी की अंतिम सेमेस्टर की छात्रा है। जिसे सेमिनार में विधानसभा अध्यक्ष के पद का संचालन करने का दायित्व सौंपा गया था। मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी उपस्थित रहे, जिनकी मौजूदगी में उक्त संसद का सफल संचालन निकिता दुबे ने किया।

वहीं द्वितीय दिवस समापन समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी शामिल हुए और इस सेमिनार के सफल विधानसभा संचालन के लिए निकिता दुबे को युवा संसद का विधानसभा अध्यक्ष के रूप में सफल संचालन करने पर बेस्ट स्पीकर के रूप में सम्मानित किया। निकिता दुबे की प्रारंभिक शिक्षा बलौदाबाजार में हुई है।

विष्णु सरकार के फैसलों से किसानों के खिले चेहरे

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गठित छत्तीसगढ़ द्वारा मात्र दो माह की अल्पावधि में राज्य के किसानों के हित में लिए गए फैसले से राज्य भर के किसान बेहद खुश है। उनके चेहरे खिल गए है और मन में एक नई उम्मीद जागी है। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी तथा दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड़ रूपए का भुगतान होने से खुश किसानों के संगठन और समूहों द्वारा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उनके सहयोगी मंत्रीगणों का जगह-जगह स्वागत-अभिनंदन किया जा रहा है। किसान समूहों द्वारा मुख्यमंत्री के स्वागत अभिनंदन का ऐसा ही नजारा बीते दिनों राज्य के सुदूर वनांचल के जिला मुख्यालय नारायणपुर में देखने को मिला।

मुख्यमंत्री श्री साय का नारायणपुर में किसान संगठनों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने किसान के हित में उनकी सरकार द्वारा लिए गए फैसलों को लेकर जोरदार ढंग से स्वागत अभिनंदन किया और मुख्यमंत्री का आभार जताया। किसानों संगठनों के पदाधिकारियों का कहना था कि उन्होंने यह सोचा नहीं था कि धान खरीदी और बकाया बोनस को लेकर विष्णु देव सरकार इतनी तेजी से फैसला लेकर उसे लागू भी कर देगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी में शामिल किसानों के हित से जुड़े मामलों को जिस तेजी के साथ छत्तीसगढ़ सरकार ने लागू किया है, यह स्वागतेय है।

छत्तीसगढ़ की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया है। इस भरोसे को राज्य सरकार ने सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राज्य सरकार ने राज्य के 18 लाख से अधिक पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी है। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। राज्य में समर्थन मूल्य पर रिकार्ड तोड़ धान की खरीदी के बावजूद भी धान बेचने से शेष रह गए

किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धान खरीदी की निर्धारित अवधि में 4 दिन की बढ़ोत्तरी भी की गई।

किसानों का मानना है कि राज्य सरकार के अब तक के फैसलों से यह स्पष्ट हो गया है कि नई सरकार किसानों की हितैषी है। राज्य के किसान भाईयों को 2183 रूपए प्रति क्विंटल के मान से समर्थन मूल्य का भुगतान 48 घण्टे के भीतर उनके बैंक खातों में किया गया है। किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य दिलाने के लिए राज्य सरकार ने कृषक उन्नति योजना लागू करने की तैयारी में है। इस नवीन योजना के क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2024-25 के बजट में 10 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

भारत कृषि प्रधान देश है। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और यह राज्य धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कहते है कि एक दौर ऐसा था जब किसानों के पास उन्नत और बेहतर खेती के लिए पूंजी नहीं होती थी। किसानों को साहूकारों से ऊंची ब्याज दर पर रकम लेकर खेती-किसानी करने पड़ती थी। किसान हमेशा कर्ज में फंसे रहते थे। इस स्थिति को देखते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने किसानों के हित में सबसे बड़ा कदम उठाया और किसान क्रेडिट कार्ड की योजना लागू की। इससे किसानों को कम दर पर सोसायटियों एवं बैंकों से कर्ज मिलने लगा।

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2003 में छत्तीसगढ़ में डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में पहली बार भाजपा की सरकार बनी, उस समय सहकारी बैंकों से किसानों को रियायती ब्याज दर पर खेती के लिए कर्ज मिलता था, जिसे धीरे-धीरे घटाकर शून्य प्रतिशत कर दिया गया है। किसानों को बिना ब्याज के खेती-किसानी के लिए ऋण देने का काम छत्तीसगढ़ की रमन सरकार के दौर में शुरू हुआ था। आज भी किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर खेती के लिए लोन मिल रहा है। फसल बीमा जिसका लाभ पूरे देश के किसानों को सहजता से मिल रहा है। इसका श्रेय भी तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को जाता है। उनके कार्यकाल में ही फसल बीमा योजना का सरलीकरण किया गया।

रेडियो संवाद का सशक्त माध्यम : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर संदेश देते हुए बताया कि रेडियो संचार का एक सशक्त माध्यम है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सार्वजनिक बहस तथा शिक्षा के प्रसार में रेडियो के महत्व को समझाने के उद्देश्य से वर्ल्ड रेडियो डे मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि सूचना के लिए सबसे शक्तिशाली और सस्ते माध्यम के तौर पर रेडियो को जाना जाता है। जिसके जरिए असंख्य लोगों तक संदेशों को पहुंचाया जाता रहा है। खासकर गांव , कस्बों और ऐसी जगहों पर रहने वाले लोगों तक, जहां संचार का कोई और माध्यम पहुंचना आसान नहीं है। वर्तमान में भी रेडियो संवाद का एक सशक्त माध्यम है।

श्री साय ने कहा है कि भले ही रेडियो सदियों पुराना माध्यम है, लेकिन संचार के लिए इसका इस्तेमाल आज भी हो रहा है। आपात परिस्थितियों में भी रेडियो ने अपनी महत्ता स्थापित की है।

छत्तीसगढ़ व्यापम ने जारी किया परीक्षाओं की तिथियां

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) ने सोमवार को आगामी 11 परीक्षाओं के लिए संभावित तिथियां घोषित कर दी है। इनमें प्री एमसीए नर्सिंग, पोस्ट बेसिक नर्सिंग, बीएड, डीएलएड, पीटी, पीएचटी, प्री बीएससी नर्सिंग, पीएटी और पीपीटी की परीक्षाएं शामिल हैं। इन परीक्षाओं के लिए आवेदन की क्या प्रक्रिया होगी, किस तरह से कैंडिडेट आवेदन करेंगे, इसकी जानकारी अभी व्यापम द्वारा नहीं दी गई है।

मई माह में आयोजित परीक्षाओं की डेट

एमएससी नर्सिंग, प्री एमसीए नर्सिंग और पोस्ट बेसिक नर्सिंग के लिए भी तिथियां जारी की गई है। 30 मई की सुबह प्री एमसीए और पोस्ट बेसिक नर्सिंग की परीक्षा होगी। जिसके बाद 30 मई की शाम को ही एमएससी नर्सिंग की परीक्षा रखी गई है। इस तरह मई में केवल यही 3 परीक्षाएं आयोजित की जाएगी। जून में होने वाले एग्जाम के डेट व्यापम ने 6 जून 2024 की सुबह पीटी की परीक्षा रखी है। 6 जून की शाम को ही पीएचटी के एग्जाम भी आयोजित है। 13 जून की सुबह बीएससी नर्सिंग की परीक्षा रखी गई है। 13 जून की शाम को ही प्री बीएससी और बीएड की परीक्षाएं होंगी। 16 मई की सुबह पीएटी के एग्जाम रखे गए हैं। जिसके बाद आखिर में 23 जून को पीपीटी की परीक्षा होगी। इन सभी परीक्षाओं के लिए आवेदन करने वाले कैंडिडेट एग्जाम दिला सकेंगे। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल ने सभी 11 परीक्षाओं की डेट जारी कर दी है। फिलहाल परीक्षाओं के लिए आवेदन की क्या प्रक्रिया होगी और किस तरह से कैंडिडेट आवेदन करेंगे, इसके बारे में जानकारी अभी व्यापम ने नहीं बताई है। व्यापम द्वारा जल्द आवेदन के संबंध में दिशानिर्देश जारी किये जाने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाएं 5 मार्च से होगी शुरु

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने शिक्षा सत्र 2023-24 की वार्षिक परीक्षाओं के लिए समय-सारिणी जारी कर दी है। इस बार रविवि की वार्षिक परीक्षाएं 5 मार्च से शुरू होकर 18 मई तक आयोजित की जाएगी। इस साल पहली बार रविवि की वार्षिक परीक्षाएं दो पालियों में हो रही हैं। पहली पाली में परीक्षाएं सुबह आठ बजे से और दूसरी पाली में दोपहर एक बजे से शुरू होगी। इससे पहले परीक्षाएं तीन पालियों में होती थीं। इस बार लगभग एक लाख 35 हजार छात्रों ने आवेदन किया है। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा जारी समय सारिणी के अनुसार बीए की परीक्षा पांच मार्च से शुरू होकर 16 मई तक चलेगी। वहीं बीएससी का पेपर पांच मार्च से शुरू होकर 15 मई तक होगा। अन्य परीक्षा बीकाम पांच मार्च से 29 अप्रैल, बीसीए की परीक्षाएं पांच मार्च से 25 अप्रैल तक होंगी। इसी तरह एमए हिंदी की परीक्षा 15 अप्रैल से आठ मई तक, एमए अंग्रेजी 10 अप्रैल से एक मई तक, एमए राजनीति विज्ञान 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक होंगी। इसी तरह एमए इतिहास 15 अप्रैल से सात मई तक, एमए अर्थशास्त्र 10 अप्रैल से एक मई तक और एमकाम 15 अप्रैल से 18 मई तक होगी।

मुख्यमंत्री ने दाऊ कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने समाज सेवी और छत्तीसगढ़ में अपनी दानशीलता के लिए प्रसिद्ध महान दानवीर दाऊ कल्याण सिंह की 13 फरवरी को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। श्री साय ने कहा है कि दाऊ कल्याण सिंह जी विलक्षण प्रतिभा के धनी व दीन-दुखियों के सेवा में सदैव तत्पर रहने वाले मनीषी थे। उन्होंने अस्पताल, पुस्तकालय, कॉलेज, जलाशय जैसे कई कामों के लिए मुक्त हाथों से कई एकड़ जमीन दान कर दी। उनके दिए दान से समाज के हर वर्ग को आसानी से शिक्षा और चिकित्सा सुविधा देने में मदद मिली। श्री साय ने कहा कि स्वस्थ व संस्कारित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए संपूर्ण जीवन अर्पित कर देने वाले दाउ कल्याण सिंह का नाम छत्तीसगढ़ में हमेशा आदर के साथ लिया जाता रहेगा।

सदन में क्वांटिफाइबल डाटा आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं करने पर उठा सवाल

रायपुर। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जिस क्वांटिफाइबल डाटा आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक किए बगैर उसके आधार पर विधानसभा में आरक्षण (संशोधन) विधेयक पारित कराया था, उस पर भाजपा सरकार आने के बाद अब फिर से सवाल उठ रहा हैं। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने विधानसभा में सवाल किया कि क्या आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक होगी? मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस पर विचार करने की बात कही है।

विधानसभा में अजय चंद्राकर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सवाल किया कि क्वांटिफायबल डाटा आयोग कब और किन उद्देश्यों से गठित किया गया? उसका कार्यकाल कितनी अवधि का था? उसके कार्यकाल को कितनी बार बढ़ाया गया और अंतिम बार कितनी अवधि के लिए कब तक बढ़ाया गया? रिपार्ट राज्य सरकार को कब सौंपी गई? किन-किन संस्थाओं को देनी थी? इसके चेयरमेन व सदस्य कौन-कौन थे

तथा इनको क्या-क्या सुविधायें दी गयी एवं कितनी राशि व्यय की गयी?

क्वांटिफायबल डाटा आयोग ने क्या-क्या अनुशंसाएं दीं? क्या उन अनुशंसाओं का उपयोग राज्य सरकार ने कर लिया है? यदि कर रही है तो इनका उपयोग किन-किन क्षेत्रों में कर रही है? यदि नहीं कर रही है तो इस आयोग का गठन क्यों किया गया?

क्या उक्त डाटा को सार्वजनिक किया गया था? यदि नहीं, तो उसका कारण क्या था एवं उनकी अनुशंसाओं को सरकार द्वारा स्वीकार कर लागू किया गया है? यदि हां, तो सरकार इनका उपयोग किन-किन क्षेत्रों में, किन-किन कार्यों के लिये कर रही है? यदि नहीं, तो उसके कारण क्या हैं?

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जवाब में बताया कि क्वांटिफायबल डाटा आयोग का गठन सामान्य प्रशासन विभाग के द्वारा 11 सितंबर 2019 द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य राज्य की जनसंख्या में अन्य पिछड़े वर्गों तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का सर्वेक्षण कर क्वांटिफायबल डाटा एकत्रित किया जाना था।

आयोग का कार्यकाल छह माह में प्रतिवेदन शासन को सौंपने हेतु गठन किया गया था, किन्तु प्रतिवेदन अपेक्षित होने के कारण आयोग का कार्यकाल 10 बार बढ़ाया गया, अंतिम बार 2 महीने की अवधि के लिए 31 दिसंबर 2022 तक के लिये बढ़ाया गया था। आयोग ने अपनी रिपोर्ट/प्रतिवेदन 21 नवंबर 2022 को राज्य सरकार को सौंपी।

उक्त रिपोर्ट/प्रतिवेदन किसी भी संस्थाओं को नहीं दी गई है। क्वांटिफायबल डाटा आयोग के चेयरमैन सेवानिवृत्त जिला एवं सेशन जज थे, आयोग में सदस्य नियुक्त नहीं किए गए थे। आयोग के चेयरमैन को मानदेय तथा समान पद के न्यायिक अधिकारियों को उपलब्ध सुविधाओं के अनुरूप सुविधाएं दी गई थी। कुल राशि 1,07,06,856 रुपए व्यय की गई।

आयोग से प्राप्त प्रतिवेदन में अनुशंसा नहीं अपितु निष्कर्ष दिए गए हैं, जिसके आधार पर 1 और 2 दिसम्बर, 2022 को विधान सभा के विशेष सत्र में राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2022 तथा छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्था (प्रवेश में आरक्षण) (संशोधन) विधेयक, 2022 लाया गया, जो सर्वसम्मति से विधान सभा द्वारा पारण किया गया है।

राज्य शासन द्वारा आयोग से प्राप्त उक्त निष्कर्ष एवं डाटा का उपयोग छत्तीसगढ़ लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2022 तथा छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्था (प्रवेश में आरक्षण) (संशोधन) विधेयक, 2022 में किया गया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आयोग का गठन राज्य की जनसंख्या में अन्य पिछड़े वर्गों तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का सर्वेक्षण कर क्वांटिफायबल डाटा एकत्रित कर प्रतिवेदन शासन को सौंपने के लिए गठन किया गया था। आयोग से प्राप्त निष्कर्ष/डाटा को राज्य सरकार द्वारा स्वीकार कर छत्तीसगढ़ लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2022 तथा छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्था (प्रवेश में आरक्षण) (संशोधन) विधेयक, 2022 में किया गया है।

राहुल गांधी पर अमर अग्रवाल का हमला

राम लला नहीं चाहते कुछ लोगों को हो उनके दर्शन

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। कोरबा लोकसभा के क्लस्टर प्रभारी अमर अग्रवाल ने राहुल गांधी को लेकर बड़ा बयान दिया है।अमर अग्रवाल के मुताबिक राहुल गांधी और कांग्रेस के नेताओं ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से दूरी बनाई थी। जिसे देखने के बाद अब यही लग रहा है कि भगवान खुद नहीं चाहते थे कि कुछ लोग उनके दर्शन करें।

बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने राहुल गांधी के बयान लेकर कहा कि देश ही नहीं पूरी दुनिया में हिंदु रहते हैं। उनका वर्षों का स्वप्न था कि भगवान राम अपने गर्भ गृह में प्रतिष्ठित हो।जब वो काम हुआ तो पूरा देश और दुनिया

ने उस गौरवशाली क्षण को देखा।

अमर अग्रवाल ने कहा जब इनको निमंत्रण दिया तो उन्होंने मना कर दिया।शायद इनके भाग्य में नहीं होगा। भगवान राम नहीं चाहते शायद राहुल गांधी राम लला के दर्शन करें। उस पर तीखी टिप्पणी करना जनता उल्टा नाराज हो रही है।

आपको बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा छत्तीसगढ़ में है। कोरबा में राहुल गांधी ने राम मंदिर को लेकर बयान दिया था। जिसमें उन्होने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में हृष्ट, दलित, आदिवासियों को नहीं बुलाया गया।वहां बड़े-बड़े पूंजीपति और फिल्म स्टार्स को बुलाया गया था।

वहीं लोकसभा चुनाव को लेकर अमर अग्रवाल ने भी बड़ा बयान दिया। जिसमें उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता से पहले पांच सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा होगी। कार्यकर्ताओं से रायशुमारी कर केंद्रीय नेतृत्व को जानकारी भेज दी गई है।

अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए रायपुर से आज निकलेगी ट्रेन

रायपुर। अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए बुधवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायपुर से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। दोपहर 1 बजे रायपुर रेलवे स्टेशन में आस्था एक्सप्रेस ट्रेन अयोध्या के लिये रवाना होगी। जिसमें महिला, पुरुष, युवा, बच्चे सभी भगवान श्रीराम के दर्शन का लाभ लेंगे। सीएम साय के साथ, संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, स्थानीय विधायक और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। भाजपा महिला प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा ने इस संबंध में जानकारी दी। लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि पूरे देश में और पूरे विश्व में आज लोग रामलाल के दर्शन करने जा रहे हैं। उसी कड़ी में छत्तीसगढ़ से भी पहली ट्रेन दुर्ग से 7 तारीख को गई है। दूसरी ट्रेन रायपुर संभाग के स्टेशन से चलेगी। उसे हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। लक्ष्मी ने बताया कि अयोध्या में यहां के दर्शनार्थियों के स्वागत सत्कार के लिए भी टीम लगी हुई है। दर्शन के लिए निःशुल्क बस की सुविधा है। छत्तीसगढ़ से 60 दिन तक वहां जाने वालों को 'शबरी प्रसाद' का वितरण किया जाएगा। रामलला विराजमान हो गए हैं।

नशे के कारोबारियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

■ एसपी ने होटल-ढाबा-लॉज संचालकों की बैठक में दी चेतावनी

रायपुर। राजधानी रायपुर में पुलिस अवैध नशे के कारोबारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। शहर में अपराध का बढ़ते ग्राफ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने कमर कास ली है। इसी क्रम में रायपुर एसपी संतोष सिंह ने शहर के विभिन्न होटल, ढ़ाबा, लॉज, कैफे, रेस्टोरेंट और बार संचालकों की बैठक ली गई। इस बैठक में सभी संचालकों को चेतावनी दी गई है। सिविल लाइन स्थित पुलिस कन्ट्रोल रूम के सभाकक्ष में आयोजित की गई।

एसपी संतोष सिंह ने बार संचालकों को बार को समय से बंद करने, बार और क्लब के नियमों का सख्ती से पालन करने के लिए निर्देशत किया। साथ ही होटल,

ढ़ाबा, लॉज, कैफे, रेस्टोरेंट और बार के संचालकों को सूखा नशा या कोकिन, एमडीएमए, ब्राउन शुगर का उपयोग करते हुए पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में किसी प्रकार का हुडदंग होने पर संचालक की भी जवाबदारी तय की जाएगी, इसे ध्यान में रखते हुए पर्याप्त संख्या में बाउंसर और सुरक्षा गार्ड रखने को कहा गया। इसे में सुरक्षा बनी रहे। बार के अंदर किसी भी प्रकार की अश्लील म्यूजिक का उपयोग नहीं होना चाहिए और ना ही कोई हुडदंग, क्योंकि विडियो के माध्यम से लगातार ऐसी चीजे पुलिस के पास पहुंच रहीं है। बार में महिलाएं भी जाती हैं, इसके लिए महिला बाउंसर और गार्ड भी होना चाहिए। प्रतिष्ठानों के अंदर किसी भी प्रकार के आग व स्पार्कल गन का प्रदर्शन करने का विडियो वायरल होने पर संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रतिष्ठानों में अनिवार्य रूप से अग्नि शमन के उपकरण होने चाहिये।

रेस्टोरेंट, बार, ढ़ाबा, होटल एवं कैफे के संचालक निर्धारित समय के बाद भी बाहर से शटर गिराकर अंदर से प्रतिष्ठानों को संचालित करते है, जो अनुचित है समय पश्चात ऐसा करते पाये जाने पर उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी। यदि कोई भी व्यक्ति लायसेंसी पिस्टल रखा है एवं शराब का नशे में है या सेवन कर रहा है तो इसी जानकारी वहां के स्टॉफ / प्रतिष्ठान के संचालक द्वारा इसकी सूचना पुलिस को दिया जाए। हाईवे के ढ़ाबा एवं रेस्टोरेंट के बाहर सर्विस रोड में वाहन पार्किंग करायी जाती है, ऐसे प्रतिष्ठान वाहनों की पार्किंग की समुचित व्यवस्था करें।

होटल और लॉज में पहचान पत्र के बिना किसी को भी नहीं रूकने नहीं दिया जाएगा, अपने प्रतिष्ठानों में सुचारू रूप से सीसीटीवी कैमरे लगाए, जिसमें फुटेज की क्षमता अधिक से अधिक हो। होटल/लॉज में रूकने वाले सभी कस्टमर/गेस्ट की जानकारी अनिवार्य रूप से ली जावें।

पुलिस अधीक्षक महोदय ने स्पष्ट कहा है कि यह मीटिंग जानकारी/चेतावनी/निर्देश वाली मीटिंग है। जिसमें संपूर्ण जानकारी दी गई है, यदि किसी प्रतिष्ठानों द्वारा किसी भी नियमों का उल्लंघन किया जाता है तो उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय आयुक्त
आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, इन्द्रावती भवन, अटल नगर रायपुर छत्तीसगढ़

क्रमांक / निर्माण/विविध/2023-24/1205/ C — नवा रायपुर, दिनांक-9/2/2024

ई- प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

website https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु प्रथम निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	जिले का नाम	कार्य का नाम	लागत राशि (राशि रू. लाख में)
1	बलरामपुर	आमाकोना एवं डोंडचांपी, कोरियापारा में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	118.80
2	बिलासपुर	दोधीनार एवं केराचुआ में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	118.80
3	धमतरी	कमारपारा में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	59.40
4	गरियाबंद	चितकीमुड़ा में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	59.40
5	जशपुर	जामुनजोबला, बलादरपाठ, पुजारकोना, लाइनपारा, लोधेनापाठ, सारूधप, कसाइपानी, अम्बापाकरी, रंगपुर, झुमराडोमर एवं चरकाघाट में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	653.45
6	कबीरधाम	भक्कारी एवं चोरहा में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	118.80
7	गंड़ई-खैरागढ़-छुईखदान	बैगापारा एवं सिंगारपुर में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	118.80
8	कोरबा	केराकछार में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	59.40
9	नारायणपुर	मुतेनतोडा, घमण्डी, कोदाहूर, कलहाजा, रेंगाबेड़ा, बालेबेड़ा, पिडीकापाल, करकाबेडा, जतवार एवं बोरानिरपी में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	594.05
10	रायगढ़	बिरहोरपारा में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	59.40
11	सरगुजा	सरहापानी एवं बंकेशमा में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	118.80
12	मुंगेली	चिरहट्टा में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	59.40
13	महासमुंद	कमारडेरा ग्राम पंचायत धनसूली एवं कमारडेरा ग्राम पंचायत जोरातराई में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	118.80
14	मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर	पटेराटोला एवं खालेपारा में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	118.80
15	गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही	अगरियापारा में एम.पी.सी प्री-फेबरीकेटेड स्ट्रक्चर में भवन का निर्माण कार्य।	59.40

उपरोक्त 15 निविदायें पृथक-पृथक आवेदन की जावेगी। निविदा तिथियां निम्नानुसार दर्शित की गई है। निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रकिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देख सकते हैं।

Date and time of pre-proposal conference	Date- 16.02.2024 At 3:00 P.M. at Office Of Commissioner, Scheduled Tribes And Scheduled Caste Development Department, Government Of Chhattisgarh Address: Block-D,Ground Floor, Indravati Bhawan Atal Nagar Nava Raipur.
Last Date And Time For Uploading Of E-Tender in E-Procurement Platform On Or Before.	Date- 26.02.2024 by 5:00 P.M.
Last date for submission of physical bid	Date- 27.02.2024 by 5:00 P.M.
Technical bid will Be Opened Online By The Authorized Officer on	Date- 28.02.2024 by 5:00 P.M.
The Price Bid will Be opened online on	Date- 29.02.2024 by 5:00 P.M.

(टी चक्रवर्ती)
कार्यपालन अभियंता
जी- 07729/9 — आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

हल होती जा रही हैं भाजपा की सारी समस्याएं

अभय कुमार दुबे

भाजपा और मोदी का बढ़ता प्रभाव कांग्रेस को लगातार कमजोर कर रहा है। स्थिति यह है कि जो नेता अभी कुछ दिन पहले ही कांग्रेस का नेतृत्व कर रहे थे, अब उनके भी भाजपा में जाने की चर्चा होने लगी है। ऐसे नेता दो तरह के हैं- एक वे जो इन चर्चाओं का खंडन नहीं कर रहे हैं और चुप बैठे हैं। इनकी चुप्पी रणनीतिक किस्म की है। इनमें प्रमुख नाम कमलनाथ का है जिन्हें कांग्रेस ने मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया था, और जो अक्तूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की तरफ से मुख्यमंत्री के रूप में पेश किए जा रहे थे। आज स्थिति यह है कि या तो वे अपने बेटे के साथ भाजपा में चले जाएंगे, या केवल उनका बेटा जाएगा। दूसरे नेता वे हैं जिन्होंने खुलकर कांग्रेस छोड़ने की पेशबंदी की है। इनमें प्रमुख नाम आचार्य प्रमोद कृष्णम का है। वे राम मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा के कार्यक्रम में न जाने के कांग्रेसी फैसले के बाद खुलकर मोदी की प्रशंसा करने लगे हैं। एक तरह से उन्होंने इस तरह की बातें करके खुद को कांग्रेस से निकलवा लिया। कमलनाथ और प्रमोद कृष्णम जैसी स्थिति कुछ और कांग्रेसी नेताओं की भी हो सकती है। ऐसे भी कुछ नेता हैं जो स्वयं विपक्ष में रहते हैं, लेकिन अपने बेटे या परिवार के कुछ लोगों को भाजपा में रखते हैं। नीतीश कुमार के दाएं हाथ के.सी. त्यागी बहुचर्चित पालाबदल से पहले टीवी पर भाजपा को आड़े हाथों लिया करते थे। वे जे.पी., लोहिया और समाजवाद की दुहाई देकर बड़े आकर्षक ढंग से अपनी बातें कहते थे लेकिन उन्होंने अपने बेटे अमरीश त्यागी को पहले से ही भाजपा में 'पार्क' कर रखा था। कांग्रेस और विपक्ष के नेताओं के भाजपा के प्रति झुकने का यह सिलसिला अगले कुछ दिनों में और बढ़ सकता है। एक जमाना था जब भाजपा दूसरी पार्टियों से आए नेताओं के लिए माकूल जगह नहीं मानी जाती थी। अब स्थिति बदल चुकी है। अपनी विस्तार करने की प्रक्रिया में भाजपा ने अपने दरवाजे किसी भी पार्टी के नेताओं के लिए खोल दिए हैं। कांग्रेस से आए नेताओं की तो भाजपा में बहुतायत होती जा रही है। उसकी उत्तर-पूर्व की राजनीति तो मोटे तौर पर उन्हीं पर टिकी हुई है। असम, त्रिपुरा और मणिपुर के तीनों मुख्यमंत्रियों की ज्यादातर जिंदगी कांग्रेस में ही गुजरी है। रणनीतिक रूप से भाजपा में बहुत लचीलापन है। इसका लाभ उठा कर उसने कुछ नेताओं को विपक्ष से छीन लिया है (जैसे नीतीश कुमार और जयंत चौधरी), कुछ को विपक्ष में जाने से रोक दिया है (जैसे मायावती और चंद्रबाबू नायडू), कुछ पार्टियां जो तंग कर रही थीं, उन्हें तोड़ दिया गया है (जैसे शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस)। पहले कभी सोचा भी नहीं गया था कि भारतरत्न का सर्वोच्च पुरस्कार अल्पकालीन और दीर्घकालीन राजनीति के दोहरे लक्ष्यों की पूर्ति का औजार भी बन सकता है। कर्पूरी ठाकुर, चरण सिंह और आडवाणी को यह पुरस्कार देकर हर बार फौरी लक्ष्यों को तो सिद्ध किया ही गया, कांग्रेस की राजनीति को आहत करने में इन शिखर-पुरुषों की भूमिका भी रेखांकित हुई। भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर राजनीतिक प्रबंधन की उस्ताद साबित हुई है। मोदी जानते हैं कि लोकलुभावन योजनाएं या लाभार्थियों का संसार अपने आप वोटों में नहीं बदलता। उसके तीन स्तरों पर काम करना होता है। राज्यों के स्तर पर, जहां अपनी स्थिति लगातार मजबूत करना जरूरी होता है, नेताओं के स्तर पर, जो विभिन्न समुदायों की नुमाइंदगी करते हैं, और समुदायों के स्तर पर, जिन्हें लगातार पार्टी के साथ जोड़ने का अभियान चलाना पड़ता है। 2019 में मोदी इन तीनों स्तरों पर पर्याप्त काम नहीं कर पाए थे। तीन चुनाव हारने के बाद राज्यों में उनकी स्थिति भरोसेमंद नहीं थी। उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का गठजोड़ बहुत बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा था। करीब छह महीने पहले तकरीबन भाजपा इसी तरह की स्थिति से दो-चार हो रही थी। बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक उसकी कमजोर कड़ियां थीं लेकिन जैसे ही उन्होंने तीन राज्यों के चुनाव जीते, ऐसा लगा कि उनकी सारी समस्याएं हल हो गई हों। इस बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा को यह उम्मीद भी है कि जो समुदाय उसे पहले वोट नहीं करते रहे हैं, उनका एक हिस्सा भी उसे समर्थन दे सकता है।

किसानों के मसीहा चरण सिंह को भारत रत्न

अजय कुमार

पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह, पूर्व पीएम नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न की घोषणा में चौधरी चरण सिंह के बारे में यह जरूर कहा जा सकता है कि यह सम्मान उन्हें काफी पहले मिल जाना चाहिए था। चौधरी चरण सिंह का सम्मान देर से लिया गया एक फैसला है। चौधरी चरण सिंह 'भारत रत्न' के लिये पूरी तरह से योग्य थे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर में चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1903 को एक ग्रामीण किसान परिवार में हुआ था। एक मध्यम वर्गीय जाट किसान परिवार में जन्मे चौधरी चरण सिंह लोकतंत्र के बड़े पैरोकार थे। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करने में इतना समय क्यों लगा यह यक्ष प्रश्न हो सकता है। अब जबकि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह को वह सम्मान दिलाया है जिसके वह हकदार थे तो इस पर किसी को एतराज नहीं होगा।

उन्होंने 1923 में विज्ञान से स्नातक किया एवं 1925 में आगरा विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त चौधरी चरण सिंह ने गाजियाबाद से एक अधिवक्ता के रूप में पेशे की शुरुआत की थी। चरण सिंह 1929 में मेरठ आ गये और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। चौधरी चरण सिंह की विरासत अब उनके पौत्र जयंत चौधरी संभाल रहे हैं। वह राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष हैं। उन्होंने बाबा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि आपने 'दिल जीत लिया%। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने के खिलाफ कहीं से कोई आवाज तो नहीं उठ रही है, लेकिन भारत रत्न देने की टाइमिंग पर जरूर सवाल उठाया जा रहा है। ऐन चुनाव से पूर्व जब इस बात की चर्चा चल रही है कि चौधरी चरण सिंह के पौत्र जयंत चैधरी की राष्ट्रीय लोकदल के बीजेपी के साथ गठबंधन की चर्चा तेज है, तब इस तरह का फैसला सवाल तो खड़ा करता ही है।

चौधरी चरण सिंह के सियासत में प्रवेश की बात की जाये तो चरण सिंह सबसे पहले 1937 में छपरौली से उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए एवं 1946, 1952, 1962 एवं 1967 में विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र

का प्रतिनिधित्व किया। वे 1946 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में संसदीय सचिव बने और राजस्व, चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, न्याय, सूचना इत्यादि विभिन्न विभागों में कार्य किया। जून 1951 में उन्हें राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया एवं न्याय तथा सूचना विभागों का प्रभार दिया गया। बाद में 1952 में वह डॉ. सम्पूर्णानन्द के मंत्रिमंडल में राजस्व एवं कृषि मंत्री बने। अप्रैल 1959 में जब उन्होंने पद से इस्तीफा दिया, उस समय उन्होंने राजस्व एवं परिवहन विभाग का प्रभार संभाला हुआ था। इसी तरह से चौधरी चरण सिंह सी.बी. गुप्ता के मंत्रालय में गृह एवं कृषि मंत्री (1960) रहे। श्रीमती सुचेता कृपलानी के मंत्रालय में वे कृषि एवं वन मंत्री (1962-63) रहे। उन्होंने 1965 में कृषि विभाग छोड़ दिया एवं 1966 में स्थानीय स्वशासन विभाग का प्रभार संभाल लिया। कांग्रेस के विभाजन के बाद फरवरी 1970 में दूसरी बार वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। हालांकि राज्य में 2 अक्टूबर 1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था।

कांग्रेस में रहकर भी समाजवाद को आगे बढ़ाने वाले चरण सिंह ने विभिन्न पदों पर रहते हुए उत्तर प्रदेश की सेवा की एवं उनकी ख्याति एक ऐसे कड़क नेता के रूप में हो गई थी जो प्रशासन में अक्षमता, भाई भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते थे। प्रतिभाशाली सांसद एवं व्यवहारवादी चरण सिंह अपनी वाकपटुता एवं दृढ़ विश्वास के लिए जाने जाते हैं। उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार का पूरा श्रेय उन्हें जाता है। ग्रामीण देनदारों को राहत प्रदान करने वाला विभागीय ऋणमुक्ति विधेयक, 1939 को तैयार करने एवं इसे अंतिम रूप देने में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। उनके द्वारा की गई पहल का ही परिणाम था कि उत्तर प्रदेश में मंत्रियों के वेतन एवं उन्हें मिलने वाले अन्य लाभों को काफी कम कर दिया गया था। वह 1959 से राष्ट्रीय मंच पर दिखाई देने लगे जब उन्होंने नागपुर कांग्रेस अधिवेशन में निर्विवाद नेता और प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू की समाजवादी और सामूहिक भूमि नीतियों का सार्वजनिक रूप से विरोध किया था। हालाँकि गुटों से भरी उत्तर प्रदेश कांग्रेस में उनकी स्थिति कमजोर हो गई थी, लेकिन यही वह समय था जब उत्तर भारत में विभिन्न जातियों के मध्यम से किसान समुदायों ने उन्हें अपने प्रवक्ता और बाद में अपने निर्विवाद नेता के रूप में देखना शुरू कर दिया। यह भी ध्यान देने योग्य है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस के भीतर अपनी स्पष्ट नीतियों और मूल्यों को व्यक्त करने की उनकी क्षमता ने उन्हें अपने सहयोगियों से अलग खडा किया। इस अवधि के बाद, चरण सिंह 1 अप्रैल 1967 को कांग्रेस से अलग हो गए, विपक्षी दल में शामिल हो गए और यूपी के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री बने। यह वह समय था जब 1967 से 1971 तक भारत में गैर-कांग्रेसी सरकारें एक मजबूत ताकत थीं। जनता गठबंधन के एक प्रमुख घटक भारतीय लोक दल के नेता के रूप में 1977 में जयप्रकाश नारायण की पसंद मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्री बनने की उनकी महत्वाकांक्षा से उन्हें निराशा हुई।

1977 के लोकसभा चुनावों के दौरान जब बिखरा हुआ विपक्ष चुनाव से कुछ महीने पहले जनता पार्टी के बैनर तले एकजुट हुआ, जिसके लिए चौधरी चरण सिंह 1974 से लगभग अकेले ही संघर्ष कर रहे थे। उस समय वह राज नारायण के प्रयासों के कारण ही प्रधानमंत्री बने। राज नारायण जनता पार्टी-सेक्युलर के अध्यक्ष थे और उन्होंने चरण सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में पदोन्नत करने का आश्वासन दिया था, जिस तरह उन्होंने उन्हें वर्ष 1967 में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री बनने में मदद की थी। हालाँकि, जब इंदिरा गांधी की कांग्रेस पार्टी ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया तो उन्होंने केवल 24 सप्ताह के कार्यकाल के बाद इस्तीफा दे दिया। चरण सिंह ने कहा कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया क्योंकि वह इंदिरा गांधी के आपातकाल से संबंधित अदालती मामलों को वापस लेने के लिए ब्लैकमेल किए जाने के लिए तैयार नहीं थे। छह महीने बाद नये चुनाव हुए। चरण सिंह 1987 में अपनी मृत्यु तक विपक्ष में लोकदल का नेतृत्व करते रहे।

बतौर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में जोत अधिनियम, 1960 को लाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। यह अधिनियम जमीन रखने की अधिकतम सीमा को कम करने के उद्देश्य से लाया गया था ताकि राज्य भर में इसे एक समान बनाया जा सके। देश में कुछ-ही राजनेता ऐसे हुए हैं जिन्होंने लोगों के बीच रह कर सरलता से कार्य करते हुए इतनी लोकप्रियता हासिल की हो। एक समर्पित लोक कार्यकर्ता एवं सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखने वाले चरण सिंह को लाखों किसानों के बीच रहकर प्राप्त आत्मविश्वास से काफी बल मिलता रहा। चौधरी चरण सिंह ने अत्यंत साधारण जीवन व्यतीत किया और अपने खाली समय में वे पढ़ने और लिखने का काम करते थे। उन्होंने कई किताबें एवं रूचार-पुस्तिकाएं लिखीं जिसमें 'जमींदारी उन्मूलन', 'भारत की गरीबी और उसका समाधान', 'किसानों की भूसंपत्ति या किसानों के लिए भूमि, 'प्रिवेंशन ऑफ डिवीजन ऑफ होल्डिंग्स बिलो ए सर्टेन मिनिमम', 'को-ऑपरेटिव फार्मिंग एक्स-रे' आदि प्रमुख हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-6)

गतांक से आगे...

इस कारण से उन्होंने अपने विवेक से स्वयं ही चिरकाल तक चिन्तन-मनन करने के पश्चात् आत्मा के स्वरूप को जानने की निश्चित धारणा बनाई। वचनों से परे होने के कारण, अगम्य होने के कारण तथा मन रूपी छठी इन्द्रिय में प्रतिष्ठित होने के कारण यह आत्मा अणु के आकार वाला, चिन्मात्र एवं आकाश से भी अतिसूक्ष्म है। इस परम चिरूप अणु के अन्दर कोटि-कोटि ब्रह्माण्ड रूपी रेणुकाएँ शक्ति क्रमानुसार प्रकट एवं प्रतिष्ठित होकर विलीन होती रहती हैं।

आत्मा बाह्य शून्यता के कारण आकाशरूप है और चिद्रूपता के कारण अनाकाशरूप है। इसके रूप का वर्णन न हो सकने के कारण यह वस्तुरूप नहीं है; किन्तु सत्ता होने से वस्तुरूप है। प्रकाशरूप होने के कारण वह चेतन है तथा वेदना का विषय न होने से वह शिला के सदृश (जड़) है। अपने अन्त: में स्थित आत्माकाश में वह चित्र-विचित्र विभिन्न प्रकार के जगत् का उन्मेष (सृजन) करता है। यह विश्व उसी आत्मा का प्रकाशमात्र होने के कारण उस आत्मतत्त्व से पृथक् नहीं है। जो विश्वभेद आत्मा में दृष्टिगोचर होता है, वह भी उस आत्मा से अलग नहीं है। सभी से सम्बद्ध होने से उस आत्मा की गति यत्र-तत्र-सर्वत्र है; किन्तु उसमें गति न होने के कारण वह चलायमान नहीं है। वह आत्मा आश्रयरहित होने से नास्ति रूप है; किन्तु सत्स्वरूप होने के कारण वह अस्तिरूप है। वही धन-प्रदाता (दानी) की परमगति है। जो ब्रह्मानन्दमय और विज्ञानमय है तथा चित्त द्वारा सारे संकल्पों का परित्याग ही जिसका ग्रहण है। जाग्रत् अवस्था की प्रतीति के अभाव को ही ज्ञानीजन जिसकी प्रतीति बताते हैं, जिसके संकोच एवं विकास से जगत् का विनाश एवं सृजन होता है। जो वेदान्त-वाक्यों की निष्ठास्वरूप तथा वाणी के लिए अकथनीय है, मैं वही सत- चित-आनन्द स्वरूप परमात्मा ब्रह्म हूँ और अन्य दूसरा कुछ भी नहीं हूँ। **क्रमश: ...**

राग रंग और उत्सव का पर्व है बसन्त पंचमी

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में पतझड़ ऋतु के बाद बसन्त ऋतु का आगमन होता है। हर तरफ रंग-बिरंगें फूल खिले दिखाई देते हैं। इस समय गेहूं की बालियां भी पक कर लहराने लगती हैं। जिन्हें देखकर किसान हर्षित होते हैं। चारों ओर सुहाना मौसम मन को प्रसन्नता से भर देता है। इसीलिये वसन्त ऋतु को सभी ऋतुओं का राजा अर्थात ऋतुराज कहा गया है। इस दिन भगवान विष्णु, कामदेव तथा रति की पूजा की जाती है। इस दिन ब्रह्माण्ड के रचयिता ब्रह्मा ने सरस्वती की रचना की थी। इसलिए इस दिन देवी सरस्वती की पूजा भी की जाती है।

वसंत शब्द का अर्थ है बसंत और पंचमी का पांचवें दिन। इसलिये माघ महीने में जब वसंत ऋतु का आगमन होता है तो इस महीने के पांचवे दिन यानी पंचमी

को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। बसन्त उत्तर भारत तथा समीपवर्ती देशों की छह ऋतुओं में से एक ऋतु है। जो फरवरी मार्च और अप्रैल के मध्य इस क्षेत्र में अपना सौंदर्य बिखेरती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता सरस्वती जिन्हें विद्या, संगीत और कला की देवी कहा जाता है। है। उनका अवतरण इसी दिन हुआ था और यही कारण है कि भक्त इस शुभ दिन पर ज्ञान प्राप्त करने के लिए उनकी पूजा करते हैं। साथ ही इसे सरस्वती पूजा के नाम से भी जाना जाता है।

सभी शुभ कार्यों के लिए बसन्त पंचमी के दिन अत्यंत शुभ मुहूर्त माना गया है। बसन्त पंचमी को अत्यंत शुभ मुहूर्त मानने के पीछे अनेक कारण हैं। यह पर्व अधिकतर माघ मास में ही पड़ता है। माघ मास का भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस माह में पवित्र तीर्थों में स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है। दूसरे इस समय सूर्यदेव भी उत्तरायण होते हैं। इसलिए प्राचीन काल से बसन्त पंचमी के दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाती है अथवा कह सकते हैं कि इस दिन को सरस्वती के जन्म दिवस के रुप में मनाया जाता है।

बसन्त पंचमी का दिन सरस्वती की साधना को अर्पित ज्ञान का महापर्व है। शास्त्रों में भगवती सरस्वती की आराधना व्यक्तिगत रूप में करने का विधान है। किंतु आजकल सार्वजनिक पूजा-पाण्डालों में देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने का रिवाज चल पड़ा है। मां सरस्वती का प्रिय रंग पीला है। इसलिए उनकी मूर्तियों को पीले वस्त्र, फूल पहनाए जाते हैं। देश में लोग बसंत पंचमी पर पीले कपड़े पहन कर विद्या की देवी मा सरस्वती कि वंदना मंत्र का उच्चारण कर उनकी पूजा करते हैं। फाल्गुन और चैत्र मास बसन्त ऋतु के माने गए हैं। फाल्गुन वर्ष का अंतिम मास है और चैत्र पहला। इस प्रकार हिंदू पंचांग के वर्ष का अंत और प्रारंभ बसन्त में ही होता है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। सरसों के फूलों से भरे खेत पीले दिखाई देते हैं। अत: राग रंग और उत्सव मनाने के लिए यह ऋतु सर्वश्रेष्ठ मानी गई है।

पाकिस्तान का जनादेश सेना के खिलाफ

सुरेश हिंदुस्तानी

पाकिस्तान के बनने के पश्चात प्रारंभ से पैदा हुई उसकी राजनीतिक दुश्वारियां अभी तक पीछा नहीं छोड़ रही हैं। सत्ता के संघर्ष के इस खेल में पाकिस्तान ने पाया कुछ नहीं, इसके विपरीत खोया बहुत है। अभी हाल ही में हुए चुनाव में पाकिस्तान के राजनीतिक आसमान में फिर से अस्थिरता के बादल उमड़ते घुमड़ते दिखाई दिए। पाकिस्तान की सेना और आतंकियों के संकेत पर जबरदस्ती पदच्युत किए गए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए इस चुनाव में राह को कठिन बनाने की भरपूर राजनीति की गई। इसके बाद भी पाकिस्तान में एक बड़ी ताकत के रूप में उन्होंने अपना स्थान कायम रखा। इसे इमरान खान की लोकप्रियता ही कहा जाएगा कि उनके विरोधी दल ताल ठोककर मैदान में सामने खड़े थे, इसके बाद भी इमरान की पार्टी तहरीक ए इंसाफ सबसे बड़े दल के रूप में उभर कर आई। वहीं नवाज शरीफ की पार्टी मुस्लिम लीग नवाज दूसरे और बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी तीसरे स्थान को ही प्राप्त कर सके। इसके यह भी निहितार्थ हैं कि इन दोनों से इमरान खान ज्यादा लोकप्रिय हैं। जैसा कि पाकिस्तान का चरित्र रहा है कि वहां प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने वाला व्यक्ति तब तक कुछ नहीं कर सकता, जब तक सेना और आतंकी आकाओं का आदेश नहीं मिल जाए। इसे इस रूप में कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि पाकिस्तान की सत्ता का निर्धारण सेना के हाथ में ही रहता है। पाकिस्तान में कहने को ही लोकतंत्र है, सच मायनों में वहां सेना का तंत्र ही कार्य करता है। सेना के अधिकारी जब चाहें जैसा चाहें, निर्णय कर सकते हैं। वहां सेना के मुख्य अधिकारी सत्ता को गिराने का काम करते आए हैं। उल्लेखनीय है कि परवेज मुशर्रफ सेना के अधिकारी ही थे, जिन्होंने पाकिस्तान में तख्तापलट करते हुए शासन की बागडोर संभाली थी। इसी प्रकार अन्य भी कई उदाहरण हैं।

यह पाकिस्तान की नियति बन चुकी है कि वहां

अभी तक कोई भी राजनीतिक दल सत्ता का संचालन पूरे कार्यकाल तक नहीं कर सका है। क्योंकि वहां सरकार के कामों में सेना का हस्तक्षेप बहुत ज्यादा है। ऐसा इसलिए भी हो रहा है क्योंकि पाकिस्तान में सेना ने ज्यादातर शासन किया है। एक प्रकार से पाकिस्तान बनने के बाद से ही सेना की राजनीतिक सक्रियता रही है। जिसके कारण पाकिस्तान में लोकतंत्र होते हुए भी सैनिक शासन जैसा ही रहा है। इस बार के चुनाव में लोकतंत्र के हिसाब से इमरान खान काफी मजबूत दिखाई दे रहे थे, जो चुनाव के परिणामों ने भी स्पष्ट किया, लेकिन इमरान खान की पार्टी बहुमत के आंकड़े से बहुत दूर रही। इमरान खान की पार्टी के नेताओं ने दावा किया था कि उनकी पार्टी 150 से ज्यादा सीटों पर विजय प्राप्त कर रही है। यह आंकड़े मतों की गिनती होते समय प्रारंभिक रूप से दिखने लगे थे, लेकिन उसके बाद स्थिति अचानक से बदल गई। उसके जो उम्मीदवार आगे चल रहे थे, वे पीछे होते चले गए। इस चुनाव में एक बार फिर राजनीतिक विद्वेष की खाई और ज्यादा चौड़ी होती दिखाई दी। नवाज शरीफ की पार्टी ने अपने रास्ते साफ करने के लिए इमरान को जेल भेजने का कुचक्र रचा। इमरान को चार मामलों में सजा भी मिली है, जिसके कारण चुनाव के दौरान इमरान जेल में ही रहे। इसे चुनाव प्रचार से दूर करने की कवायद के रूप में देखा गया। इतना ही नहीं इमरान की पार्टी के नेताओं के सामने भी कई प्रकार के संकट खड़े किए गए। फिर भी इमरान को नहीं रोक सके। अब इमरान को रोकने के लिए एक बार फिर से पाकिस्तान गठबंधन सरकार बनाने की ओर कदम बढ़ा चुका है। यानी फिर से पाकिस्तान में ऐसा राजनीतिक भंवर बन रहा है, जिसमें पाकिस्तान निकलने की कवायद कर रहा था।

पाकिस्तान में कहा यह भी जा रहा कि सेना के हस्तक्षेप के चलते इमरान को सत्ता के मुहाने पर आकर रोक दिया है। चुनाव परिणाम के बाद पाकिस्तान में इमरान के समर्थक सड़कों पर उतर आए और जमकर विरोध किया। इमरान समर्थकों की यह कवायद थम जाएगी, ऐसा फिलहाल तो नहीं लगता। इसलिए कहा यह भी जा रहा है कि पाकिस्तान में आगामी हालात राजनीतिक रूप से रस्साकशी वाले ही रहेंगे। जिससे फिर राजनीतिक अस्थिरता होगी और पाकिस्तान के बिगड़े हुए हालात और भी ज्यादा खराब होते जाएंगे, यह तय है।

आज पाकिस्तान की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। पाकिस्तान में भुखमरी के हालात हैं। इसका एक बड़ा कारण पाकिस्तान में लोकतंत्र का गिरवी होना ही है। स्थिति यह है कि पाकिस्तान में राजनेता मौज कर रहे हैं और जनता दर दर की ठोकर खाने के लिए मजबूर है। शासन की जिम्मेदारी होती है कि वह अपने देश की स्थिति को संभाले, परंतु पाकिस्तान में सरकार को संभालने की राजनीति ही की जाती रही है। जिसके कारण पाकिस्तान के ऐसे हालात बने। इतना ही नहीं वहां के राजनेता आतंकी आकाओं और सेना की कठपुतली ही बने रहे, जिसके चलते उनको सत्ता का सुख भी प्राप्त हुआ। पाकिस्तान की मौजूदा परिस्थितियां वहां के राजनीतिक नेताओं की देन हैं। यही कारण है कि पाकिस्तान आज बर्बादी के कगार पर जा चुका है। हम जानते हैं कि इमरान के शासनकाल के दौरान जनता अपना पेट भरने के लिए सड़कों पर उतर आई। लूटपाट भी की, लेकिन राजनेताओं ने इस ओर ध्यान नहीं दिया और पाकिस्तान की दुर्गति होती चली गई। अब पाकिस्तान के हालात उससे भी बुरे हो सकते हैं, क्योंकि वहां जोड़ तोड़ करके जो सरकार बनेगी, उसके सामने एक मजबूत विपक्ष होगा, जो सरकार की निरंकुश कार्यवाही पर लगाम लगाने में समर्थ होगा। अब अगर पाकिस्तान को अपनी स्थिति सुधारनी है तो उसे सत्ता की राजनीति करने की बजाय जनहित की राजनीति पर ध्यान देने पर बल देना होगा। तभी पाकिस्तान का संकट समाप्त हो सकेगा।

आज का इतिहास

1946 बैंक ऑफ इंग्लैंड का राष्ट्रीयकरण बैंक बना।
1949 पहली बार बुलाई गई इज़राइल की विधायिका केसेट ने उन प्रतिनिधियों की सभा को सफल किया जिन्होंने ब्रिटिश जनादेश युग के दौरान एस्टे यहूदी समुदाय की संसद का कार्य किया था।
1959 क्यूबा पर प्रसिद्ध क्रान्तिकारी फ़ीडल कास्त्रो का शासनकाल आरंभ हुआ।
1961 लॉरेंसियम, धातु रेडियोधर्मी सिंथेटिक तत्व विटहाटोमिक संख्या 103, को पहले लॉरेंस विकिरण प्रयोगशाला में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के परिसर में बनाया गया था।
1975 मशहूर लेखक सर पेल्हम ग्रेनिवाल वुडहाउस का निधन हुआ।
1985 सीएनएन संवाददाता जेरेमी लेविन को लेबनान में कैद से मुक्त किया गया।
1989 ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम पर आधारित पहला उपग्रह अंतरिक्ष में पृथ्वी की कक्षा के पास स्थापित किया गया।
1989 सलमान रुश्दी को शैतानी छंद के आधार पर फतवा जारी किया गया था, जो एक उपन्यास इस्लामी कट्टरपंथी माना जाता है।
1990 वायेजर 1 अंतरिक्ष जांच ने ग्रहएर्थ की एक प्रतिष्ठित तस्वीर ली जो बाद में पेल ब्लू डॉट के रूप में प्रसिद्ध हुई।
1991 कैरी सी। व्हाइट की मृत्यु के बाद, फ्रांसीसी महिला जीनने कैलमेंट दुनिया की सबसे पुरानी जीवित व्यक्ति बन गईं, और उन्होंने इतिहास में सबसे लंबे समय तक मानव जीवन काल की पुष्टि की, जो 1997 में 122 वर्ष और 164 दिन की उम्र में मर गया।
1992 मार्लेन ओथे ने लगभग 6.96 सेकंड में 60 मीटर इनडोर दौड़ का विश्व रिकॉर्ड बनाया।
1993 चीन के तांगशान में स्थित लिनक्स डिपार्टमेंटल स्टोर में आग के हमले में 79 लोग मारे गए।
1994 कृतज्ञ काम, जेरी गार्निया ने डेबोराह होन्स को जगाया।
1995 1995 में, कोसेन ने अपने अंगरक्षक को जन्म दिया जिसका नाम बेन थॉमस था।
2005 वीडियो-शेयरिंग वेबसाइट यूट्यूब की शुरूआत हुई।
2005 लेबनान के पूर्व प्रधान मंत्री रफिक हरीरी की हत्या कर दी गई थी, जब विस्फोटकों को विस्फोटित किया गया था, क्योंकि उनकी मोटरसाइकिल को बेरूत के सेंटगॉर्ज होटल के पास ले जाया गया था, जो लेबनान में देवदार क्रांति को बढ़ावा देता था।

चरण सिंह, कर्पूरी ठाकुर और नरसिम्हा राव को भारत रत्न क्यों

अजय सेतिया

नरेंद्र मोदी सरकार ने पांच साल के अंतराल के बाद पांच हस्तियों को भारत रत्न सम्मान देकर राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। इनमें से कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए जाने पर किसी को कोई एतराज नहीं होना चाहिए, है भी नहीं। लाल कृष्ण आडवाणी भाजपा के शीर्ष नेता रहे हैं, और भाजपा को शिखर पर ले जाने में उन्हीं की प्रमुख भूमिका रही है। नरेंद्र मोदी को संगठन से चुनावी राजनीति में लाने और चुनावी राजनीति में प्रवेश से पहले ही मुख्यमंत्री बनवाने का श्रेय भी आडवाणी को जाता है। लेकिन उनका नाम बाबरी ढाँचे के विध्वंस से जुदा है, इसलिए सेक्यूलरिज्म की राजनीति करने वाले दलों ने उन्हें भारत रत्न दिए जाने पर एतराज जताया है। विवादास्पद ढांचा टूटने के बाद साजिशकर्ताओं के रूप में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी, खासकर यूपी की समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया मुलायम सिंह उन्हें अपराधी मानते थे, जबकि किसी भी अदालत ने उन्हें अपराधी नहीं माना है। अटल बिहारी वाजपेयी के बाद वह भाजपा के शिखर पुरुष हैं, इसलिए भाजपा सरकार की ओर से उन्हें भारत रत्न दिया जाना आश्चर्यचकित नहीं करता।

कर्पूरी ठाकुर और चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने पर भी किसी ने उंगली नहीं उठाई, लेकिन नरसिम्हा राव को भारत रत्न सम्मान दिए जाने पर कुछ लोगों ने खुल कर उंगली उठाई, कुछ लोगों ने उंगली तो नहीं उठाई, लेकिन उन्हें तकलीफ बहुत हुई है। इनमें सबसे पहले सोनिया गांधी का नाम लिया जा सकता है, इसके बाद मणिशंकर अय्यर जैसे कई कांग्रेसी नेता भी शामिल हैं। हिन्दुओं का एक वर्ग भी नरसिम्हा राव को भारत रत्न दिए जाने से क्षुब्ध है, क्योंकि वह 1991 में धार्मिक स्थल संरक्षण के नाम पर एक ऐसा क़ानून बना गए, जिससे हिन्दुओं को मुगल काल में गिराए गए मन्दिरों पर कानूनी लड़ाई के अधिकार से भी वंचित कर दिया गया। इससे पहले मोदी सरकार ने जब कार सेवकों पर गोली चलवाने वाले मुलायम सिंह को पद्म विभूषण दिया था, तब भी भाजपा का कट्टर हिन्दू वोट बैंक मोदी से खफा हुआ था। लेकिन नरसिम्हा राव को भारत रत्न दिए जाने से मोहब्बत की दूकान चलाने वाले सोनिया परिवार की नफरत की असली कहानी वोटरों के दिमाग में ताज़ा हो गई है। सोनिया परिवार ने नरसिम्हा राव के साथ क्या व्यवहार किया था, वह कम से कम ब्राह्मणों को जरुर याद आएगा। नरसिम्हा राव सरकार के कम से कम दो मंत्री अर्जुन सिंह और मणिशंकर अय्यर हर बात की रिपोर्ट सोनिया गांधी को करते थे।

सोनिया गांधी दो कारणों से नरसिम्हा राव से बेहद खफा थी, पहली तो यह कि राजीव गांधी की हत्या की जांच बहुत धीमी गति से चल रही थी, दूसरी यह कि उनके प्रधानमंत्री रहते बाबरी ढांचा टूटा था। सोनिया गांधी खेमे के मंत्रियों ने उनके कान भरे थे कि नरसिम्हा राव की मिलीभगत से बाबरी ढांचा टूटा है। मणि शंकर अय्यर ने अपनी किताब के विमोचन के समय यहाँ तक कहा था कि नरसिम्हा राव भाजपा के पहले प्रधानमंत्री थे। नरसिम्हा राव का जब देहांत हुआ तो सोनिया गांधी के दबाव में मनमोहन सिंह सरकार ने उनका दाह संस्कार दिल्ली में करने की इजाजत नहीं दी थी। सोनिया गांधी को डर था कि अगर उनका दाह संस्कार दिल्ली में हुआ, तो नेहरू, इंदिरा और राजीव गांधी के साथ नरसिम्हा राव का स्मारक भी बन जाएगा। नरसिम्हा राव का पार्थिव शरीर जब हैदराबाद ले जाने के लिए एअरपोर्ट ले जाया जा रहा था, तो रास्ते में कांग्रेस दफ्तर भी ले जाया गया, क्योंकि वह कांग्रेस अध्यक्ष भी रहे थे और कांग्रेस सरकार के ही प्रधानमंत्री थे। लेकिन सोनिया गांधी ने पार्टी दफ्तर को हिदायत दे दी थी कि नरसिम्हा राव के शव को दर्शनार्थ पार्टी कार्यालय में नहीं रखा जाएगा।

सोनिया गांधी के निर्देशों पर पार्टी कार्यलय के दरवाजे तक नहीं खोले गए, और राव का पार्थिव शरीर एक घंटे तक 24 अकबर रोड पर रखा रहा। अब किरकिरी से बचने के लिए खून का घूँट पी कर सोनिया गांधी और कांग्रेस ने नरसिम्हा राव को भारत रत्न दिए जाने का स्वागत किया है। कर्पूरी ठाकुर और चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने से इंडी एलायंस की धड़कने तेज हो गई हैं। इंडी एलायंस के किसी भी राजनीतिक दल ने इन पुरस्कारों का विरोध नहीं किया, लेकिन राजनीतिक दलों के समर्थक इस पर हाय तौबा मचा रहे हैं। वे बिहार में पिछड़ी जातियों के सबसे बड़े

नेता कर्पूरी ठाकुर, और जाटों व किसानों के सबसे बड़े नेता पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह को दिए गए सम्मान को चुनावी दृष्टि से वोट साधने वाला मान रहे है। इन दोनों हस्तियों को भारत रत्न का कोई राजनीतिक दल विरोध कर भी नहीं सकता, भले ही लालू यादव ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने के समय पर सवाल उठाया है। कर्पूरी ठाकुर और चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने का राजनीतिक असर तो हुआ ही है। बिहार में गैर यादव पिछड़ी जातियों के नेता नीतीश कुमार इंडी एलायंस छोड़कर राजग में वापस आ गए और यूपी में चौधरी चरण सिंह के पोते और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जाट बेल्ट में प्रभाव रखने वाले जयंत चौधरी भी इंडी एलायंस छोड़कर एनडीए में आ रहे हैं।

इसमें कोई शक नहीं है कि नरेंद्र मोदी ने दोनों हस्तियों की जातियों से जुड़े समाज को साधने के लिए उन्हें भारत दिया है, लेकिन कोई यह नहीं कह सकता कि दोनों हस्तियाँ इस सर्वोच्च सम्मान की हकदार नहीं थी। दोनों को सम्मान दिए जाने की मांग लंबे समय से की भी जा रही थी। दोनों का भारतीय जनता पार्टी से कोई ताल्लुक नहीं था कि प्रधानमंत्री मोदी पर पक्षपात का आरोप लगे ।ले किन कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने पर मीडिया में इस तरह की खबरें खूब फैलाई गई कि बिहार में आरक्षण लागू करने के विरोध में पूर्व जनसंघियों ने समर्थन वापस लेकर उनकी सरकार गिराई थी। जबकि यह तथ्य नहीं है, जनता पार्टी सरकार में शामिल जनसंघियों ने आरक्षण का विरोध किया होता, तो केबिनेट और विधानसभा में आरक्षण का बिल पास ही नहीं होता। कर्पूरी ठाकुर सरकार असल में समाजवादियों के आपसी झगड़े के कारण गिरी थी। सच यह है कि जनसंघियों ने ही दोनों बार अति पिछड़ी जाति के कर्पूरी ठाकुर को मुख्यमंत्री बनवाया था। पहली बार 1971 में जब साझा सरकार बन रही थी, तो समाजवादियों ने रामानन्द तिवारी को मुख्यमंत्री पद के लिए चुना था, जबकि जनसंघ के दबाव में कर्पूरी ठाकुर को मुख्यमंत्री बनाया गया था।

दूसरी बार 1977 में जब जनसंघ और समाजवादी पार्टी का जनता पार्टी में विलय हो चुका था, तब समाजवादियों ने सत्येन्द्र नारायण सिन्हा को मुख्यमंत्री पद के लिए उम्मीदवार बनाया था, दोनों में मुकाबला हुआ था, जिसमें जन संघियों के वोट से कर्पूरी ठाकुर नेता चुने गए थे। जो लालू यादव खुद को कर्पूरी ठाकुर का राजनीतिक वारिस बताते हैं, उन्होंने कर्पूरी ठाकुर के मुंगेरी लाल कमीशन की सिफारिशों पर आधारित आरक्षण फार्मूले का विरोध किया था, क्योंकि उस फार्मूले में यादव क्रीमी लेयर में शामिल किए गए थे। लालू यादव उन्हें कपटी कर्पूरी कहा करते थे। कर्पूरी ठाकुर ने उनके जवाब में पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि वह यादव होते तो उनका विरोध नहीं होता। चौधरी चरण सिंह के भाजपा के साथ हमेशा खट्टे मीठे संबंध रहे। 1967 में वह कांग्रेस छोड़कर जनसंघ के समर्थन से पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। 1979 में चौधरी चरण सिंह और पूर्व समाजवादियों ने पूर्व जन संघियों पर दोहरी सदस्यता के नाम पर मोरारजी देसाई की सरकार गिरा दी थी तो चरण सिंह जनता पार्टी सेक्यूलर बनाकर कांग्रेस के समर्थन से प्रधानमंत्री बन गए थे।

लेकिन कांग्रेस ने छह महीने से पहले ही उन पर शर्त लगा दी कि वह आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी और संजय गांधी पर दायर मुकद्दमे वापस लें। चरण सिंह ने यह शर्त मानने की बजाए प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। घड़ी की सुई लौट कर आई जब 1980 में पूर्व जनसंघियों ने भारतीय जनता पार्टी के रूप में नई पार्टी बना ली थी और चौधरी चरण सिंह ने भी अपनी लोकदल बना ली थी। चरण सिंह ने एक बार फिर अटल बिहारी वाजपेयी को दोनों पार्टियों के विलय का प्रस्ताव दिया था, लेकिन चोट खाई भाजपा ने विलय से इनकार कर दिया था। आखिर 1983 में दोनों पार्टियों में फिर से गठबंधन हुआ। गठबंधन के बाद चौधरी चरण सिंह लोकसभा में और लाल किशन आडवाणी राज्यसभा में गठबंधन के नेता बने थे। चौधरी चरण सिंह और बाद में उनके बेटे अजीत सिंह के साथ भाजपा का गठबंधन टूटता बनता रहा। अजीत सिंह वाजपेयी सरकार में कृषि मंत्री भी रहे। पश्चिम उत्तर प्रदेश की जाट बेल्ट में चरण सिंह के परिवार का काफी दबदबा रहा है, लेकिन 2013 के जाट-मुस्लिम दंगों के बाद जाट बड़ी तादाद में अजीत सिंह का साथ छोड़कर भाजपा के साथ जुड़ गए। इस कारण जाटलैंड में चरण सिंह के पोते जयंत चौधरी का वह दबदबा नहीं रहा। 2019 के लोकसभा चुनावों में अजीत सिंह के रालोद को एक भी सीट नहीं मिली, खुद चौधरी अजीत सिंह और उनका बेटा जयंत चौधरी भी हार गए। लेकिन रालोद, सपा, बसपा गठबंधन के कारण भाजपा को भी नुक्सान हुआ, वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सात सीटें हार गई थी। अपने पिता अजीत सिंह के देहांत के बाद जयंत चौधरी लगातार सपा के साथ गठबंधन में थे, लेकिन उन्हें इसका कोई राजनीतिक फायदा नहीं हो रहा था। क्योंकि जाट वोटों पर उनका पूरा कंट्रोल नहीं रह गया। आखिर उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन का फैसला किया है, जिससे जाट वोट एकसाथ आएँगे और भाजपा 2019 में हारी सातों सीटें गठबंधन के साथ जीतने की स्थिति में आ जाएगी। जिस तरह 2019 में नीतीश कुमार और राम विलास पासवान के साथ गठबंधन में एनडीए ने 40 में 39 सीटों पर कब्जा कर लिया था, ठीक वैसे ही जयंत चौधरी, अनुप्रिया पटेल, ओम प्रकाश राजभर और संजय निषाद के साथ गठबंधन से यूपी में भी वैसी ही स्थिति बन रही है।

सफल कूटनीति है कतर से पूर्व भारतीय नौसैनिकों की रिहाई

आरके सिन्हा

कतर की जेल में बंद भारतीय नौसैनिकों की 18 महीने बाद जेल से रिहाई की सोमवार को जैसे ही खबर आई तो सारा देश ही झूम उठा। कुछ समय पहले इन

अधिकारियों की मौत की सजा को अलग-अलग अवधि की जेल की सजा में बदल दिया गया था। तब देश को कम से कम यह संतोष तो था कि चलो हमारे नागरिकों की जान तो बच गई, पर देश यह भी प्रार्थना कर रहा था कि कतर की जेल में बंद भारतीय नागरिक रिहा होकर सकुशल देश वापस आ जाएं। बेशक, इसे पीएम नरेंद्र मोदी सरकार की विदेश नीति की बड़ी सफलता ही माना जाएगा कि कतर से फांसी की सजा घोषित हुए नागरिकों की आज रिहाई हो गई। वे सभी सकुशल और सम्मानजनक तरीके से भारत की धरती पर वापस लौट आए। इस तरह से भारत की कुशल विदेश नीति को सारे संसार ने देखा और दांतों तले उंगलियां दबाकर आश्चर्य से देखते ही रह गए। अमूमन अरब देशों के शेख सामान्य तौर पर जासूसी के आरोप में सजा प्राप्त लोगों की सजा माफ नहीं करते। भारत के अरब देशों के साथ संबंध लगातार सुधर रहे हैं। उसी के सार्थक परिणाम को भारतीय नौसैनिकों की रिहाई और घर वापसी के रूप में देखा जाना चाहिए। दरअसल, कतर के दोहा के अल दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज के साथ काम करने वाले भारतीय नौसेना के इन पूर्व जवानों को पिछले साल 28 दिसंबर को कतर की अपील अदालत ने राहत दी थी। अदालत ने तब अक्तूबर 2023 में इन्हें दी मौत की सजा को कम करते हुए 3 साल से लेकर 25 साल तक की अलग-अलग अवधि के लिए जेल की सजा सुनाई थी। कतर की जेल में बंद भारतीयों की रिहाई से साफ है कि जहां पर भी भारतवंशी या भारतीय संकट में होते हैं तो भारत सरकार हाथ पर हाथ धर कर नहीं बैठती। रूस-यूक्रेन जंग के कारण हजारों भारतीय मेडिकल स्टूडेंट यूक्रेन में फंस गए थे। उन्हें भारत सरकार सुरक्षित स्वेदश लेकर आई। पिछले साल अफ्रीकी देश सूडान में सेना और अर्धसैनिक बल के बीच चल रहे भीषण गृहयुद्ध के चलते वहां हालात बद से बदतर हो गए थे। ऐसे में वहां फंसे हजारों भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाने को लेकर सारा देश चिंतित था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूडान में फंसे भारतीयों की जल्द से जल्द निकासी के लिए विदेश मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दिए और कुछ ही हफ्तों में वहां से सारे के सारे भारतीय सुरक्षित वापस स्वदेश आ गए। अफगानिस्तान में गृह युद्ध के दिनों को याद कर लें. काबुल में जिस तरह के हालात बन गए थे। उसमें सारे भारतीयों को लेकर आना कोई छोटी बात नहीं थी।

ध्वनि उत्पत्ति दिवस बसंत पंचमी

विजय मिश्रा अमित

प्रतिवर्ष माघ महीने के शुक्ल पक्ष के पांचवी तिथि को नव जागृति पर्व बसंत पंचमी के नाम से मनाने की प्राचीन परंपरा है। ऋतुओं में सर्वश्रेष्ठ बसंत ऋतु के दौरान पशु-पक्षी, पेड़-पौधे सहित समस्त सृष्टि में उमंग-उत्साह-उल्लास की ध्वनि गुंजित होती है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में बसंत ऋतु को ऋतुओं में सर्वश्रेष्ठ और स्वयं को बसंत कहा है।

पौराणिक कथानुसार बसंत पंचमी के दिन ही सृष्टि में ध्वनि की उत्पत्ति हुई थी। सृष्टि के जनक ब्रह्मा जी ने कीट -पतंगे से लेकर विशालकाय जीव जंतुओं और नन्हें नन्हें पौधों से लेकर बृहदाकार पौधों की रचना की थी। सुंदर सृष्टि की संरचना उपरांत ब्रह्मा जी को बोध हुआ कि सृष्टि में सन्नाटा है। पूरी सृष्टि मौन है। कहीं कोई कलरव,कोलाहल नहीं है। जिससे चहूंओर उल्लास के बजाय उदासी छाई हुई है।ऐसी मनहूसियत को दूर करने और समूचे वातावरण में उमंग जागने के लिए ब्रह्मा जी ने अपने कमंडल से जल लेकर वायुमंडल में छिड़क दिया था। जिससे चार भुजाओं वाली मनोहरी देवी सरस्वती अवतरित हुई थीं। उनके हाथों में पुस्तक,माला,वीणा सुशोभित हो रहे थी।

ब्रह्मा जी ने सृष्टि में नाद, ध्वनि की उत्पत्ति करने का आग्रह नव अवतरित वीणा धारी देवी से किया।तब देवी ने वीणा वादन कर वीणा के मधुर नाद से सृष्टि में कोलाहल, कल -कल, सरसराहट, कलरव

की उत्पत्ति की। सजीव निर्जीव समस्त चीजों में स्वर-नाथ-वाणी की उत्पत्ति करने वाली देवी का नाम वाग्देवी रखा गया।

बसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती का जन्म हुआ अत: इस दिवस को बागेश्वरी जयंती, मदनोत्सव, ऋषि पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। बसंत पंचमी को अवतरित श्वेत वस्त्र धारी सरस्वती देवी श्वेत सुंदर हंस पक्षी पर विराजमान होती हैं। पीले श्वेत पुष्प, नैवेद्य,वस्त्र और वीणा सहित अन्य संगीत वाद्य यंत्र देवी को प्रिय हैं।

धार्मिकता की दृष्टि से ही नहीं अपितु इतिहास, साहित्य जगत में भी बसंत पंचमी का दिवस अत्यंत महत्वपूर्ण दिवस है। पौराणिक कथानुसार प्रभु श्री राम ने भीलनी शबरी के घर पहुंच कर इसी दिवस पर ममता भरे झूठे बेर खाए थे। महापराक्रमी राजा भोज की जयंती दिवस भी यही है। इतिहास में यह दिवस को विशेष ख्याति प्राप्त है, चूंकि इसी दिवस पर शूरवीर महाराज पृथ्वीराज चौहान ने शब्द भेदी बाण चलाकर क्रूर बादशाह मोहम्मद गौरी को मारा था।

हिंदी साहित्य जगत के अमरविभूति महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जन्म बसंत पंचमी के दिन ही हुआ था। निराला जी ने वर दे वीणा वादिनी वर दे जैसे कालजई सरस्वती वंदना की रचना की थी ।वे खुले दिल से धन वस्त्र निर्धनों को दान दिया करते थे। इसलिए निराला जी को महामानव महाप्राण भी कहते हैं।महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का शुभारंभ बसंत पंचमी के दिन ही किया था।

वर्ष के बारह माह में से बसंत पंचमी की तिथि को अतिव पवित्र दिवस का दर्जा प्राप्त है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस दिवस पर मूत्वा मुहूर्त होता है। ऐसे अबूझ मुहूर्त में विवाह,गृह प्रवेश, वाहन क्रय, कान नाक छेदन, शिक्षारंभ, अन्नप्राशन जैसे मांगलिक कार्यों का निष्पादन किसी समय शुभ मुहूर्त देखे बिना किया जा सकता है अर्थात इस दिवस का हर पल शुभ होता है। निर्धन छात्र-छात्राओं को पाठ्य सामग्री दान देने की प्रथा भी इस दिवस पर है।

बसंत पंचमी के दिन पीले वस्त्र धारण कर पीले खाद्य पदार्थों का सेवन करते हुए मां सरस्वती के भक्त अपने वाद्य यंत्रों,कलम, किताबों की पूजा अर्चना करते हैं। बेजान वस्तुओं यथा मिट्टी, चमड़े,धातु, लकड़ी से निर्मित वाद्ययंत्रों में मनमोहक, कर्णप्रिय तालों की उत्पत्ति विद्या देवी के गुणों का ही प्रताप है।

बसंत ऋतु में सरसों,सूरजमुखी, गेंदा, सनई, अरहर के पौधों में पीले फूल खिलते उठते हैं।गेहूं, चना और जौ के पकते हुए दाने भरे फल की महक प्रकृति में गमक उठाती है। पलाश, सेमल, आम के पौधे में खिले पुष्पों पर मधुमक्खियां,तितली,भंवरे गुनगुनाते हुए फूलों के मकरंद का रस पान करते हैं। पेड़ पौधे भी पुराने पीले हो चले पत्तों को त्याग कर के नए सुकोमल पत्तियों से नयनाभिराम सिंगार करते हैं। जिसे देखकर कोयल कुकती है। मोर नाच उठता है जोकि जनाकर्षण का केंद्र बन जाते हैं।

रंगों का पर्व होली के आगमन का सूचक हाकर बसंत पंचमी को ही माना जाता है। इस दिवस पर होलिका दहन स्थल चयनित करके गांव -शहरों में उस स्थल की सफाई उपरांत अरंडी के पेड़ की डगाल को वहां गाड़ा जाता है। लकड़ी कंडे को एकत्रित करते हुए इस कार्य में मगन लोग नगाड़े की धुन के साथ फाग गाने की शुरुआत करते हैं।

वैदिक ग्रंथों और महा ऋषियों के अनुसार विद्या के बिना इंसान का जीवन व्यर्थ होता है,अत: विद्या की देवी सरस्वती की जयंती पर निरक्षरों को अक्षर दान करें। विद्या दान का संकल्प लेते हुए स्मरण करें कविश्री की इन पंक्तियों को -- कुछ लिखकर सो कुछ पढ़ कर सो, जागा जिस जगह उससे आगे बढ़कर सो।

मोदी ने भाजपा के लिए फिक्स किया 370 वाला टारगेट

अंकित सिंह

लोकसभा में अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर जबरदस्त तरीके से हमला किया। इसके साथ ही उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि हमारी सरकार एक बार फिर से तीसरे टर्म के लिए आने वाली है। मोदी ने आगामी चुनावी नतीजे को लेकर एक टारगेट भी फिक्स कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस चुनाव में हम 370 सीटें जीतने जा रहे हैं जबकि हमारा एनडीए खेमा 400 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करेगा। प्रधानमंत्री के इस टारकेट को कश्मीर से भी जोड़ कर देखा जा रहा है। दरअसल 5 साल पहले जब मोदी सरकार 2019 में बंपर चुनाव जीत कराई थी, तब जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करके अपना सबसे पुराना वादा पूरा किया था। हालांकि 370 वाला टारगेट का जिक्र करके प्रधानमंत्री ने यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि हमने जो कहा था, वह करके दिखाया है। हमने कश्मीर से 370 हटाया है।

मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव के बाद तीसरी बार उनकी सरकार बनने का विश्वास जताते हुए कहा कि देश के मिजाज को देखकर लगता है कि आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 370 सीटें और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 400 से अधिक सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार का तीसरा कार्यकाल भी बहुत दूर नहीं है। ज्यादा से ज्यादा सौ-सवा सौ दिन रह गए हैं। मैं आमतौर पर आंकड़ों के चक्कर में नहीं पड़ता। लेकिन मैं देश का मिजाज देख रहा हूं। वह राजग को 400 सीटें पार कराके रहेगा। देश भाजपा को 370 सीटें अवश्य देगा।'' इस दौरान प्रधानमंत्री ने जब बोला 'अबकी बार' तो भाजपा के सदस्य 'चार सौ पार' का नारा लगाते हुए सुने गए।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता बिनॉय विश्वम ने कहा, प्रधानमंत्री की यह अतिशयोक्तिपूर्ण बयानबाजी ही दिखाती है कि वह जीत को लेकर आश्वस्त नहीं हैं, वह चुनाव से डरते हैं। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने मोदी पर कटाक्ष करते हुए पूछा कि अगर उनकी पार्टी चुनाव में 370 का आंकड़ा हासिल करने से चूक गई, तो क्या वह शपथ नहीं लेंगे। उन्होंने कहा, अगर वे 370 का आंकड़ा नहीं छूते, तो क्या मोदी शपथ नहीं लेंगे? उन्हें पहले जवाब देना चाहिए। भाजपा का इस तरह का सपना हमेशा विफल रहा है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि चुनाव होने से पहले मोदी जी को कैसे पता चल रहा है कि 370 आ जाएगा। वह यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने 370 धारा को हटाया इसलिए 370 सीटें मिलेगी। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर इस तरह के दावे के साथ कोई बात कही जा रही तो जाहिर सी बात है कि अंदर में कोई राज छुपा है। वही राज ईवीएम में भी छुपाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पहले तो हमारे समक्ष असमंजस की स्थिति थी लेकिन अब ऐसा लगता है कि ईवीएम में भी मोदी जी का कोई हाथ चलेगा।

भाजपा ने 2019 में 303 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, उसके सहयोगी दलों ने 50 सीटों पर अपना कब्जा जमाया था। इसलिए अगर भाजपा को 370 सीटों पर जीत हासिल करनी है तो उसे 67 और सीटों की आवश्यकता है। भाजपा ने 2019 में 436 सीटों पर चुनाव लड़कर 303 पर जीत हासिल की थी। 133 पर उसे हार का सामना करना पड़ा था। यही कारण है कि भाजपा उन सीटों पर पूरी तरीके से फोकस कर रही है जहां उसे 2019 में हार का सामना करना पड़ा था। इसमें भाजपा दक्षिण भारत की सीटों पर अपनी तैयारी कर रही है। भाजपा को आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, कर्नाटक और केरल तथा तमिलनाडु से कुछ ज्यादा ही उम्मीद है। इसके लिए भाजपा ने दिग्गजों को चुनावी प्रचार में उतार दिया है। फिलहाल में देखें तो भाजपा के पास 173 सेट ऐसी है जहां वह कम से कम दो बार से जीत हासिल करती हुई आ रही है। 76 सीटे ऐसी है जहां भाजपा ने पिछले तीन में से सिर्फ एक में जीत हासिल की है।

राम मंदिर के उद्घाटन के साथ ही भाजपा इस बात को लेकर उत्साहित होती दिखाई दे रही है कि कहीं ना कहीं इससे पार्टी को फायदा होगा। राम मंदिर का बार-बार जिक्र कर भाजपा अपने पक्ष में माहौल बनाने की प्रयास भी कर रही है। वहीं, हाल में ही राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा को बंपर जीत मिली जिससे उसका हौसला बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार दक्षिण भारत जा रहे हैं। वह मंदिरों का भी दौरा कर रहे हैं। ऐसे में दक्षिण भारत को लेकर भी भाजपा को कुछ उम्मीदें हैं। भाजपा पहले की तुलना में इस बार ज्यादा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। इसके अलावा पार्टी लाभार्थियों को भी टारगेट करने की कोशिश में है। लाभार्थी वे लोग हैं जिन्हें केंद्र की योजनाओं का लगातार लाभ मिल रहा है।

सेना के हाथों की कठपुतली होगी पाकिस्तान की नई सरकार

रंजीत कुमार

पाकिस्तान में फौज को लेकर एक कहावत है- जंग कड्डी जित्ती नई, इलेक्शन कड्डी हारेया नई। 2024 नैशनल असेंबली चुनाव के नतीजों के बाद इमरान खान और नवाज शरीफ के दावों-प्रतिदावों के बीच पाकिस्तानी सेना यह तय करेगी कि ये नतीजे आखिरकार उसके अनुकूल ढल जाएं। सेना की चाहत- सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने यूनिटी सरकार बनाने की अपील कर इसका संकेत भी दे दिया है। हालांकि सेना की सारी तिकड़मों के बावजूद नवाज शरीफ की पार्टी को बहुमत नहीं मिला, लेकिन पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के लिए यह सुकून देने वाला नतीजा इसलिए होगा कि नवाज शरीफ यदि भारी बहुमत से जीत कर सरकार बनाते तो अपनी पुरानी आदत के मुताबिक वह जनरल मुनीर की सैन्य सत्ता को ही सबसे पहले चुनौती देते। सरकार का न्योता- नवाज शरीफ ने इमरान की पीटीआई को छोड़कर अन्य दलों के साथ पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट के गठन का ऐलान किया है, इसलिए सबसे बड़े गठबंधन के नेता के तौर पर उन्हें सरकार बनाने का निमंत्रण मिलने की उम्मीद है। नवाज शरीफ इस्लामाबाद में सहयोगी पार्टियों की दया पर ही सत्ता में टिके रह सकते हैं। इसलिए जनरल मुनीर के लिए नवाज को अपनी उंगलियों पर नचाने में आसानी होगी और वह कभी भी सेना प्रमुख को नीचा दिखाने की कोशिश नहीं करेंगे। हिमाकत की सजा- 1999 और 2018 में नवाज शरीफ ने सेना प्रमुखों को उनकी औकात बताने की हिमाकत की थी। इसलिए उन्हें सत्ता से हाथ धोना पड़ा था। नवाज फिर चुनाव न जीत जाएं, इसी डर से 2018 के चुनाव में सेना ने इमरान खान के सिर पर हाथ रखा था। लेकिन इमरान भी सेना को नजरअंदाज कर मनमानी करने लगे। तब उन्हें भी प्रधानमंत्री का कार्यकाल समाप्त होने के एक साल पहले ही पद छोड़ना पड़ा। 2018 में नवाज शरीफ को उसी तरह जेल जाना पड़ा था जिस तरह आज इमरान खान जेल में कैद हैं। अब नवाज शरीफ को चौथी बार प्रधानमंत्री बनने का मौका देकर जनरल मुनीर ने उन पर भारी अहसान किया है। इमरान की लोकप्रियता- नवाज शरीफ की पीएमएल-एन पार्टी को चुनाव जिताने के लिए इमरान खान की पाकिस्तान तहरीके इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को चुनावी दंगल से बाहर रखने के सभी हथकंडे अपनाए, लेकिन जेल में रह कर भी इमरान खान लोकप्रियता की बदौलत सेना के लिए चुनौती बने रहे। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के जरिए तैयार करवाए गए अपने भाषणों से वह जनता, खासकर युवा मतदाताओं का मन मोहने में कामयाब रहे। किसी को बहुमत नहीं- फिर भी पाक के संसदीय चुनावों में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। नवाज शरीफ की पार्टी को सबसे बड़ी पार्टी इसलिए बताया जा रहा है कि 266 सीटों के लिए हुए चुनावों में उसे 73 सीटें मिलीं, जो अन्य पार्टियों से ज्यादा है। हालांकि इमरान खान समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार 101 सीटों पर विजयी रहे। लेकिन चूंकि इन्हें एक पार्टी के तौर पर असेंबली में मान्यता नहीं मिलेगी, इसलिए उनकी पार्टी को सरकार बनाने का निमंत्रण नहीं दिया जा सकता। धुर विरोधी से समझौता- सरकार बनाने के लिए नवाज शरीफ को 133 सीटें चाहिए, जो उन्हें पीपीपी (54 सीटें) के अलावा कुछ छोटी पार्टियों (जैसे 17 सीटों वाली एमक्यूएम) या कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों के सहयोग से मिल सकती हैं।

राम मंदिर के तर्ज पर बनेगा छत्तीसगढ़ का कौशल्या मंदिर

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में जिस तरह से राम मंदिर का भव्य निर्माण हुआ है। ठीक उसी तरह से छत्तीसगढ़ में 32 करोड़ रुपए की लागत से कौशल्या मंदिर का रेनोवेशन किया जाना है। इस मंदिर का एक हिस्सा अयोध्या के राम मंदिर जैसा होगा। वहीं केरल के भगवान श्रीहरि विष्णु के 5 हजार साल पुराने थिरुनेली मंदिर का कायाकल्प हो रहा है। बता दें कि यह मंदिर केरल-कर्नाटक सीमा पर ब्रह्मगिरि पहाड़ियों में स्थित है। इसको दक्षिण का काशी भी कहा जाता है।

थिरुनेली मंदिर के रेनोवेशन पर करीब 10 करोड़ रुपए खर्च होने की संभावना है। आपको बता दें कि कर्नाटक में 200 ऐतिहासिक स्मारकों और मंदिरों के रेनोवेशन किए जाने के लिए 20 साल से प्रोजेक्ट चल रहा है। इस रेनोवेशन के प्रोजेक्ट में 35.37 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। इसके अलावा देश के 10 राज्यों में कई बड़े मंदिरों-तीर्थों के निर्माण कार्य और रेनोवेशन के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इसमें करीब 17 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाने हैं।

कामाख्या देवी मंदिर परिसर

वाराणसी के काशी-विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर की तर्ज पर असम में स्थित कामाख्या देवी मंदिर परिसर में भी कॉरिडोर बनाए जाने की चर्चा की जा रही है। बटाद्रवा प्रोजेक्ट के लिए नौगांव में बजट तय हो चुका है। वहीं केंद्र सरकार के इस प्रोजेक्ट प्लान को असम दर्शन के तहत तैयार किया गया है।

अयोध्या के बाद अब प्रयागराज में भी धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी शुरू हो चुकी है। बता दें कि अगले साल महाकुंभ से पहले प्रयागराज के कई मंदिरों का जीर्णोद्धार किया जाना है।

इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश सरकार बिलासपुर में डूबे मंदिरो को पानी से बाहर निकालने की तैयारी में जुटी है। वहीं भाजपा प्रेजिडेंट जेपी नड्डा का बिलासपुर गृहनगर भी है। बिलासपुर में हेरिटेज और धार्मिक टूरिज्म को प्रोमट करने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

वहीं ओडिशा सरकार पुरी में 800 साल पुराने जगन्नाथ

मंदिर के साथ ही राज्य के सभी मंदिरों का कायाकल्प कर रही है। ओडिशा के हर गांव में जगन्नाथ संस्कृति के संरक्षण का काम किया जाएगा। ओडिशा की ऐतिहासिकता और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और आर्किटेक्चर का डेपलपमेंट भी किए जाने का प्लान है।

साल 2023 में राजस्थान चुनाव से पहले गहलोत सरकार ने राज्य के दो मंदिरों का कायाकल्प किए जाने की घोषणा की थी। बता दें कि डूंगरपुर और जयपुर के इन मंदिरों का ऐतिहासिक महत्व है।

भारत राष्ट्र समिति की देखरेख में तेलंगाना राज्य के नरसिम्हा स्वामी मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया। यह मंदिर भगवान विष्णु के नृसिंह अवतार को समर्पित है। इस मंदिर में गंडभेरुंड नरसिम्हा, योगानंद नरसिम्हा, ज्वाला नरसिम्हा, उग्र नरसिम्हा और लक्ष्मी नरसिम्हा के दर्शन होते हैं। बिहार में निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर कंबोडिया के 800 साल पुराने अंगकोरवाट मंदिर की तरह होगा। विराट रामायण मंदिर की वास्तुकला अंगकोर वाट मंदिर, मदुरै के मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर और रामेश्वरम के रामनाथस्वामी मंदिर से प्रेरित है। महावीर मंदिर मंदिर ट्रस्ट यहां पर दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग होगा। पश्चिम बंगाल में प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार के साथ नए मंदिरों का निर्माण कार्य चल रहा है। राज्य की ममता सरकार ने कोलकाता के हुगली के किनारे स्थित दक्षिणेश्वर मंदिर, तारापीठ मंदिर, सागर द्वीप के कपिल मुनि मंदिर और क ंक लीतला मंदिर समेत 150 से ज्यादा मंदिरों के लिए बजट आवंटित किया है।

बता दें कि अमरनाथ यात्रा बेहद कठिन मानी जाती है। इस मंदिर तक आप दो रास्ते से पहुंच सकते हैं, जिनमें पहला रास्ता पहलगाम होते हुए और दूसरा रास्ता बालटाल से होते हुए है। लेकिन सबसे पुराना और ऐतिहासिक रूट पहलगाम माना जाता है। पहलगाम से अमरनाथ की पवित्र गुफा की दूरी 48 किमी है। इस रूट से गुफा तक पहुंचने में 3 दिन का समय लगता है। जबकि बालटाल रूट 14 किमी ही है। हांलाकि भले ही यह रास्ता छोटा है, लेकिन यह काफी मुश्किल रास्ता है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में महाभारत हुई भी। अब इस जगह को भी आध्यात्मिक केंद्र के तौर पर विकसित किया जा रहा है। बता दें कि यहां पर हर साल अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जाता है। वहीं अब सरकार की तरफ से कुरुक्षेत्र में कई बड़ी योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

अभिवादन के समय क्यों दो बार लिया जाता है राम-राम का नाम, जानिए इसका धार्मिक महत्व

हिंदू संस्कृति और सभ्यता के मुताबिक किसी व्यक्ति से मिलने के दौरान या तो हाथ जोड़कर नमस्कार किया जाता है। या भगवान का नाम लेकर अभिवादन किया जाता है। आपने भी सुना होगा कि जब लोग एक-दूसरे से मिलते हैं तो अभिवादन करते हुए राम-राम बोलते हैं। आपको बता दें कि अभिवादन का यह तरीका काफी ज्यादा पुराना है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जब अभिवादन के दौरान राम-राम दो बार क्यों बोला जाता है।

वहीं जब किसी अन्य भगवान का नाम लेकर अभिवादन करते हैं, तो उच्चारण में दो बार नाम क्यों लिया जाता है। अगर आपका जवाब नहीं है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि अभिवादन में दो बार नाम का उच्चारण करने के धार्मिक व ज्योतिष महत्व के बारे में।

अंक ज्योतिष की गणना

आपको बता दें कि दो बार राम नाम बोले जाने के पीछे असल में अंक ज्योतिष की गूढ़ गणना है। हिंदी शब्दावली के मुताबिक भगवान राम शब्द का पहला अक्षर यानी की र 27वें नंबर पर आता है। वहीं इस शब्द का दूसरा अक्षर आ मात्रा के रूप में र के साथ लगता है। यह दूसरे स्थान पर और म 25वें स्थान पर आता है।

ऐसे में जब आप इन दोनों शब्दों के नंबरों को जोड़ते हैं, जैसे- र (27)+आ (2)+म (25)= राम (54)। ऐसे में एक बार राम का नाम लेने से 54 अंक का योग पूरा होता है। तो वहीं जब आप दो बार राम-राम बोलते हैं, तो 108 अंक होते हैं। अगर आप सरल शब्दों में कहा जाए, तो जब अभिवादन में दो बार राम-राम बोला जाता है। तो इसकी अंक संख्या 108 हो जाती है। वहीं 108 मानकों की एक माला पर राम नाम के जाप के बराबर माना जाता है।

जानिए कौन हैं देवी सरस्वती? वसंत पंचमी के दिन क्यों की जाती है इनकी पूजा

शरद ऋतु की विदाई के साथ माघ शुक्ल पंचमी जहां एक ओर ऋतुराज वसंत के आगमन का सूचक है, वहीं दूसरी ओर संगीत व विद्या की देवी वीणा वादिनी मां सरस्वती के अवतरण का दिन भी है। वसंत पंचमी को सभी शुभ कार्यों के लिए अत्यंत शुभ मुहूर्त माना गया है। मुख्यत: विद्यारंभ, नवीन विद्या प्राप्ति एवं गृह-प्रवेश के लिए वसंत पंचमी को पुराणों में भी अत्यंत श्रेयकर माना गया है। वसंत ऋतु आते ही प्रकृति का कण-कण खिल उठता है, पेड़-पौधों और प्राणियों में नवजीवन का संचार होता है। प्रकृति नख से शिख तक सजी-धजी नज़र आती है। वसंत मानव हृदय में कोमल प्रवृत्तियों को जगाकर मन में नवजीवन, नवउत्साह, मस्ती, उमंग एवं आनंद प्रदान कर समस्त सृष्टि को नवयौवन की अनुभूति कराता है। यह प्रकृति का उत्सव है। वसंत पंचमी के दिन ही कामदेव और रति ने पहली बार मानव हृदय में प्रेम और आकर्षण का संचार किया था। इस दिन कामदेव और रति के पूजन का उद्देश्य दांपत्य जीवन को सुखमय बनाना है, जबकि सरस्वती पूजन का उद्देश्य जीवन में अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करके ज्ञान का प्रकाश उत्पन्न करना है।

देवी सरस्वती के अवतरण की कथा

सृष्टि के प्रारंभिक काल में भगवान विष्णु की आज्ञा से ब्रह्मा जी ने जीवों खासतौर पर मनुष्य योनि की रचना की। अपनी सर्जना से वे संतुष्ट नहीं थे, उन्हें लगा कि कुछ कमी रह गई है जिसके कारण चारों ओर मौन छाया हुआ है। भगवान विष्णु से अनुमति लेकर ब्रह्मा जी ने अपने कमंडल से जल छिड़का, पृथ्वी पर जलकण बिखरते ही उसमें कम्पंन होने लगा। इसके बाद एक चतुर्भुजी स्त्री के रूप में अदभुत शक्ति का प्राकट्य हुआ, जिसके एक हाथ में वीणा तथा दूसरा हाथ वर मुद्रा में था। अन्य दोनों हाथों में पुस्तक एवं माला थीं। ब्रह्मा जी ने देवी से वीणा बजाने का अनुरोध किया। जैसे ही देवी ने वीणा का मधुर नाद किया , संसार के समस्त जीव-जंतुओं को वाणी प्राप्त हो गई। जलधारा में कोलाहल व्याप्त हो गया व पवन चलने से सरसराहट होने लगी। तब ब्रह्माजी ने उस देवी को वाणी की देवी सरस्वती कहा।

सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणा वादिनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। ये विद्या और बुद्धि की प्रदाता हैं, संगीत की उत्पत्ति करने के कारण ये संगीत की देवी कहलाती हैं।

इसलिए की जाती है पूजा

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार वसंत पंचमी के दिन श्री कृष्ण ने मां सरस्वती को वरदान दिया - सुंदरी! प्रत्येक ब्रह्मांड में माघ शुक्ल पंचमी के दिन विद्या आरम्भ के शुभ अवसर पर बड़े गौरव के साथ तुम्हारी विशाल पूजा होगी। मेरे वर के प्रभाव से आज से लेकर प्रलयपर्यन्त प्रत्येक कल्प में मनुष्य, मनुगण, देवता, मोक्षकामी, वसु, योगी, सिद्ध, नाग, गन्धर्व और राक्षस सभी बड़ी भक्ति के साथ तुम्हारी पूजा करेंगे। पूजा के पवित्र अवसर पर विद्वान पुरुषों के द्वारा तुम्हारा सम्यक् प्रकार से स्तुति-पाठ होगा। वे कलश अथवा पुस्तक में तुम्हें आवाहित करेंगे। इस प्रकार कहकर सर्वपूजित भगवान श्री कृष्ण ने सर्वप्रथम देवी सरस्वती की पूजा की, तत्पश्चात ब्रह्मा, विष्णु, शिव और इंद्र आदि देवताओं ने भगवती सरस्वती की आराधना की। तबसे मां सरस्वती सम्पूर्ण प्राणियों द्वारा सदा पूजित होने लगीं।

वसंत पंचमी के दिन घर ले आएं ये चीजें

इस साल 14 फरवरी को वसंत पंचमी का पर्व मनाया जा रहा है। हिंदू धर्म में इस पर्व का बहुत ज्यादा महत्व है। यह पर्व देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन से ही मौसम सुहाना हो जाता है और पेड़-पौधों में नए फूल आने लगते हैं। वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा करने का विधान है। ऐसा माना जाता है कि वसंत पंचमी के दिन ही विद्या और ज्ञान की देवी मां सरस्वती का जन्म हुआ था। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत के लिए वसंत पंचमी के त्योहार को बहुत ही शुभ माना जाता है। साथ ही इस दिन कुछ खास चीजों की खरीदारी बहुत अच्छी मानी जाती है। वसंत पंचमी का पर्व मां सरस्वती को समर्पित है। ऐसे में इस दिन सरस्वती जी की प्रतिमा या चित्र खरीदकर घर ले आएं और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करें। मान्यता है कि ऐसा करने से व्यक्ति की एकाग्रता बढ़ती है। मां सरस्वती संगीत की देवी कही जाती हैं। ऐसे में संगीत में रुचि रखने वाले लोगों को वसंत पंचमी के दिन बासुरी या फिर कोई वाद्य यंत्र घर लाना चाहिए। ऐसा करने से मां मां सरस्वती प्रसन्न होंगी। वसंत पंचमी के दिन कामदेव और उनकी पत्नी रति की भी पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन कामदेव और रति स्वर्ग से पृथ्वी पर आते हैं, इसलिए विवाह से जुड़ी खरीदारी के लिए ये दिन बहुत शुभ माना जाता है।

जरूरत पड़ने पर ही परमात्मा को क्यों याद किया जाता है?

गोस्वामी जी विगंत अंक में भी प्रभु के नाम की महिमा गा रहे हैं। ऐसा नहीं कि परमात्मा के पावन नाम का गुनगान चंद शब्दों में सिमट सकता है। ईश्वर के नाम की महिमा लिखने के लिए अगर सारे वनों को भी काट कर, उनकी कलमें बना ली जायें, सातों सागरों के जल की सयाही तैयार कर ली जाये, और संपूर्ण धरा को कागज़ के रुप में प्रयोग किया जाये, उसके बाद भी हम प्रभु के नाम की महिमा को व्यक्त करना चाहें, तो तब भी यह असंभव है।

क्या कोई सागर को अपने मुख में भर सकता है? या आकाश को अपनी मुट्ठी में कैद कर सकता है? नहीं न? बस ऐसे ही भगवान की महिमा को कोई भी कलम से बाँध नहीं सकता। लेकिन तब भी हर भक्त अपने-अपने सामर्थ अनुसार प्रभु नाम की महिमा गान करता है। कारण कि गंगा जी तो पूर्ण रुपेण मुक्ति प्रदायनी हैं ही। लेकिन हम पूरी गंगा जी को तो घर नहीं ला सकते। इसलिए हम बोतल अथवा अन्य पात्र में थोड़ा-सा गंगा जल लाकर ही, अपने घर में छिड़क कर, घर को पावन कर लेते हैं। ठीक ऐसे ही जब हम प्रभु के नाम का बखान अपनी जिह्वा से करते हैं, तो इससे हमारी जिह्वा भी पावन हो जाती है।

गोस्वामी जी कहते हैं, कि आप किसी भी युग में हों, के संबंध में हो, तो क्या आप तब भी यही सिद्धांत अपनायेंगे। अर्थात हो सकता है, कि आपको कभी खाना खाने की इच्छा ही न होती हो। कारण कि आपको भूख ही नहीं लगती है। ऐसे में क्या आपको प्रसन्न होने की आवश्यकता है, कि बढ़िया है, हमें तो भूख ही नहीं लगती। जिस कारण हमारे भोजन का खर्चा भी अपने आप बच रहा है। नि:संदेह आप प्रसन्न नहीं, अपितु चिंतित हो जायेंगे। आप वैद्य को दिखायेंगे। वैद्य भी कहेगा, कि आपको अगर भूख नहीं लग रही, तो इसका अर्थ है, कि आप बीमार हैं। आप स्वस्थ नहीं हैं। आपको उपचार की आवश्यकता है।

ठीक ऐसे ही, अगर हमें परमात्मा की भक्ति की भूख ही नहीं लगती, तो आपको इससे प्रसन्न होने की आवश्यकता नहीं है। और न ही हाथ पर हाथ रख कर बैठने से काम चलेगा। आप को जैसे शरीर के उपचार के लिए, वैद्य के पास जाना पड़ा। ठीक ऐसे ही आत्मा संबंधी रोगों के उपचार के लिए भी एक सशक्त, अनुभवी व महान वैद्य होते हैं। जिन्हें हम संत व सतगुरु के नाम से जानते हैं। संत आपको सतसंग व हरि कथा सुना कर आपके संस्कारों का पूर्नोत्थान करते हैं। कथा सुन कर आपको प्रभु की भूख लगने लगती है। आप प्रभु के नाम जप की ओर बढ़ने लगते हैं। परिणाम यह होता है, कि आप धीरे-धीरे शांत होने लगते हैं। आपका प्रभाव दिव्य होने लगता है। आपकी वाणी में सत्यता झलकने लगती है। लोगों पर आपकी कही बात का असर होने लगता है। लोग आप पर विश्वास करने लगते हैं।

ापको हर परिस्थिति में आनंद की अनुभूति रहती है। लोग क्या कहते हैं, आपको इससे अंतर नहीं पड़ता। आप सदा मुस्कुराते हैं। यही नाम का प्रभाव है।

लेकिन यहाँ एक प्रश्न और है, जो कि समाज में बहुत प्रचलित है। वह यह, कि हम तो माया में सने लोग हैं। हमें तो कोई नेम धर्म नहीं आता। हमसे तो प्रमात्मा के नाम बोले भी ढंग से नहीं जाते। ऐसे में अगर परमात्मा के नाम की अवमानना हो गई, तो हमें पाप तो नहीं लगेगा? घबराने की आवश्यक्ता नहीं। क्योंकि चारों युगों, तीनों कालों व तीनों लोकों में केवल परमात्मा का नाम ही कल्याण करता है-

'चहुँ जुग तीनि काल तिहुँ लोका।
भए नाम जपि जीव बिसोका।।'

लेकिन समाज में एक धारणा है, कि जब हमारा मन ही नहीं करता, कि हम नाम जप करें, तो हम नाम का स्मरण क्यों करें? हमें परमात्मा के नाम की भूख ही नहीं है। जब हमें ऐसी भूख लगेगी, तो हम भी प्रभु का नाम जप लेंगे।

सज्जनों! मान लीजिए, कि यही स्थिती अगर आपके शरीर

लोमश ऋषि को प्राप्त है दीर्घजीवी का वरदान

जब कल्पान्तर में एक ब्रह्मा का लय होता है, तब लोमश ऋषि के शरीर का एक रोम गिर जाता है। जिसके कारण इनके पूरे शरीर में लोम यानी की रोम ही रोम है। इस वजह से यह लोमश ऋषि के नाम से फेमस हैं। प्राचीन संहिता ग्रंथों में ज्योतिष के 18 प्रवर्तक के बारे में बताया गया है। इन 18 प्रवर्तकों में सर्वाधिक दीर्घजीवी लोमश ऋषि महर्षि हैं। बताया जाता है कि जब कल्पान्तर में एक ब्रह्मा का लय होता है, तब लोमश ऋषि के शरीर का एक रोम गिर जाता है। जिसके कारण इनके पूरे शरीर में लोम यानी की रोम ही रोम है। इस वजह से यह लोमश ऋषि के नाम से फेमस हैं। भगवान शिव द्वारा लोमश ऋषि को अत्यन्त दीर्घजीवी होने का वरदान प्राप्त है। बताया जाता है कि अपनी बाल्य अवस्था में ऋषि लोमश मृत्यु का नाम सुनकर डर जाते थे। इसलिए उन्होंने अनेक वर्षों तक कड़ी तपस्या कर भगवान शिव को प्रसन्न किया और उनसे अमरता का वरदान मांगा। जिस पर भगवान शिवजी ने कहा कि इस पृथ्वी पर सभी नश्वर हैं। जिनको एक न एक दिन मृत्यु को प्राप्त करना है और यही ईश्वर का विधान है। तब लोमश ऋषि ने भगवान शिव से वरदान मांगा कि उनके शरीर का एक रोंआ कल्प के अंत में टूटकर गिर जाए। वहीं जिस दिन उनके शरीर के सभी रोएं झड़ जाएं, तब वह भी मृत्यु को प्राप्त हों। इस तीनों लोक में लोमश ऋषि सबसे ज्यादा दीर्घायु हैं। भगवान शिव से इतनी बड़ी आयु पाकर लोमश ऋषि ने देवराज इंद्र और महाराज दशरथ को दिव्य ज्ञान दिया। जब महाराज दशरथ अपने नए महल की नींव को खुदवा रहे थे, तभी वहां से लोमश ऋषि गुजरे। इस दौरान लोमश ऋषि ने महाराज दशरथ से पूछा कि उनको इस मृत्युलोक में कितने दिन रहता है। यह सवाल सुन महाराज दशरथ मौन हो गए। लोमश ऋषि ने बताया कि चक्रवर्ती सम्राट, राजा-महाराजा, ऋषि -महर्षि और प्रतापी से प्रतापी योगी अपने योगबल से ज्यादा से ज्यादा हजार वर्ष तक जीवित रह सकता है। ऐसे में इतनी कम आयु होने पर नया महल बनवाने की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि उन्हें इतनी लंबी आयु का वरदान प्राप्त है। लेकिन इसके बाद भी उन्होंने आजतक अपने लिए एक झोपड़ी तक का निर्माण नहीं किया। क्योंकि यह जीवन नश्वर है और एक न एक दिन सभी को जाना है। तो झोपड़ी या महल बनवाने में इतना परिश्रम क्यों किया जाए। ब्रह्मवैर्तपुराण के अनुसार एक विशाल भवन बनाने के लिए देवताओं के राजा इंद्र ने देवशिल्पी विश्वकर्मा को नियुक्त किया।

देश-विदेश में करोड़ों परिवारों की आस्था के केंद्र हैं सत्गुरु बावा लाल दयाल

देश-विदेश में करोड़ों परिवारों की श्रद्धा और आस्था का केंद्र सत्गुरु बावा लाल दयाल का जन्म 1355 ई. में मोहम्मद तुगलक के शासनकाल दौरान माघ महीने के शुक्ल पक्ष की द्वितीय तिथि को लाहौर से 53 मील दूर कस्बे कसूर में पटवारी भोलामल के घर हुआ। बालक को आध्यात्मिक गुण अपनी माता कृष्णा देवी से प्राप्त हुए। बचपन में ही वह संतों-महात्माओं के संग में प्रसन्न रहते थे। बचपन में ही बावा लाल दयाल ने गुरमुखी, फारसी, संस्कृत इत्यादि भाषाओं का ज्ञान अर्जित कर लिया तथा वेद, उपनिषद् और रामायण इत्यादि ग्रंथ भी कंठस्थ कर लिए।

एक बार गऊएं चराते-चराते आपका मिलन महात्माओं की एक ऐसी टोली से हुआ, जिसके प्रमुख महात्मा अपने पैरों का चूल्हा बनाकर उस पर चावल बना रहे थे। बालक लाल ने जब यह दृश्य देखा तो महात्माओं के चरण स्पर्श किए, जिन्होंने चावलों के तीन दाने प्रसाद रूप में बालक लाल को दिए। यह प्रसाद ग्रहण करते ही मन में मोह-माया के तमाम बंधन छूट गए और परमात्मा की खोज में वह कैलाश पर्वत स्थित मानसरोवर के साथ-साथ बद्रीनाथ, केदारनाथ के दौरे पर निकल गए। इन क्षेत्रों में उन्हें अध्यात्म की प्राप्ति हुई और यहीं उन्होंने वर्षों तक तपस्या भी की और समाधि अवस्था में भी रहे।

कहते हैं कि बावा लाल दयाल ने अपनी योग शक्ति के बल पर 300 वर्ष का सुदीर्घ जीवन प्राप्त किया। माना जाता है कि हर 100 साल बाद आप योग शक्ति से बाल रूप धारण कर लेते थे। आपके तेज और विद्वता से प्रभावित होकर मुगल शासक शाहजहां का पुत्र दारा शिकोह भी आपका शिष्य बना।

सत्गुरु बावा लाल दयाल ने भारत के अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण किया और अफगानिस्तान तक अपने ज्ञान से लोगों का मार्गदर्शन किया। केदारनाथ धाम और हरिद्वार में लंबी तपस्या की।

1494 के आसपास आपने जिला गुरदासपुर के कलानौर कस्बे को अपना डेरा बना लिया और नदी के किनारे तपस्या करने लगे। यहीं आपने योगशक्ति के बल पर अपना कायाकल्प किया और विकृत तथा जीर्ण-शीर्ण काया से मुक्ति पाकर 16 वर्षीय बालक का रूप धारण कर लिया। यह दृश्य संत दादूदयाल के शिष्य ध्यानदास ने देख लिया और अत्यंत प्रभावित हुआ।

बावा लाल दयाल ने उसे अपना शिष्य बनाया और ध्यानदास को कुटिया के लिए कोई शांत स्थान ढूंढने की जिम्मेदारी दी। वह इन्हें पास ही स्थित एक टीले पर ले गया। यह स्थान बावा लाल दयाल जी को काफी अच्छा लगा और यहीं इन्होंने अपनी कुटिया बना ली। बाद में

ध्यानदास के नाम के कारण यह स्थान ध्यानपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। ध्यानपुर धाम में ही सत्गुरु बावा लाल दयाल विक्रमी सम्वत् 1712 में ब्रह्मलीन हुए।

ध्यानपुर को भव्य स्वरूप देने का श्रेय महंत रामसुंदर दास जी को सत्गुरु बावा लाल दयाल की 15वीं गद्दी पर 1 नवम्बर, 2001 को गद्दीनशीन हुए वर्तमान महंत श्री राम सुंदर दास जी ने न केवल श्री ध्यानपुर धाम में अभूतपूर्व विकास करवाया बल्कि दिल्ली, हरिद्वार, वृंदावन और अन्य स्थानों पर भी सत्गुरु बावा लाल दयाल के सेवकों हेतु अच्छी सुविधाओं का इंतजाम किया।

उनके नेतृत्व में श्री ध्यानपुर धाम में न केवल नए व विशाल सत्संग हाल और लंगर हाल का निर्माण हुआ, बल्कि असंख्य नए कमरे भी बने तथा पार्किंग का भी अच्छा प्रबंध कर दिया गया।

सत्गुरु बावा लाल दयाल की 669वीं जयंती पर होंगे विशेष क्रार्यक्रम- इस बार सत्गुरु बावा लाल दयाल की 669वीं जयंती 11 फरवरी, 2024 को देश-विदेश में मनाई जा रही है। इस संबंधी आयोजन सभी लालद्वारों में होंगे। मुख्य आयोजन श्री ध्यानपुर धाम में गद्दीनशीन महंत राम सुंदर दास जी की अध्यक्षता में होगा, जहां इसकी शुरुआत शोभायात्रा निकालने से हो चुकी है। 11 फरवरी को ध्यानपुर में सारा दिन विशेष सत्संग व शाम को आरती का आयोजन होगा।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सोनिया राज्यसभा के लिए आज नामांकन कर सकती हैं

नईदिल्ली। सोनिया गांधी के आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने की संभावना है, जिसमें वह अपनी लोकसभा सीट बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा को सौंप देंगी। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी 27 फरवरी को उत्तर भारत की सीट से राज्यसभा चुनाव लड़ेंगी। जानकारी के मुताबिक सोनिया गांधी 14 फरवरी को राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करेंगी। वह राजस्थान या हिमाचल प्रदेश से अपना नामांकन दाखिल कर सकती हैं। यदि सोनिया गांधी राज्यसभा में जाती हैं तो रायबरेली से आगामी चुनाव में प्रियंका मैदान में उतर सकती है। यदि सोनिया गांधी राज्यसभा सीट के लिए राजी हो जाती हैं, तो यह 77 वर्षीय नेता के लिए उच्च सदन में पहला कार्यकाल होगा, जो पांच बार लोकसभा सदस्य रह चुकी हैं। अगर प्रियंका गांधी रायबरेली की लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ती हैं तो यह उनका पहला चुनाव होगा। सोनिया गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था कि यह आखिरी बार है जब वह आम चुनाव लड़ रही हैं।

राज्यसभा चुनाव के लिए सपा ने घोषित किए 3 उम्मीदवार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश की राज्यसभा सीटों के लिए रामजीलाल सुमन, जया बच्चन और पूर्व आईएएस अधिकारी आलोक रंजन को अपना उम्मीदवार नामित किया है। राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों पर समाजवादी पार्टी के नेता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि हमने जया बच्चन, रामजी लाल सुमन और आलोक रंजन को मैदान में उतारा है। जहां अभिनेता से नेता बनीं जया बच्चन को फिर से राज्यसभा के लिए नामांकित किया गया है, वहीं रंजन के लिए यह पहली बार है। 15 राज्यों की 56 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव 27 फरवरी को होने हैं और नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 फरवरी है। रामजीलाल सुमन पूर्व सांसद हैं और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेहद करीबी सहयोगियों में शुमार किए जाते हैं। जया बच्चन अभिनेता अमिताभ बच्चन की पत्नी हैं। पार्टी वर्ष 2004 से ही उन्हें राज्यसभा भेजती रही है।

आप और कांग्रेस की दो दौर की बातचीत बेनतीजा रही

नईदिल्ली। इंडिया गठबंधन की स्थिति लगातार कमजोर होती दिखाई दे रही है। अब दिल्ली को लेकर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच दिल्ली को लेकर भी तनातनी दिख रही है। आप सांसद संदीप पाठक ने कहा कि सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस पार्टी के साथ हमारी दो आधिकारिक बैठकें हुईं लेकिन इन बैठकों का कोई नतीजा नहीं निकला। इन दो आधिकारिक बैठकों के अलावा पिछले 1 महीने में कोई अन्य बैठक नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हम अगली बैठक का इंतजार कर रहे हैं, कांग्रेस के नेताओं को भी अगली बैठक की जानकारी नहीं है। पाठक ने बताया कि आज मैं भारी मन से यहां बैठा हूं। हमने असम से तीन उम्मीदवारों की घोषणा की है और मुझे उम्मीद है कि इंडिया गठबंधन उन्हें स्वीकार करेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि योग्यता के आधार पर, कांग्रेस पार्टी दिल्ली में एक भी सीट की हकदार नहीं है, लेकिन गठबंधन के धर्म को ध्यान में रखते हुए हम उन्हें दिल्ली में एक सीट की पेशकश कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण भाजपा में शामिल

मुंबई। महाराष्ट्र में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने हाल ही में कांग्रेस छोड़ दी। कांग्रेस के पूर्व एमएलसी अमर राजुरकर भी बीजेपी में शामिल हो गए। चव्हाण ने सोमवार को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा, ''मैं मुंबई स्थित भाजपा कार्यालय जाकर भाजपा में शामिल हुआ। आज मेरे जीवन के नए राजनीतिक करियर की शुरुआत है। जब चव्हाण से यह पूछा गया कि क्या उन्हें वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कोई फोन किया, तो उन्होंने इसका कोई जवाब नहीं दिया। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और भाजपा की मुंबई इकाई के प्रमुख आशीष शेलार समेत अन्य लोग शामिल हुए। पूर्व मुख्यमंत्री एस बी चव्हाण के बेटे अशोक चव्हाण (65) ने सोमवार को इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस छोड़ना उनका स्वतंत्र फैसला है। उन्होंने अपने इस फैसले का कोई विशेष कारण नहीं बताया।

संजय निरुपम ने बताई चव्हाण की कांग्रेस छोड़ने की वजह

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संजय निरुपम ने दावा किया है कि महाराष्ट्र के एक पार्टी नेता की कार्यशैली से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण परेशान थे और अंततः उन्हें पार्टी से इस्तीफा देना पड़ा। निरुपम ने चव्हाण के जाने पर दुख जताते हुए उन्हें जमीनी स्तर पर मजबूत जुड़ाव वाला एक साधन संपन्न और कुशल संगठनकर्ता बताया, जिनकी अनुपस्थिति पार्टी के लिए अपूरणीय होगी। इसको लेकर संजय निरुपम ने एक एक्स पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने कई बड़े दावे किये हैं। अपने पोस्ट में कांग्रेस नेता ने लिखा कि चव्हाण यकीनन पार्टी के लिए असेट थे। कोई उन्हें लायब्लिटी कह रहा है, कोई ईडी को ज़िम्मेदार ठहरा रहा है, यह सब जल्दबाज़ी में दिया हुआ रिएक्शन है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि वे बुनियादी तौर पर महाराष्ट्र के एक नेता की कार्यशैली से बहुत परेशान थे। इसकी जानकारी उन्होंने समय-समय पर शीर्ष नेतृत्व को दिया था। अगर उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाता तो,यह नौबत नहीं आती।

हेमंत-केजरीवाल-तेजस्वी जिससे हुए परेशान उसी एजेंसी ने कतर के भी छुड़ाए पसीने?

8 भारतीयों की वतन वापसी में ईडी एंगल क्या है?

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि विदेशी कूटनीति में उनकी कोई सानी नहीं है। भारत को कतर में एक बड़ी कूटनीतिक जीत मिली है। ऐसी जीत जो आज से पहले कभी नहीं हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी की कोशिशें रंग लाई और कतर ने आठ भारतीयों को रिहा कर दिया। जिसमें से सात की वतन वापसी हो गई है और एक भी जल्द भारत वापस लाया जाएगा। कतर ने न केवल 8 भारतीयों की फांसी की सजा को पलट दिया बल्कि उनकी बाकी की सजा को माफ कर उन्हें भारत वापस भेज दिया। इन सारी कवायदों के बीच अक्टूबर और नवंबर का महीना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इन महीनों में ही कतर एयरवेज को जीएसटी इंटेलिजेंस ने 57 हजार टैक्स चोरी का नोटिस दिया था। इसके साथ ही ईडी की भी छापेमारी हुई थी।

जीएसटी इंटेलिजेंस टीमों ने कथित तौर पर भारतीय शाखा कार्यालयों द्वारा प्रधान कार्यालय से सेवाओं के आयात के कारण कथित कर चोरी के लिए विदेशी वाहकों के भारतीय कार्यालयों की तलाशी ली। जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय के अधिकारियों ने एतिहाद, अमीरात, सऊदी एयरलाइंस, कतर एयरवेज, एयर अरबिया, ओमान एयर और कुवैत एयरवेज में तलाशी अभियान चलाया। कहा गया कि एयरलाइंस लीज रेंटल, क्रू शुल्क, ईंधन शुल्क आदि जैसे खर्चों की बुकिंग अपने मुख्य कार्यालय के लिए कर रही थीं और भारतीय कार्यालय से इसका शुल्क नहीं ले रही थीं। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के नियमों और धाराओं के अनुसार, भारत में एक कंपनी की स्थापना और देश के बाहर उसके समकक्ष को अलग-अलग कानूनी इकाई माना जाता है। इसका मतलब यह है कि किसी विदेशी एयरलाइन के मुख्य कार्यालय और उसके भारतीय शाखा कार्यालय के बीच लेनदेन को जीएसटी नियमों का पालन करना होगा। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) अधिनियम की अनुसूची 1 के अनुसार, भले ही किसी कंपनी के मुख्य कार्यालय और शाखा कार्यालय के भीतर बिना विचार किए कोई आपूर्ति हो, इसे कर उद्देश्यों के लिए आपूर्ति माना जाता है।

इसके अगले ही महीने पूरे मामले में ईडी की एंट्री हो गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कतर एयरवेज से उसके विदेशी लेनदेन से संबंधित दस्तावेज मांगे, जिनकी एजेंसी जांच कर रही है। ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत एयरलाइन से जानकारी मांगी। यह मुद्दा कतर एयरवेज द्वारा कथित कर चोरी से जुड़ा है, जिसमें जीएसटी इंटेलिजेंस के महानिदेशक (डीजीजीआई) ने पिछले महीने कतर एयरवेज सहित विदेशी वाहकों के कार्यालयों में तलाशी ली थी। कतर की एक अदालत द्वारा आठ पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ सप्ताह बाद ही वित्त मंत्रालय द्वारा 18 अक्टूबर को जारी एक बयान में कहा गया है कि डीजीजीआई ने अप्रैल 2020 से सितंबर 2023 तक ?57,000 करोड़ की जीएसटी चोरी का पता लगाया है, जिसमें इनपुट टैक्स क्रेडिट दावों के 6,000 से अधिक फर्जी मामले शामिल हैं, जिसके कारण 500 लोगों की गिरफ्तारी हुई है।

मोदी 20 को जम्मू-कश्मीर में कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

उधमपुर। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 फरवरी को अपने जम्मू-कश्मीर दौरे के दौरान कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और एक रैली को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि मोदी जम्मू में एक रैली को संबोधित करेंगे। सिंह शहीद कैप्टन तुषार महाजन रेलवे स्टेशन पर कटरा-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव को देखने के लिए अपने संसदीय क्षेत्र उधमपुर में थे। क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए उधमपुर और कठुआ रेलवे स्टेशनों पर मध्यम दूरी की सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन का संक्षिप्त ठहराव शुरू किया गया है।

कांग्रेस सरकार बनी तो एमएसपी को कानूनी दर्जा मिलेगा: जयराम रमेश

अंबिकापुर। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ अंबिकापुर पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश एवं कन्हैया कुमार ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि आज किसानों की सबसे बड़ी मांग खेती की लागत स्वामी नाथन रिपोर्ट के तहत दिए जाने हैं।एमएसपी को मोदी सरकार ने कानूनी मान्यता नहीं दी जिसके चलते किसान हताश व निराशा है,आज वह सड़क पर आंदोलन कर रहे हैं और मोदी सरकार उन पर आंसू गैस के गोले छुड़वाकर कार्रवाई कर रही है। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस सरकार बनेगी तो सबसे पहले एमएसपी को कानूनी मान्यता दी जाएगी,स्वामीनाथ के तहत किसानों की खेती का लागत डेढ़ गुना दिया जाएगा।

जयराम रमेश ने बताया कि इधर मंगलवार को राहुल गांधी सरगुजा जिला के कई किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना। 13 फरवरी किसानों का न्याय का दिन है क्योंकि दिल्ली में अन्याय हो रहा है यह मोदी सरकार की मंशा को दर्शाता है।उनका कोई इरादा नहीं कि वह किसानों का साथ दें। राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी मजबूती के साथ किसानों के साथ खड़ी रहेगी। इंडिया गठबंधन कांग्रेस सरकार बनेगी तो किसानों के आर्थिक दशा को सुधारने कार्य किया जाएगा। इंडिया गठबंधन से कई दलों का साथ छोड़ने के प्रश्न पर जयराम रमेश ने कहा कि सिर्फ दो पार्टी पलटी है,इसमें से एक के खून में तो पलटी मारने का तो है ही और उनसे कोई उम्मीद भी नहीं थी।दूसरा आरएलडी ने भी साथ छोड़ा है।

बाकी 28 पार्टियों में से 26 पार्टियां इंडिया गठबंधन में है।कांग्रेस मजबूत है जिसके चलते मोदी सरकार डर गई है और आनन फानन में जो कभी एनडीए को भूल गए थे उनके साथ बैठक कर जोड़-तोड़ की राजनीति शुरू कर दिए हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कई अवसरवादी लोग पार्टी छोड़कर जा रहे हैं तो हजारों युवा कांग्रेस में जुड़ रहे हैं। सीट शेयरिंग को लेकर जयराम ने कहा कि इस पर लंबी बात हुई है यह कठिन काम है।2024 इंडिया गठबंधन में राष्ट्रीय स्तर पर हमारा एक ही लक्ष्य सिर्फ भाजपा को हराना है।तकलीफ थोड़ी सी पंजाब व पश्चिम बंगाल में है बाकी कहीं नहीं,कुछ ही दिनों में अंतिम निर्णय हो जाएगा।

हसदेव के लोग राहुल गांधी से मिलकर दिए अहम दस्तावेज

वार्ता के दौरान जयराम रमेश ने बताया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 12 फरवरी की शाम सरगुजा में पहुंच गई थी,शाम को ही हसदेव बचाव के लोगों ने राहुल गांधी से मुलाकात कर उन्हें अहम दस्तावेज सौंपा हैं।उनका मांग है कि जो जंगल है उसे ध्यान में रखते हुए माइंस की नई अनुमति नहीं दिया जाना चाहिए।जो विस्थापित हुए हैं उन्हें कानूनी प्रकार से मुआवजा और रोजगार मिले। ग्राम सभा के अनुमति के बिना कोई भी नई स्वीकृति नहीं दी जानी चाहिए।

जयराम रमेश ने बताया कि 2009 से ही उक्त कोल खदान खुलने और ग्राम सभा के अनुमति को लेकर मतभेद है,इसे लेकर आज तक विरोध चलते आ रहा है। राहुल गांधी इसे पार्लियामेंट में उठाएंगे और ग्राम सभा की अनुमति को वापस लागू कराने प्रयास करेंगे।

आंसू गैस के गोले छोड़ने बंद करें मोदी सरकार : कन्हैया कुमार

प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस के नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि एक तरफ राहुल गांधी सरगुजा में किसानों की बात सुन रहे थे तो दूसरे तरफ दिल्ली में केंद्र की सरकार किसानों पर आंसू गैस के गले छुड़वा रही है और सड़कों पर दीवार खड़ा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि वह सरकार से कहना चाहते हैं कि आंसू वैसे ही किसानों के निकल रहे हैं आंसू गैस छोड़ने की जरूरत नहीं। किसान अपनी खेती बाड़ी छोड़कर क्यों सड़क पर आ रहे हैं। इसका मुख्य कारण मोदी सरकार का वादा खिलाफी है साडे 14 लाख करोड़ मोदी सरकार ने चंदा दाताओं का कर्ज माफ किया तो किसानों का कर्ज़ उन्होंने क्यों नहीं माफ किया। जीडीपी बढ़ रही है तो एक हिस्सा किसानों को भी दिया जाना चाहिए।आज किसी भी किसान का बच्चा किसान नहीं बनना चाहता क्योंकि कर्ज में वह अपने आप को फांसी पर लटकाना नहीं चाहता। आज देश में 1 घंटे में दो किसान आत्महत्या कर रहे हैं।उन्होंने मोदी सरकार से कहा कि आंसू गैस के गोले छोड़ने बंद कीजिए और किसानों पर दंडात्मक करवाई ना करें।

खेल
प्रमुख समाचार

बीसीसीआई ने केएल राहुल की फिटनेस पर उठाए सवाल

नईदिल्ली। केएल राहुल इंग्लैंड के खिलाफ शेष तीन टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह देवदत्त पडिक्कल को मौका दिया गया है। लेकिन इससे पहले उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम तीन मैचों के लिए भारतीय स्क्वॉड में रखा गया था। राहुल अपनी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। बीसीसीआई की प्रेस रिलीज के अनुसार, बल्लेबाज ठीक होने की राह पर थे और 90 प्रतिशत फिट थे और इसलिए तीसरे टेस्ट के लिए उसके नाम पर विचार नहीं किया गया।

बता दें कि, बोर्ड ने एक प्रेस रिलीज में कहा, राहुल 90 प्रतिशत मैच फिटनेस तक पहुंच गए हैं और बीसीसीआई मेडिकल टीम की देखरेख में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। सीरीज 1-1 से बराबरी पर है राहुल एनसीए बेंगलुरु में कछ और समय बिताएंगे और संभवत: चौथे और पांचवें टेस्ट के लिए लौट आएंगे। ऐसा कहने के बाद, इससे कुछ लोग नाराज हो गए हैं। वहीं बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने नाम ना छापने की शर्त पर मीडिया को बताया कि, केएल राहुल ने अभी तक राजकोट में रिपोर्ट नहीं की है। स्थानीय रविंद्र जडेजा को टीम के साथ जोड़ा गया है। ये हमेशा फिटनेस से जुड़ा मामला था और बोर्ड की मेडिकल टीम को अभी भी भरोसा नहीं है कि वह मैच फिट है।

बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी ने पूछा कि, अगर बीसीसीआई की मेडिकल टीम को पहले से पता था कि राहुल की स्क्वॉड चोट इतनी गंभीर है जितनी दिख रही है, तो पहले उन्हें अस्थायी टीम में क्यों रखा गया। खिलाड़ी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी बल्लेबाजी के वीडियो पोस्ट करके गलत संकेत क्यों भेज रहा है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 71,555 पर पंहुचा निफ्टी 127 अंक चढ़ा

नईदिल्ली। एशियाई बाजारों में पॉजिटिव रुख के बीच भारतीय शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी दर्ज की गई और स्टॉक मार्केट हरे निशान में बंद हुई। इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी से शेयर बाजार बढ़कर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज पिछले बंद भाव 71,072.49 के मुकाबले मजबूती के साथ 71,292.08 अंक पर खुला। अंत में सेंसेक्स 0.68 प्रतिशत या 482.70 अंक की वृद्धि लेकर 71,555.19 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.59 प्रतिशत या 127.20 अंक की वृद्धि के साथ 21,743.25 अंक के लेवल पर बंद हुआ। बैंकिंग शेयरों में आज खरीदारी देखने को मिल रही है जिसके चलते आईसीआईसीआई का शेयर सबसे ज्यादा 2.46 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ।

लार्सन एंड टुब्रो को पश्चिम एशिया में मिले बड़े कॉन्ट्रैक्ट

नईदिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो की हाइड्रोकार्बन इकाई को पश्चिम एशिया में ''बड़े'' ठेके मिले हैं। एलएंडटी ने हालांकि ठेके की राशि की जानकारी नहीं दी लेकिन वह किसी ठेके का मूल्य 1000 से 2500 करोड़ रुपये के बीच होने पर ही उसे 'बड़ा' बताती है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की हाइड्रोकार्बन इकाई एलएंडटी एनर्जी हाइड्रोकार्बन (एलटीईएच) को पश्चिम एशिया में एक प्रतिष्ठित ग्राहक से एक 'ऑनशोर' ठेका और एक 'ऑफशोर' ठेका मिला है। लार्सन एंड टुब्रो 23 अरब अमेरिकी डॉलर की भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है। यह इंजीनियरिंग, खरीद तथा निर्माण (ईपीसी) परियोजनाओं, उन्नत विनिर्माण व सेवाओं के कारोबार में है।

भारत के कोयला आयात में इजाफा, दिसंबर में 27% बढ़ा

नईदिल्ली। भारत का कोयला आयात दिसंबर 2023 में सालाना आधार पर 27.2 प्रतिशत बढ़कर 2.335 करोड़ टन हो गया। कोयला मंत्रालय वित्त वर्ष 2026 तक जीरो थर्मल कोयला आयात का लक्ष्य लेकर चल रहा है। बी2बी (कंपनियों के बीच) ई-वाणिज्य कंपनी एमजंक्शन सर्विसेज के आंकड़ों के अनुसार, देश का कोयला आयात दिसंबर 2022 में एक करोड़ 83.5 लाख टन था। एमजंक्शन सर्विसेज के अनुसार, ''दिसंबर 2023 में कोयले का आयात करीब 2.335 करोड़ टन था। दिसंबर 2022 में दर्ज किए गए 1.835 करोड़ टन की तुलना में दिसंबर 2023 में आयात 27.25 प्रतिशत अधिक रहा।'' चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-दिसंबर में कोयला आयात बढ़कर 19.243 करोड़ टन हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 19.182 करोड़ टन था। इस दौरान गैर-कोकिंग कोयले का आयात 12.437 करोड़ टन था।

गेल, आईजीएल ने रिलायंस गैस से हासिल की अधिकतर कोयला सीम गैस

नईदिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड और देश की सबसे बड़ी सिटी गैस ऑपरेटर इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा आयोजित ई-नीलामी में अधिकतर कोयला सीम गैस को हासिल कर लिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। रिलायंस ने इस महीने की शुरुआत में मध्य प्रदेश में कोल-बेड मीथेन (सीबीएम) ब्लॉक एसपी (पश्चिम)-सीबीएम-2001/1 से उत्पादित नौ लाख मानक क्यूबिक मीटर गैस प्रति दिन की बिक्री के लिए एक ई-नीलामी आयोजित की थी। कंपनी द्वारा जारी एक निविदा के अनुसार, उपयोगकर्ताओं से बोली पेश करने को कहा गया जिसमें वे दिनांकित ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत के 12.67 प्रतिशत से अधिक का भुगतान करने को तैयार हों।

मजबूत होती अर्थव्यवस्था, तो शेयर बाजारों में निराशा क्यों?

अजय बग्गा

बीते दिनों छह से आठ फरवरी के बीच भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की वित्तीय वर्ष 2024 की आखिरी बैठक संपन्न हुई, जिसके नतीजे काफी हद तक उम्मीदों के मुताबिक रहे। लेकिन सरकारी बॉन्डों का रिटर्न (लाभ) बढ़ गया और इसकी घोषणा होते ही शेयर बाजार में मामूली गिरावट देखने को मिली। जब एमपीसी का रुख काफी हद तक अपेक्षा के अनुकूल ही था, तो शेयर बाजारों में यह निराशा क्यों?

इस बैठक में एमपीसी ने सभी दरों को मौजूदा स्तर पर बनाए रखने का फैसला किया। यह लगातार छठी बार है, जब रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। अर्थव्यवस्था में मजबूत विकास के मद्देनजर जीडीपी विकास का पूर्वानुमान उच्च स्तर पर रखा गया है। संसद में पेश अंतरिम केंद्रीय बजट के आंकड़ों के आधार पर वित्तीय घाटे को नियंत्रण में रखने की भी सराहना की गई। अनुमान लगाया गया कि मुद्रास्फीति लगातार कम होगी और वित्त वर्ष 2025 में औसत मुद्रास्फीति दर 4.5 फीसदी रहेगी। लेकिन चार कारणों से नीतिगत घोषणा अनुमान से अधिक कठोर रही। पहला, मुद्रास्फीति के दबाव को नियंत्रित करने के लिए अर्थव्यवस्था में धन आपूर्ति पर अंकुश लगाया जाएगा। फरवरी, 2023 से फरवरी, 2024 के शुरू तक पिछले 12 महीनों में रिजर्व बैंक ने तरलता पांच लाख करोड़ रुपये के बड़े दैनिक अधिशेष से घटाकर 1.1 लाख करोड़ रुपये के दैनिक घाटे में ला दिया है। बाजार इस तरलता घाटे को रिजर्व बैंक द्वारा पहले की गई दरों में बढ़ोतरी के तेजी से हस्तांतरण के रूप में देखता है।

वास्तव में, पिछले 12 महीनों में ऋण दरों में औसतन 19 आधार अंकों की वृद्धि हुई है, जबकि जमा दरों में 80 आधार अंकों की तेज वृद्धि हुई है। चूंकि बैंकों के लिए जमा वृद्धि की तुलना में ऋण वृद्धि तेजी से बढ़ी है, इसलिए रिजर्व बैंक ने असुरक्षित खुदरा ऋण वृद्धि को कम करने के लिए और अधिक उपायों की घोषणा की है। ऐसे में, उम्मीद यह थी कि रिजर्व बैंक तरलता बढ़ाने वाले कुछ उपायों की घोषणा करेगा और बैंकों की तरलता बढ़ाने के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) पर भी कुछ राहत देगा। लेकिन ऐसे किसी उपाय की घोषणा तो नहीं ही की गई, नीतिगत रुख को भी तटस्थ स्तर पर नहीं रखा गया। यह दूसरा कारण था, जिसने बाजार को अस्थिर किया।

तीसरा बिंदु अपेक्षित था, फिर भी इसने बॉन्ड और शेयर बाजारों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया। वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंक इस सूचना को बार-बार प्रसारित करने के प्रति सतर्क रहे हैं कि वे ब्याज दरों में कटौती बाद में और बाजार की अपेक्षा से धीमी गति से करने के बारे में सोचेंगे। भारत में भी बाजार को उम्मीद थी कि अप्रैल से जून में रिजर्व बैंक दरों में कटौती करेगा। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने स्पष्ट किया कि मुद्रास्फीति के जोखिम अब भी संतुलित हैं, खासकर लाल सागर के व्यवधान और तेल की कीमतों के प्रभाव को देखते हुए। बाजार में इसे कठोर रुख के रूप में देखा गया और दर में कटौती की उम्मीदें आगे चली गईं। नतीजतन बॉन्ड पर रिटर्न बढ़ गया और बैंकों के शेयर में मामूली गिरावट देखी गई।

चौथा बिंदु उपभोक्ताओं के समर्थन में उठाए गए कदम को लेकर था, जिसके तहत रिजर्व बैंक ने बैंकों के लिए ऋण ग्राहकों की खातिर सभी शुल्कों को एक ब्याज दर गणना में शामिल करना अनिवार्य कर दिया। हम देखते हैं कि बैंक ऋण के लिए आकर्षक ब्याज दर की घोषणा करते हैं, मसलन वे 8.4 फीसदी ब्याज दर की घोषणा करते हैं, और फिर उसमें प्रोसेसिंग फीस, डाक्यूमेंटेशन फीस, अग्रिम ईएमआई और न जाने क्या-क्या जोड़ देते हैं। इतने सारे शुल्कों के कारण ग्राहकों को यह पता ही नहीं चल पाता कि उनके ऋण की वास्तविक लागत क्या है। इसलिए रिजर्व बैंक ने बैंकों के लिए सर्व-समावेशी ऋण दर घोषित करना अनिवार्य कर दिया है। इससे बैंकों के लाभ पर असर पड़ सकता है, खासकर निजी बैंकों को, जो ऐसे बहुत से शुल्क वसूलते हैं।

बसंत पंचमी पर आज स्कूलों में सरस्वती पूजा, मातृ-पितृ पूजन दिवस

रायपुर। प्रदेश में 'बसंत पंचमी' पर हर साल सरस्वती पूजा एवं मातृ-पितृ दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस दिवस पर स्कूलों में विद्यार्थी एवं अभिभावकों के साथ सरस्वती पूजा के साथ मातृ-पितृ पूजन का आयोजन किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में आज मंत्रालय से आदेश जारी कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालक लोक शिक्षण और सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि 14 फरवरी को मां सरस्वती के पूजन के साथ-साथ इस दिवस पर शाला परिसरों में विद्यार्थियों और अभिभावकों के साथ-साथ सरस्वती पूजा के साथ मातृ-पितृ पूजन का आयोजन किए जाए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के प्रवास के दौरान कुनकुरी विकासखण्ड के ग्राम कंडोरा में 11 फरवरी को आयोजित मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ में 14 फरवरी को मातृ-पितृ पूजन दिवस के रूप मनाने की घोषणा की थी।

शिक्षा मंत्री ने किया स्वागत- स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने इस संबंध में कहा है कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार बच्चों को अच्छे संस्कार देने और संस्कृति को सहेज कर रखने हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ में 14 फरवरी को बसंत पंचमी के दिन मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाने का निर्णय लिया है।

उन्होने कहा कि अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने और अपनी संस्कृति को सहेज कर रखने के लिए हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ में 14 फरवरी को बसंत पंचमी के दिन मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इस दिन सभी अपने माता पिता का पूजन करें, पैर छूकर उनका आशीर्वाद लें। माता-पिता की सेवा और आशीर्वाद से बढ़कर दुनिया में कुछ नहीं है। जीवन में सफलता का मूल मंत्र है माता-पिता की सेवा और उनका आशीर्वाद।

इसलिए बसंत पंचमी के दिन 14 फरवरी को पूरे छत्तीसगढ़ में मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाया जायेगा। सभी स्कूलों, कॉलेजों के साथ ही सामाजिक संस्थाएं भी इस दिन पर विशेष आयोजन करें और बच्चों में माता-पिता के सम्मान करने उनसे आशीर्वाद लेने को कहें।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

शानदार बजट!

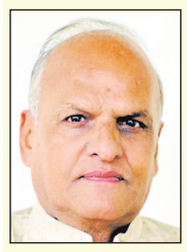

छत्तीसगढ़ सरकार का बजट छत्तीसगढ़ को आगे ले जाने वाला साबित होगा, इसमें दो राय नहीं। हालांकि विपक्ष को तो यह बजट ख्याली पुलाव ही लगेगा, लेकिन यह यथार्थ में यह यथार्थवादी पुलाव है, जो छत्तीसगढ़ की सेहत के लिए फायदेमंद साबित होगा। मोदी की गारंटी को ध्यान में रखकर बजट का जो स्वरूप गढ़ा गया है, उसे देखते हुए समझ में आ रहा है कि भाजपा की नई सरकार अपने लक्ष्य को लेकर के काफी गंभीर है। आने वाले समय में उसका सुपरिणाम नजर आएगा। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में नालंदा परिसर का निर्माण अपने आप में एक बड़ी घटना रही है। इस केंद्रीय पुस्तकालय में अनेक छात्र छात्राएँ अध्ययन करते हैं और अपना भविष्य बनाते हैं ।इस नालंदा परिसर को पूरे राज्य में फैलाने की योजना बजट में बनाई गई है। बाईस स्थानों में नालंदा परिसर बनेंगे। इससे ज्ञान का विस्तार होगा ।एक महत्वपूर्ण निर्णय यह भी हुआ है कि आदिभाषा परिषद गठित की जाएगी। इसके तहत आदिवासी जनजीवन में बोली जाने वाली बोलियों का संरक्षण होगा । आदिवासी साहित्य का अध्ययन होगा। छत्तीसगढ़ में सिर्फ छत्तीसगढ़ी ही नहीं बोली जाती , यहां हल्बी,गोंडी, भथरी, सरगुजिया, लारिया आदि बोलियां भी हैं,जिनमें भी साहित्य रचा गया है। कुछ वाचिक परंपरा में है, कुछ लिखित में भी हैं ।जब आदि भाषा परिषद का गठन हो जाएगा तब लोक भाषाओं का भी संवर्धन होगा। वर्तमान मुख्यमंत्री आदिवासी समाज से आते हैं इसलिए बजट में आदिवासियों के उत्थान की दिशा में भी पहल करने के अनेक निर्णय किए गए हैं। बस्तर और सरगुजा में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उपक्रम किए जाएंगे। एक अच्छा निर्णय यह भी है कि जैसे दिल्ली और आसपास के राज्यों को जोड़कर एनसीआर बनाया गया है न्यू कैपिटल रीजन, उसी तरह रायपुर, भिलाई सहित आसपास के क्षेत्र को मिला कर एससीआर बनाया जाएगा यानी स्टेट कैपिटल रीजन, जिससे पूरे इलाके के समुचित विकास को गति मिलेगी ।आने वाले समय में इन सब के बीच मेट्रो ट्रेन भी चलाई जाएगी। महतारी वंदन योजना तो महत्वपूर्ण है ही।असहाय किस्म की महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये की सम्मान निधि देने की घोषणा चुनाव के पहले की गई थी। सरकार बनते साथ ही उसे लागू करने का निर्णय स्वागतेय है। किसानों, मजदूरों, श्रमिकों और दिव्यांगों को दीनदयाल उपाध्याय कल्याण योजना के तहत भी कुछ राशि उपलब्ध कराई जाएगी। किसी भी कल्याणकारी राज्य को यही काम करना चाहिए। 22 जनवरी को रामलाल मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई, उसे लेकर पूरे देश की तरह छत्तीसगढ़ के लोग भी उत्साहित रहे । प्रदेश सरकार ने यह व्यवस्था की है कि यहां रहने वाले लोगों को रामलला के दर्शन कराएंगे ।इसके लिए सरकार ने 35 करोड रुपए का प्रावधान किया । यह सरकार की सदाशता का परिणाम है । अनेक शहरों का कुछ न कुछ विकास होगा ।यह सरकार के बजट से साफ नजर आ रहा है ।यही समावेशी विकास है कि हम सिर्फ राजधानी के आसपास का विकास नहीं कर रहे हैं। हम सुदूर स्थित मनेंद्रगढ़ से लेकर जशपुर तक भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। लेकिन यहां मैं एक महत्वपूर्ण बात की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि भले ही पिछली कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई थी, उन्होंने अनेक गड़बड़ घोटाले किए लेकिन उनकी गोबर और गोमूत्र खरीदी योजना काफी अच्छी थी । उसे भी जारी रखना चाहिए । गोठान की योजना भी अभिनव प्रयोग थी ।उसके माध्यम से गोबर गौमूत्र की खरीदी हो रही थी। यह और बात है कि फर्जी लोगों के कारण वह योजना गुड़गोबर में तब्दील हो गई ।लेकिन थी महत्वपूर्ण। उस योजना को लगातार जारी रखना चाहिए ।उसकी लगातार मॉनेटरिंग होनी चाहिए। यह देखना चाहिए कि वह पवित्र योजना भ्रष्टाचार की भेंट न चढ़ जाए। इस योजना के माध्यम से गौ माता की सेवा हो रही थी और गाय तो भाजपा की और अपनी सनातन संस्कृति का हिस्सा ही है ।इसलिए उस योजना को बंद नहीं होना चाहिए ।उसको हम कितना बेहतर कर सकते हैं, इस दिशा में काम होना चाहिए। गौ सेवा आयोग को और मजबूत करने की जरूरत है। वहां सच्चे गौ सेवकों की नियुक्ति हो। कुल मिलाकर भाजपा का बजट गरीबों के लिए, युवाओं के लिए ,किसानों के लिए और स्त्रियों के लिए अर्थात समाज के हर वर्ग को ध्यान में रखकर बनाया गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में गढ़बो छत्तीसगढ़ के साथ-साथ अब कुछ करबो छत्तीसगढ़ की सोच तरीके से काम करेगी । और मोदी की गारंटी और विष्णु का सुशासन मिलकर छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाएंगे।

'मोदी पर उंगली उठाने वाले अपनी औकात देखें..'

टिकैत के बयान पर मंत्री कश्यप का पलटवार

रायपुर। न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी को लेकर कानून बनाने समेत विभिन्न मांगों के लिए पंजाब-हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों ने राष्ट्रव्यापी विरोध-प्रदर्शन किया। किसानों के इस प्रदर्शन पर भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत के बयान पर मंत्री केदार कश्यप ने पलटवार करते हुए कहा, कि मोदी आज दुनिया के ताकतवर नेता हैं। मोदी पर उंगली उठाने वाले अपनी औकात देखें। उंगली उठाने के कारण इनके घरों का चूल्हा जल रहा है।

बता दें कि किसानों के प्रदर्शन के बीच भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा था, कि सरकार जो कर रही है वो गलत कर रही है। बातचीत करके समस्या सुलझानी चाहिए.

सरकार कील वगैरह का इस्तेमाल न करे। देश में बड़ी पूंजीवाद कंपनिया हैं, जिन्होंने एक राजनीतिक पार्टी बना ली है। वे इस देश पर कब्जा कर चुकी हैं। ऐसे में दिक्कतें तो आएंगी। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा, कि अगर किसानों के साथ कोई अन्याय हुआ और सरकार ने उनके लिए कोई दिक्कत पैदा की तब न वे किसान हमसे ज्यादा दूर हैं और न दिल्ली हमसे ज्यादा दूर नहीं है।

वीआईपी रोड में गोलीचालन का मुद्दा विस में गूंजा

विधायक धरम कौशिक ने उठाया सीएम ने लगाम लगाने की बात कही

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही के दौरान मंगलवार को पक्ष विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। विधानसभा के सातवें दिन भी कई मुद्दों पर बहस जारी है। इस दौरान वीआईपी रोड में गोली चलने का मामला गूंजा। भाजपा विधायक धरम लाल कौशिक ने पूछा रायपुर के बार क्लबों में जो गोलियां चल रही है शराब के नशे में लड़के लड़कियां नाच रहे हैं, बिलासपुर में भी ऐसा ही माहौल है इस पर लगाम लगाएंगे क्या..? उनके इस सवाल के जवाब में सीएम साय ने कहा कि इस पर लगाम लगाया जाएगा। इससे पहले विधायक अनुज शर्मा ने अनुज शर्मा ने पूछा कि बहुत छोटे छोटे घर के लोगों को 25-25 हजार का बिजली बिल आ गया है। क्या इसका परीक्षण होगा? विधायक अनुज शर्मा के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका परीक्षण करा लेंगे। इसके अलावा भाजपा विधायक गोमती साय ने आंगनबाड़ी की स्थिति सुधार को लेकर गोमती साय ने सवाल उठाया। उन्होंने 2023 में जशपुर के शासकीय अस्पताल के शौचालय में एक महिला के प्रसव होने और वहां उसके घंटो बेहोश रहने की जानकारी देते हुए इस मामले में दोषी डॉक्टर और स्टाफ पर कार्यवाही करने की बात कही। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कहा कि इस तरह की किसी भी घटना की जानकारी अगर उन्हें मिलती है तो कार्रवाई की जाएगी।

शराब घोटालाः टैक्स पेयर की कमाई पर डाका, मिलेगी सजाः अग्रवाल

विधानसभा में आबकारी राजस्व में कमी के मामले को लेकर मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मामले में बड़े-बड़े लोग जेल में है। छत्तीसगढ़ के टैक्स पेयर की गाढ़ी कमाई पैसे में डाका डालने वालों को सजा मिलेगी। मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने मीडिया से चर्चा में कहा कि मैंने कहा था कांग्रेस सरकार के काले कारनामे उजागर होंगे। कांग्रेस सरकार में किस प्रकार से छत्तीसगढ़ को लूटा है, कैसे खजाने में डकैती डाली है, सामने आ रहा है। आज के प्रश्न में भी आबकारी मामले में मुख्यमंत्री ने बताया. जो राजस्व 2021 में आता था, वह 2022-23 में वह कम हो गया। यह छत्तीसगढ़ के लोगों के साथ धोखा विश्वासघात है. छत्तीसगढ़ की खजाने के साथ चोरी-डकैती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। पहले भी ईडी ने शराब घोटाले को पकड़ा है।

भाजपा ने खोला समस्याओं के निराकरण हेतु सहायता केंद्र

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं सहकारिता व वन मंत्री केदार कश्यप ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि समस्याओं के निराकरण के लिए भाजपा एक सहायता केंद्र खोल रही है जिसमें प्रदेश के मंत्रीगण एवं भाजपा प्रदेश पदाधिकारी नियमित रूप से कार्यकर्ताओं ,जनप्रतिनिधियों,जन सामान्य की समस्याओं के निराकरण के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में दोपहर 2 बजे से ही शाम 5 बजे तक मौजूद रहेंगे। सहायता केंद्र में मंगलवार को को महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज समस्याओं को सुना , 14 फरवरी को मंत्री दयाल दास बघेल व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, 15 फरवरी को मंत्री टंकराम वर्मा एवं शिवरतन शर्मा, 16 फरवरी को मंत्री बृजमोहन अग्रवाल व निर्मल सिन्हा, 19 फरवरी को मंत्री रामविचार नेता व प्रदेश महामंत्री रामजी भारती, 20 फरवरी को मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल एवं मधुसूदन यादव, 21 फरवरी को मंत्री केदार कश्यप एवं श्रीमती सरला कोसरिया, 22 फरवरी को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, 23 फरवरी को मंत्री ओपी चौधरी एवं भरतलाल वर्मा, 26 फरवरी को उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं उद्धेश्वरी पैंकरा, 27 फरवरी को मंत्रीलखन लाल देवांगन एवं प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, 28 फरवरी को मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े एवं शिवरतन शर्मा, 29 फरवरी को मंत्री दयाल दास बघेल एवं भूपेंद्र सवन्नी भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में सहायता केंद्र में मौजूद रहेंगे।प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ,प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी माजूद रहे।

इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो एमएसपी लागू किया जाएगाः राहुल

अंबिकापुर। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान अम्बिकापुर पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मालिककार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी ने बड़ी घोषणा की है। राहुल गांधी ने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने के बाद सरकार जातिगत आर्थिक जनगणना कराएगी। साथ ही किसानों के लिए एमएसपी लागू करेगी। इसे लोकसभा के पूर्व कांग्रेस के मास्टर स्ट्रोक के रूप में भी देखा जा रहा है। दरअसल, राहुल गांधी 14 जनवरी से भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर मणिपुर से लेकर महाराष्ट्र तक न्याय यात्रा चला रहे है जहां शामिल होने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मालिककार्जुन खड़गे भी पहुंचे। यहां पहुंचकर खरगे ने कहा कि देश की मोदी सरकार सिर्फ झूठ बोलने का काम कर रही है। यही नहीं खरगे ने कहा कि देश को बचाने के लिए न्याय यात्रा बेहद जरूरी है। खड़गे ने कहा कि वो छग से एक बड़ी घोषणा करने जा रहे हैं, जिसमे किसानों के लिए एमएसपी लागू किया जाएगा.

सरकार की कार्यप्रणाली से संतुष्ट नहीं विधायक!

रायपुर। कांग्रेस का कहना है, सरकार की कार्यप्रणाली से उनके ही विधायक संतुष्ट नहीं हैं। इसलिए बार-बार अपनी ही सरकार के मंत्रियों को घेरते नजर आते हैं। दरअसल, छत्तीसगढ़ विधानसभा में सत्तापक्ष के विधायक अपनी ही सरकार को घेरते नजर आ रहे हैं। नए विधायक हों या सीनियर विधायक। प्रश्नकाल हो या ध्यानाकर्षण। नई सरकार के मंत्री अपनी ही पार्टी के सदस्यों से घिरते नजर आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत के साथ ही सत्तापक्ष सदन में अपने ही विधायकों के तीखे तेवर से जूझ रहा है। प्रश्नकाल से लेकर ध्यानाकर्षण तक एक के बाद एक कई वरिष्ठ विधायक सरकार से तीखे सवाल करते और अपनी ही सरकार को घेरते नजर आ रहे हैं। इससे मंत्रीगण असहज तो हो ही रहे हैं। कई मामलों में सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों पर सवालिया निशान भी लग रहा है। मंगलवार को भी विधानसभा में ऐसा ही नजारा देखने मिला। जब प्रश्नकाल के दौरान वरिष्ठ विधायक धरमलाल कौशिक ने शराब दुकानों और क्लबों के देर रात तक खुले रहने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, देर रात तक शराब दुकानों और क्लबों के खुले रहने से अपराध की घटनाएं घटित हो रही है। इसी तरह ध्यानाकर्षण के दौरान जशपुर जिले में पुलिया निर्माण को लेकर वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर उपमुख्यमंत्री अरुण साव को घेरते नजर आए।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

लोगों को न्याय जितनी जल्दी मिलता है लोकतंत्र उतना ही मजबूत होता हैः साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से भविष्य में लोकतंत्र के एक महत्वपूर्ण स्तंभ की जिम्मेदारी संभालने वाले युवाओं ने आज विधानसभा में मुलाकात की। युवा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के बीएएलएलबी के विद्यार्थी थे। मुख्यमंत्री ने युवाओं से चर्चा मे कहा कि लोगों को सहजसुलभ न्याय जितनी जल्दी मिलता है लोकतंत्र उतना ही मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी बरसों तक पुराने कानून बदले नहीं गये, इनमें से कुछ गैरजरूरी थे और साम्राज्यवादी उद्देश्यों को लेकर रखे गये थे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता को प्रतिस्थापित किया। दंड की तुलना में न्याय ज्यादा व्यापक शब्द है और गहरा अर्थ रखता है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा आप लोग न्यायपालिका में जा रहे हैं। न्यायपालिका उन कानूनों का पालन सुनिश्चित कराती है, जो विधानसभा में तैयार होते हैं। आज आप लोगों ने करीब से विधानसभा की कार्यवाही को देखा।

शक्ति वंदन अभियान के तहत ग्रामों तक पहुंच रही भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक रंजना साहू ने कहा है कि शक्ति वंदन अभियान के तहत भाजपा अब ग्राम स्तर पर पहुँचकर वहाँ के लोगों से लगातार संपर्क कर केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत करा रही है। गत 8 फरवरी से शक्ति वंदन कार्यक्रम की शुरुआत की गई है और इसके तहत प्रदेश के हर वर्ग को जोड़ा जा रहा है। श्रीमती साहू ने बताया कि इस अभियान में खासकर महिला स्व-सहायता बहनों से मुलाकात कर उनसे चर्चा भी की जा रही है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि शक्ति वंदन अभियान के तहत स्व-सहायता समूह की बहनों के सम्मान के कई कार्यक्रम भी इस दौरान आयोजित किए डजा रहे हैं। शक्ति वंदन अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में 12 फरवरी से 20 फरवरी तक चलाया जाएगा। पूरे देश में इस अभियान के तहत एक करोड़ स्व-सहायता समूह एवं एनजीओ तक संपर्क करके 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना है। छत्तीसगढ़ के 3.56 लाख समूह से संबद्ध अनुमानित 8 लाख महिलाओं को इस संकल्प से जोड़ने का लक्ष्य है। श्रीमती साहू ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत महिला स्वयं सहायता समूह एवं एन.जी.ओ. सम्पर्क अभियान चलाया जाएगा।

एनटीपीसी के आईपीएस-2024 के सम्मेलन का आगाज

रायपुर. एनटीपीसी लिमिटेड की ओर से आईपीस-2024 के सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जो 15 फरवरी तक चलेगा. इस तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन एनटीपीसी के सीएमडी गुरदिप सिंह के हाथों हुआ. इस सम्मेलन में एनटीपीसी के चेयरपर्शन घनश्याम प्रसाद भी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. केंद्रीय उर्जा मंत्री आरके सिंह ने वर्चुअल मोड पर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. बता दें कि एनटीपीसी की ओर से यह आयोजन हर साल अलग-अलग थीम के साथ किया जाता है. एनटीपीसी लिमिटेड ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में 13 से 15 फरवरी 2024 तक भारतीय विद्युत स्टेशन प्रचालन व अनुरक्षण, आईपीएस-2024 का आयोजन किया है. यह कार्यक्रम 13 फरवरी 1982 को उत्तरप्रदेश में एनटीपीसी के सिंगरौली सुपर थर्मल पावर स्टेशन की पहली इकाई के चालू होने की वर्षगांठ मनाने के उपलक्ष्य में किया जा रहा है. एनटीपीसी समूह तब से पूरे भारत में 90 से अधिक स्थानों पर लगभग 74 गीगावॉट (जेवी सहित) तक बढ़ गया है, जिसमें थर्मल, गैस, हाइड्रो और नवीकरणीय शामिल हैं. ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों से लेकर प्रचलन व अनुरक्षण वर्कफ्लो को सुव्यवस्थित करने तक, ओ एंड एम सम्मेलन-2024 सुरक्षा, विश्वसनीयता और लागत प्रभावी बिजली उत्पादन को बढ़ाने के लिए नवीन रणनीतियों को उजागर करेगा.

व्हाट्सएप पर अश्लील फोटो भेजा, आरोपी आफताप गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रार्थिया थाना टिकरापारा उपस्थित होकर एक लिखित शिकायत प्रस्तुत की की कोई अज्ञात मोबाईल धारक द्वारा प्रार्थिया के व्हाट्सएप पर अश्लील फोटो एवं मैसेज भेज कर परेशान कर रहा है कि शिकायत पर थाना टिकरापारा में तत्काल अज्ञात मोबाईल धारक के विरूद्ध अपराध क्रमांक 535/23 धारा 509(ख) भादवि पंजीबद्ध कर प्रकरण की जानकारी से थाना प्रभारी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। घटना को पुलिस अधीक्षक महोदय श्री संतोष सिंह द्वारा गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम जयप्रकाश बढ़ई एवं नगर पुलिस अधीक्षक पुरानीबस्ती राजेश चौधरी तथा थाना प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश रावटे टिकरापारा को अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने निर्देशित किया गया जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी द्वारा थाना स्टॉफ का संयुक्त टीम तैयार कर सायबर सेल के सहयोग से अज्ञात मोबाईल नम्बर के धारक का नाम पता/कैफे व कॉल डिटेल का जानकारी प्राप्त कर सदस्यों द्वारा अज्ञात आरोपी का पहचान कर शातिर आरोपी को संतोषी नगर रायपुर से प्रकरण में प्रयुक्त किये मोबाईल के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया प्रकरण में आरोपी का मोबाईल जप्त कर प्रकरण में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के अंतर्गत धारा 67ए, आई.टी.एक्ट का धारा जोड़ कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष रिमांड पर पेस किया गया है।

24 फरवरी माघ पूर्णिमा से शुरू, राजिम कुम्भ कल्प मेला महाशिवरात्रि 08 मार्च तक प्रस्तावित

धर्मस्व विभाग ने राजिम कुंभ कल्प मेला तैयारी के संबंध में ली बैठक

रायपुर। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के सचिव अन्बलगन पी, रायपुर कमिश्नर डॉ संजय अलंग, पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक जितेन्द्र शुक्ला, संचालक संस्कृति विभाग विवेक आचार्य ने संयुक्त रूप से आज राजिम स्थित विश्राम गृह में राजिम कुंभ कल्प के आयोजन के तैयारियों के संबंध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में राजिम कुंभ कल्प मेला से संबंधित विभाग के अधिकारियों को मेला स्थल में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने राजिम कुंभ कल्प मेला के विकास

के लिए किये जा रहे निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रगतिरत कार्यो का अवलोकन कर निर्माणाधीन कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि 24 फरवरी माघ पूर्णिमा से शुरू होने वाला राजिम कुम्भ कल्प मेला महाशिवरात्रि 08 मार्च 2024 तक प्रस्तावित है। संभागायुक्त श्री अलंग ने निरीक्षण के दौरान राजिम कुंभ कल्प मेला स्थल तैयारी की अद्यतन स्थिति का अवलोकन करते हुए उन्होंने मेला स्थल पर सड़कों का निर्माण एवं मरम्मत, अस्थाई हेलीपेड का निर्माण, मेला स्थल में पार्किंग की व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण के लिए पार्किंग की व्यवस्था, राजिम मेला के संपर्क मार्गों का मरम्मत, जतमई-घटारानी के पैच रिपेयर, गरियाबंद अन्तर्गत पंचकोशीधाम, गरियाबंद से भूतेश्वर नाथ धाम एवं समस्त धार्मिक स्थलों में जाने वाले सड़कों का मरम्मत, मुख्य मंच एवं नदी के अंदर ट्रैफिक नियंत्रण के लिए पार्किंग की व्यवस्था, विभागीय स्टाल एवं डोम निर्माण, 24 घंटे मेडिकल टीम की ड्यूटी, आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं का भण्डारण एवं वितरण, एम्बूलेंस की व्यवस्था, आपातकालीन चिकित्सा हेतु बेड एवं टेबल इत्यादि की व्यवस्था, नियंत्रण कक्ष की स्थापना, संत महात्माओं के लिए रूकने की व्यवस्था, कुण्ड स्थल पर स्नान के बाद कपड़े बदलने हेतु चेजिंग रूम का निर्माण, लक्ष्मण झुला में सुरक्षा की दृष्टि से कन्ट्रोल रूम बनाने, रात में चलने वाले बसों में एक होमगार्ड की व्यवस्था, मेला स्थल एवं राजिम के सार्वजनिक स्थलों पर दाल-भात सेंटर खोलवाने, मेला स्थल एवं राजिम शहर के सार्वजनिक जगह में पर्याप्त पानी की व्यवस्था करने कि निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली कई ट्रेनें रद्द

रायपुर। रायपुर रेल मंडल के सिलयारी- मांढर रेल खंड के समपार फाटक क.-407 टोर गेट पर अप-डाउन एवं मिडिल लाइन में गर्डर लॉन्चिंग अपग्रेडेशन का काम किया जाना है। जिसके कारण रायपुर रेल मंडल से होकर गुजरने वाली कुई ट्रेनें प्रभावित होंगी. इसमें 5 ट्रेनों को रद्द किया गया है। दिनांक 15 और 16 फरवरी को रात्रि एक बजे से 4 बजकर 35 मिनट तक 3 घंटे 35 मिनट का डाउन लाइन में ट्रैफिक ब्लॉक रहने के कारण गाड़ी संख्या 08728 रायपुर बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल 16 फरवरी 2024 को रद्द रहेगी। 19 फरवरी को गाड़ी संख्या 08727

बिलासपुर रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल बिलासपुर से दिनांक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 18239 कोरबा नेताजी सुभाष चंद्र बोस कोरबा से दिनांक 19 फरवरी 2024 को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 12856 नेताजी सुभाष चंद्र बोस(इतवारी) बिलासपुर स्टेशन से दिनांक 20 फरवरी को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 08261 बिलासपुर रायपुर पैसेंजर स्पेशल दिनांक 20 फरवरी 2024 को रद्द रहेगी।

गाड़ी संख्या 08275 रायपुर जूनागढ़ रोड पैसेंजर स्पेशल दिनांक 20 फरवरी 2024 को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 18260 हावड़ा छत्रपति शिवाजी टर्मिनस दिनांक 19 फरवरी को हावड़ा से 2 घंटे री शेड्यूल की जाएगी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.